आज का मौसम
19.0° अधिकतम तापमान
09.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.52
सूर्यास्त 05.21

अमृत विचार
लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 09:11 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

रविवार, 21 दिसंबर 2025, वर्ष 35, अंक 322, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

सीएसआर में पर्यावरणीय जिम्मेदारी का समावेश अनिवार्य : उच्चतम न्यायालय - 11

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया बोले- 2027 तक तीसरी अर्थव्यवस्था होगा भारत - 12

वैश्विक व्यवस्था में आया बदलाव अब कोई भी मर्जी नहीं थोप सकता - 13

अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ दबदबा कायम रखने उतरेगा भारत- 14

कांग्रेस ने घुसपैठियों को छूट दी, टीएमसी पहचान छिपाने को एसआईआर का विरोध कर रही : मोदी

नादिया की रैली में ममता सरकार पर बरसे प्रधानमंत्री, गुवाहाटी में हवाई अड्डे के टर्मिनल का किया उद्घाटन

- कहा- बंगाल में महाजंगलराज खत्म होगा, भाजपा के विरोध में जनता को कष्ट दे रही सरकार
- खराब मौसम से हेलीकॉप्टर नहीं कर पाया लैंड, नादिया रैली को मोबाइल से किया संबोधित

कोलकाता/गुवाहाटी, एजेंसी

गुवाहाटी में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल के उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री को प्रतीक चिह्न देते मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में टीएमसी पर जमकर हमला बोला और राज्य की मौजूदा स्थिति को महाजंगलराज करार देते हुए आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण राज्य के विकास में बाधा बन चुके हैं। कहा कि कांग्रेस ने घुसपैठियों को छूट दी और टीएमसी घुसपैठियों की पहचान छिपाने को एसआईआर का विरोध कर रही है। कोलकाता से फोन के जरिये नदिया जिले के ताहिरपुर में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने लोगों से अपील की कि 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को एक मौका देकर डबल इंजन की सरकार बनाएं।

बंगाल में रैली स्थल पर घने कोहरे के कारण प्रधानमंत्री का हेलीकॉप्टर वहां बने अस्थायी हेलीपैड पर नहीं उतर सका, जिसके बाद उन्हें कोलकाता हवाई अड्डे वापस लौटना पड़ा। मोदी ने परिवर्तन संकल्प सभा में कहा, तृणमूल कांग्रेस चाहे जितना विरोध करे, लेकिन वह लोगों को बंधक नहीं बना सकती, उन्हें कष्ट नहीं दे सकती और बंगाल के विकास को नहीं रोक सकती। प्रधानमंत्री ने प. बंगाल में कट मनी और कमीशन की प्रथा का बोलबाला होने का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में विकास थम गया है, जबकि क्षेत्र के लिए अच्छी नीयत, योजनाओं और धन की कोई कमी नहीं है। मोदी ने अगले साल के विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी का चुनावी बिगुल बजाते हुए कहा, मैं बंगाल के विकास के लिए अपनी पूरी ताकत लगाना चाहता हूं। एक मौका देकर डबल इंजन सरकार बनाएं। वहीं, गुवाहाटी में हवाई अड्डे के नए टर्मिनल का उद्घाटन करने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर उसके शासनकाल के दौरान असम और पूर्वोत्तर की उपेक्षा करने का आरोप लगाया तथा कहा, भाजपा सरकार उन गलतियों को सुधार रही है जो कांग्रेस दशकों से इस क्षेत्र में करती आ रही थी। कहा कि कांग्रेस ने उन घुसपैठियों को संरक्षण दिया जिन्होंने जंगलों और जमीनों पर कब्जा कर लिया है।

बिहार के चुनाव परिणामों ने बंगाल में भाजपा की जीत के दरवाजे खोले

प्रधानमंत्री ने बिहार विधानसभा चुनाव में राजग की प्रचंड जीत का जिक्र करते हुए कहा कि बिहार के चुनावी परिणाम पड़ोसी बंगाल में पार्टी के भाग्य पर सकारात्मक प्रभाव डालेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, बिहार के चुनाव परिणामों ने बंगाल में भाजपा की जीत के दरवाजे खोल दिए हैं क्योंकि सभी जानते हैं कि गंगा बिहार से बंगाल की ओर बहती है। प्रधानमंत्री ने कहा, बंगाल की जमीनी हकीकत यह है कि लोग तृणमूल कांग्रेस के कुशासन से मुक्ति चाहते हैं। उन्होंने कहा, राज्य की गली-गली में बांचते चाई, बीजेपी ताई (जीने के लिए भाजपा चाहिए) का नारा गूंज रहा है। प्रधानमंत्री ने नदिया जिले के रणाघाट क्षेत्र में रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण एक स्थान पर जनसभा को संबोधित किया, जहां मतुआ समुदाय का प्रभाव है। मतुआ समुदाय के लोग बांग्लादेश से आए नामसुद्र हिंदू प्रवासी हैं और हाल ही में एसआईआर मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद समुदाय के मताधिकार से वंचित होने का खतरा बढ़ गया है। रैली स्थल मतुआ समुदाय के गढ़ कहे जाने वाले बोंगाव से ज्यादा दूर नहीं था।

गुवाहाटी को प्रकृति विषय पर केंद्रित भारत का पहला हवाई अड्डा मिला

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री ने यहां लोकप्रिय गोपीनाथ बारदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल भवन का का उद्घाटन किया। यह देश का पहला नेचर-थीम वाला हवाई अड्डा है, जहां से हर साल करीब एक करोड़ 31 लाख यात्री आते-जाते हैं। भारतीय वास्तुकारों द्वारा डिजाइन किया गया यह टर्मिनल असम की समृद्ध जैव विविधता और सांस्कृतिक विरासत से प्रेरित है और इसे देश का पहला हवाई अड्डा कहा जा सकता है, जिसका निर्माण की विषयवस्तु प्रकृति पर आधारित है। द बैम्बू ऑर्किड्स नाम के इस टर्मिनल का डिजाइन असम के प्रतिष्ठित कोपो फूल (फॉक्सटेल ऑर्किड) और स्थानीय बांस की किस्मों (असम के भोलुका बांस और अरुणाचल के अपातानी बांस) से प्रेरित है, जो पूर्वोत्तर की पारिस्थितिक और सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाता है।

गिल की छुट्टी, ईशान और रिंकू को मौका

टी-20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम घोषित

मुंबई, एजेंसी

राष्ट्रीय चयन समिति ने रन बनाने के लिए जूझ रहे स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल को टी-20 विश्व कप के लिए शनिवार को चुनी गई 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं दी और विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन के साथ रिंकू सिंह को वापस टीम में शामिल किया।

मुंबई में हुई चयन समिति की बैठक में गिल को बाहर किए जाने के बाद उनके स्थान पर ऑलराउंडर अक्षर पटेल को उप कप्तान नियुक्त किया गया है। टेस्ट और वनडे में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले भारतीय बल्लेबाजों में से एक होने के बावजूद गिल टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में विशेष रूप से सलामी बल्लेबाज के रूप में एक निश्चित भूमिका निभाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में भारतीय चयनकर्ताओं ने किसी खिलाड़ी की प्रतिष्ठा के बजाय विशेष प्रभाव छोड़ने वाले खिलाड़ियों को प्राथमिकता देना उचित समझा। पावरप्ले में गिल के स्ट्राइक रेट को लेकर चिंताएं और बेहतर विकल्प मौजूद होने का असर उन पर पड़ा। अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों में उन्होंने सिर्फ 4, 0 और 28 रन बनाए। चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा गिल इस समय रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं और वह पिछले विश्व कप में भी नहीं खेल पाए थे।

न्यायमूर्ति स्वामीनाथन के खिलाफ महाभियोग चलाने की 36 पूर्व जजों ने की आलोचना

नई दिल्ली। 36 पूर्व न्यायाधीशों ने मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जीआर स्वामीनाथन के खिलाफ महाभियोग चलाने के विपक्षी नेताओं के कदम की निंदा करने की सांसदों सहित लोगों से शनिवार को अपील करते हुए कहा कि अगर इस तरह के प्रयास को आगे बढ़ने दिया गया तो यह लोकतंत्र और न्यायपालिका की स्वतंत्रता की जड़ों को ही काट देगा। न्यायमूर्ति स्वामीनाथन ने एक दिसंबर को निर्देश दिया था कि अरुलमिघु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर, उच्ची पिल्लैयार मंडपम के पास परंपरागत रूप से दीप प्रज्वलन के अलावा दीपथून में भी दीप जलाए। एकल न्यायाधीश की पीठ ने कहा कि ऐसा करने से निकटवर्ती दरगाह या मुस्लिम समुदाय के अधिकारों का उल्लंघन नहीं होगा।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, डिजिटल डोपामान ओर जॉम्बी स्क्रॉलिंग व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

ब्रीफ न्यूज

मलयालम फिल्मों के अभिनेता-निर्देशक श्रीनिवासन का निधन

कोच्चि। मलयालम फिल्मों के सबसे प्रभावशाली अभिनेताओं, पटकथा लेखकों और निर्देशकों में से एक श्रीनिवासन का शनिवार सुबह यहां एक सरकारी अस्पताल में निधन हो गया। वह 69 वर्ष के थे। फिल्म जगत के सूत्रों ने यह जानकारी दी। वह लंबे समय से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे और 2022 में उनके हृदय की सर्जरी हुई थी। श्रीनिवासन डायलिसिस के लिए कोच्चि के एक निजी अस्पताल जा रहे थे, तभी उन्हें सांस लेने में दिक्कत होने लगी। अस्पताल अधिकारियों के अनुसार, सुबह करीब साढ़े आठ बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

नए साल पर जन आंदोलन बनेगी सड़क सुरक्षा, 4-ई मॉडल से चलेगा अभियान

लापरवाही पर जब्त होंगे लाइसेंस सड़क दुर्घटनाओं पर योगी सख्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री बोले-एक मौत पूरे परिवार का जीवन बदल देती है, 2025 में हुईं 24 हजार से अधिक मौतें

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को गंभीर चुनौती मानते हुए 1 से 31 जनवरी तक प्रदेशव्यापी सड़क सुरक्षा माह आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। कहा कि इसे 4-ई मॉडल एजुकेशन, इनफोर्समेंट, इंजीनियरिंग और इमरजेंसी केयर के आधार पर संचालित किया जाए। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि लापरवाही पर लाइसेंस जब्ती के साथ वाहन सीज किया जाए।

शनिवार को शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों व पुलिस अधिकारियों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा अभियान किसी भी स्थिति में औपचारिकता नहीं, बल्कि व्यवहार परिवर्तन और जनभागीदारी पर आधारित जन-आंदोलन बनना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2025 में प्रदेश में 46 हजार से अधिक सड़क दुर्घटनाएं और 24 हजार से ज्यादा मौतें दर्ज होना अत्यंत गंभीर चेतावनी है। उन्होंने दो टूक कहा कि एक भी सड़क दुर्घटना में मृत्यु केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि पूरे परिवार के लिए आजीवन पीड़ा होती है। यही संवेदनशील दृष्टिकोण इस अभियान की आत्मा बने। बच्चों, युवाओं और आम नागरिकों में सही सड़क व्यवहार विकसित किया जाए, वहीं प्रवर्तन के तहत नियमों का सख्त पालन कराया जाए। इंजीनियरिंग के माध्यम से ब्लैक स्पॉट और खतरनाक मोड़ों का सुधार हो तथा इमरजेंसी केयर में एम्बुलेंस और ट्रॉमा सेवाएं और मजबूत की जाएं।

चालान नहीं, आदतन उल्लंघन पर सख्ती

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि केवल चालान काटना समाधान नहीं है। आदतन यातायात नियम तोड़ने वालों के खिलाफ ड्राइविंग लाइसेंस जब्त करने और वाहन सीज करने की सख्त नीति लागू की जाए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के मामलों में कठोरता जरूरी है, क्योंकि यह सीधे जीवन से जुड़ा विषय है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जागरूकता अभियान का केंद्र व्यवहार परिवर्तन हो। तहसील से जिला मुख्यालय तक प्रचार सामग्री लगाई जाए।

ब्लैक स्पॉट, एक्सप्रेसवे और गोल्डन ऑवर

मुख्यमंत्री ने ब्लैक स्पॉट सुधार, रोड सेफ्टी ऑडिट, ओवरस्पीडिंग और लेन ड्राइविंग पर सख्त नियंत्रण के निर्देश दिए। एक्सप्रेसवे पर पेट्रोलिंग, क्रेन और एम्बुलेंस की संख्या बढ़ाने को कहा गया। उन्होंने गोल्डन ऑवर में उपचार को सर्वोपरि बताते हुए निजी ट्रॉमा सेंटरों को नेटवर्क से जोड़ने, 108 और एएलएस एम्बुलेंस का रिस्पॉन्स टाइम घटाने तथा स्कूल वाहनों और भारी वाहनों की फिटनेस जांच अनिवार्य करने के निर्देश दिए। सर्वाधिक दुर्घटनाओं वाले जिलों हरदोई, प्रयागराज, आगरा और कानपुर नगर-के जिलाधिकारियों से जिला-विशेष कार्ययोजना बनाने और सख्ती व संवेदनशीलता से लागू करने को कहा।

चेतावनी : व्हाट्सएप भी हो सकता है हाईजैक

नई दिल्ली। भारतीय साइबर सुरक्षा एजेंसी सीईआरटी-आईएन ने व्हाट्सएप के डिवाइस-लिंकिंग फीचर में एक खामी की ओर इशारा किया है, जो हमलावरों को किसी खाते पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने में सक्षम बनाती है, जिसमें वेब संस्करण पर वास्तविक समय के संदेशों, फोटो और वीडियो तक पहुंच शामिल है। इसे घोस्टपेयरिंग नाम दिया है। ऐसी खबरें आई हैं कि दुर्भावनापूर्ण तत्व बिना प्रमाणीकरण की आवश्यकता के 'पेयरिंग कोड' का उपयोग करके खातों को हैक करने के लिए व्हाट्सएप की 'डिवाइस-लिंकिंग' सुविधा का फायदा उठा रहे हैं।

एडवाइजरी में कहा गया है, घोस्टपेयरिंग नामक इस नए पहचाने गए साइबर अभियान से साइबर अपराधी पासवर्ड या सिम स्वैप की आवश्यकता के बिना व्हाट्सएप खातों पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर सकते हैं। इस खुलासे पर व्हाट्सएप की प्रतिक्रिया का इंतजार है। भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (सीईआरटी-इन) साइबर हमलों से निपटने और भारतीय इंटरनेट क्षेत्र की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी शाखा है।

...और जम गया झरना

देश के कई हिस्सों में शनिवार को न्यूनतम तापमान सर्दियों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया और उत्तरी राज्यों में घने कोहरे के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ। घने कोहरे से यूपी में रेड अलर्ट जारी किया गया, वहीं उत्तराखंड के चमोली में तिम्मरसेन गुफा के पास बर्फ से बने प्राकृतिक शिवलिंग के पास जम गया झरने का पानी।

13 हजार की घूस लेते दारोगा गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सीज कार की रिलीज रिपोर्ट लगाने को मांगी थी रिश्वत, रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: एंटी करप्शन टीम घूसखोरों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। शनिवार रात ट्रैप टीम ने पीजीआई थाने की वृंदावन चौकी पर तैनात उपनिरीक्षक को 13 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। दारोगा ने सीज कार की कोर्ट में रिपोर्ट लगाने के नाम पर घूस मांगी। जिसके बाद शिकायतकर्ता ने एंटी करप्शन में सूचना देकर दारोगा को ट्रैप करा दिया। ट्रैप टीम ने दारोगा को दौड़ाकर पकड़ा, बाद में खींचते हुए बाहर गाड़ी में बैठाकर गोसाईंगंज थाने ले गई। दारोगा के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है।

अयोध्या के इनायत नगर निवासी शशांक कुमार की कार पीजीआई पुलिस ने सीज कर दी थी। शशांक ने कार छुड़ाने के लिए कोर्ट में अपील की थी। इस पर कोर्ट ने पीजीआई थाने से रिपोर्ट तलब की थी। मामले की जांच वृंदावन चौकी में तैनात उपनिरीक्षक अमर कुमार कर रहा था। आरोप है कि अमन ने कोर्ट में रिपोर्ट लगाने की एवज में 13 हजार घूस मांगी थी। पीड़ित ने बताया कि दारोगा अमर कॉल कर लगातार रुपये की मांग कर रहा था। इस पर पीड़ित ने रिश्वत मांगने की शिकायत एंटी करप्शन विभाग में की थी। साथ ही रिश्वत मांगने पर कॉल रिकार्डिंग भी सौंपी थी। इस पर एंटी करप्शन टीम ने अमर को पकड़ने के लिए योजना तैयार की । अमर देवरिया जिले के रामपुर कारखाना का मूल निवासी है।

राजधानी एक्सप्रेस से टकराकर 7 हाथियों की मौत, एक घायल

नगांव/गुवाहाटी, एजेंसी

- असम में सायरंग-नई दिल्ली राजधानी के 5 डिब्बे पटरी से उतरे

असम के होजाई जिले में शुक्रवार देर रात हाथियों का एक झुंड सायरंग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आ गया जिससे सात हाथियों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। इस दौरान ट्रेन के पांच डिब्बे और इंजन भी पटरी से उतर गए। शुरू में सभी आठ हाथियों के मारे जाने की सूचना मिली थी, हालांकि बाद में कहा गया कि उनमें से एक घायल पाया गया।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने वन विभाग को विस्तृत जांच करने और वन्यजीव गलियारों को सुरक्षित करने का निर्देश दिया है, जबकि कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने दुर्घटना के लिए वर्तमान सरकार के तहत अनियोजित और खराब तरीके से विनियमित विकास को जिम्मेदार ठहराया है। इस दुर्घटना के बाद कई ट्रेन को रद्द कर दिया गया है, कुछ ट्रेन को विभिन्न स्थानों पर रोका गया या उनकी सेवा को यात्रा गंतव्य से पहले ही समाप्त घोषित कर दिया गया। नगांव के संभागीय वन अधिकारी सुहाश कदम ने बताया कि यह घटना चांगजुराई गांव में हुई और संभवतः क्षेत्र में भारी कोहरे के कारण यह हादसा हुआ। उन्होंने कहा, मृत सातों हाथियों का पोस्टमार्टम किया जा रहा है और घायल हाथी का इलाज स्थानीय पशु चिकित्सकों द्वारा किया जा रहा है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य प्रवक्ता कपिंजल ने बताया कि यह दुर्घटना लामडिंग मंडल के अंतर्गत जमुनामुख-कामपुर खंड में हुई। यह क्षेत्र गुवाहाटी से करीब 126 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

निर्देश | **जनता दर्शन में आई शिकायत पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिए निर्देश, करीब 250 लोगों की समस्याएं**

विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों पर हो सख्त कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

गोरखपुर में जनता दर्शन में लोगों की समस्याओं को सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विदेश भेजने के नाम पर लोगों से धोखाधड़ी करने वाले एजेंटों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ऐसे फर्जी एजेंटों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए और पीड़ितों से ठगी गई पूरी धनराशि हर हाल में वापस कराई जाए।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश शनिवार सुबह कड़ाके की ठंड के बीच गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन के दौरान दिए। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 250 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

जनता दर्शन में आई एक महिला ने अपने परिजन को विदेश भेजने के नाम पर एक एजेंट द्वारा ठगी किए जाने की शिकायत मुख्यमंत्री से की। इस पर मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों को एजेंट के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई करने और पीड़ित को उसका पैसा वापस दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला को समझाते हुए कहा कि विदेश जाने के लिए अनाधिकृत एजेंटों के झांसे में न आएं। गलत तरीके से विदेश जाने पर लोगों को गंभीर परेशानियों और जेल तक का सामना करना पड़ सकता है। मुख्यमंत्री ने पुलिस से जुड़े मामलों में विशेष सतर्कता बरतने को कहा और निर्देश दिया कि पीड़ितों की मदद में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। चेतावनी दी कि जनता की समस्याओं के समाधान में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई तय है। साथ ही प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से कहा कि शिकायतों का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जनता दर्शन में जमीन पर अवैध कब्जे से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने विधिसम्मत कठोर कदम उठाने के निर्देश दिए। वहीं इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों के मामलों में अधिकारियों से कहा कि अस्पताल के एस्टीमेट की प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर शासन को भेजी जाए, ताकि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से समय पर सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 21 दिसंबर 2025

राष्ट्रीय चेतना और गौरव का प्रतीक बनेगा राष्ट्र प्रेरणा स्थल : मुख्यमंत्री

अटल जयंती पर प्रधानमंत्री करेंगे लोकार्पण, मुख्यमंत्री ने की तैयारी की समीक्षा, कहा- सुरक्षा के हों पुख्ता इंतजाम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर होने वाले 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' के लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों को परखा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अटल जी की जयंती पर 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' राष्ट्र को समर्पित करेंगे। कहा कि यह स्थल राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक विरासत और गौरव का प्रतीक बनेगा।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अटल जी के जन्म शताब्दी वर्ष में यह परियोजना लखनऊ के लिए उपहार है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री के आगमन को देखते हुए सुरक्षा, यातायात, प्रोटोकॉल, आतिथ्य और भीड़ प्रबंधन की सभी व्यवस्थाएं उच्चतम मानकों के अनुरूप हों और किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। उन्होंने कहा कि समारोह में दो लाख से अधिक लोगों की उपस्थिति प्रस्तावित है, ऐसे में यह सुनिश्चित किया जाए कि कार्यक्रम के कारण शहर का सामान्य यातायात प्रभावित न हो। इसके लिए डायवर्जन प्लान, पार्किंग व्यवस्था, पैदल मार्ग, स्पष्ट साइनेज और रूट मैप पहले से तय कर व्यापक प्रचार किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ठंड के मौसम को ध्यान में रखते हुए आमजन की सुविधा सर्वोपरि होनी चाहिए। चिकित्सा इकाइयों, एम्बुलेंस, मोबाइल मेडिकल टीम, पेयजल, शौचालय, हीटर-ब्लोअर जैसी आवश्यक सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक बस, पार्किंग ब्लॉक और प्रवेश द्वार पर नोडल अधिकारी तैनात किए जाएं।

बैठक में मुख्यमंत्री ने 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' परिसर की फाइनल टचिंग, लैंडस्केपिंग, उद्यान, संग्रहालय, एम्फीथिएटर और संपर्क मार्गों के सुंदरीकरण कार्य समय सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही पुलिस एवं प्रशासन को वीवीआईपी रूट, हेलीपैड, कार्यक्रम स्थल और जनसभा क्षेत्र में बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू करने को कहा।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल की विशेषताएं

- लगभग 230 करोड़ की लागत से 65 एकड़ क्षेत्र में विकसित भव्य परियोजना
- डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की 65 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमाएं
- राष्ट्रपुरुषों के जीवन, विचार और योगदान पर आधारित आधुनिक संग्रहालय
- दो लाख लोगों की क्षमता वाला रैली स्थल और मंच
- एम्फीथिएटर, मेडिटेशन सेंटर, विपश्यना-योग केंद्र, कैफेटेरिया
- आकर्षक लैंडस्केपिंग, स्पष्ट जोनिंग, सुदृढ़ पार्किंग और सुरक्षा प्रबंधन के साथ आधुनिक ले-आउट

राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल का फोटो।

बढ़ेगी ठंड, कोहरे का रेड अलर्ट जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में इस समय हाड़ कंपा रही भीषण ठंड और कहर ढाएगी। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले 24 से 48 घंटे प्रदेश के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहने वाले हैं। तापमान में चार डिग्री की गिरावट के साथ कई जिलों में घना कोहरा छाए रहने की संभावना है, जिससे दृश्यता शून्य तक पहुंच सकती है। इसे देखते हुए प्रदेश के कई जिलों में रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

शनिवार को कानपुर, आगरा, प्रयागराज और गाजियाबाद जैसे बड़े शहरों में दृश्यता शून्य दर्ज की गई, जिससे सड़क, रेल और हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित रहा। मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के अनुसार, बीते चार दिनों से जारी घने कोहरे में आगामी 24 घंटों के दौरान कुछ इलाकों में मामूली कमी आ सकती है। साथ ही तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की अस्थायी बढ़ोतरी के चलते सोमवार को थोड़ी राहत संभव है। हालांकि यह राहत अल्पकालिक होगी। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के गुजरने के बाद 24 दिसंबर से कोहरे का घनत्व फिर बढ़ेगा और तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है।

न्यूज ब्रीफ

वाराणसी में व्हाट्सएप 'बॉट' सेवा शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में पहली बार वाराणसी रेंज पुलिस ने अपराध नियंत्रण के लिए व्हाट्सएप 'बॉट' सेवा शुरू की है, जिसे 'पुलिस सतर्क मित्र' नाम दिया गया है। यह सेवा वाराणसी रेंज के तीन जिलों चंदौली, गाजीपुर और जौनपुर में लागू की गई है, जिससे पूर्वांचल में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगेगा। वाराणसी परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक वैभव कृष्ण ने बताया कि आमजन अक्सर नाम उजागर होने के डर से पुलिस को अपराध संबंधी जानकारी देने से बचते थे। इसी समस्या के समाधान के लिए यह व्हाट्सएप बॉट विकसित किया गया है, जिसमें सूचना देने वाले की कोई भी व्यक्तिगत जानकारी नाम, मोबाइल नंबर या स्थान पुलिस तक नहीं पहुंचेगी। सूचना पूरी तरह गोपनीय रहेगी। व्हाट्सएप बॉट नंबर 7839860411 पर मैसेज भेजकर या क्यूआर कोड स्कैन कर सूचना दे सकते हैं।

ईंट भट्ठों के विनियमन से बढ़ी आय

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में ईंट भट्ठों के प्रभावी विनियमन से एक ओर जहां वित्तीय वर्ष 2025-26 में 193.5 करोड़ रुपये की उल्लेखनीय आय प्राप्त हुई है, वहीं दूसरी ओर वायु प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में भी ठोस परिणाम सामने आए हैं। मुख्य सचिव की समीक्षा बैठक में बताया गया कि जिला स्तर पर गठित सत्यापन समितियों के माध्यम से अवैध ईंट भट्ठों पर प्रभावी कार्रवाई की गई, जिससे अवैध संचालन में 70 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर गठित जनपद स्तरीय सत्यापन समितियों ने प्रदेशभर में ईंट भट्ठों का व्यापक सत्यापन अभियान चलाया। इन समितियों में जिला अधिकारी, अपर जिला अधिकारी, एसडीएम, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी, स्थानीय पुलिस एवं पर्यावरण विशेषज्ञ शामिल रहे।

प्रदेश में खोले जाएं मिलिट्री स्कूल

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने लखनऊ में 1962 के भारत-चीन युद्ध में रेजांग ला पोस्ट पर अद्भुत वीरता दिखाने वाले कुमायूं रेजीमेंट के सैनिकों और उत्तर प्रदेश के पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया। कैप्टन रामचन्द्र यादव, हवलदार नेहाल सिंह, गजेन्द्र सिंह सहित 13 कुमायूं रेजीमेंट तथा यूपी के एक्स सर्विसमैन को सम्मान किया। उन्होंने उप्र. में मिलिट्री स्कूल की जरूरत बतायी। सपा प्रमुख शनिवार को पार्टी मुख्यालय में सैनिकों को सम्मानित करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अहीर रेजीमेंट के गठन की मांग दोहराई।

पीएम मोदी की लखनऊ रैली में जुटेगी एक लाख लोगों की भीड़

जेपी नड्डा व योगी की मौजूदगी में संगठन और सरकार ने बनाया रोडमैप

भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में अन्य पार्टी नेता।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पंकज चौधरी की पहली बड़ी रणनीतिक बैठक
- डेढ़ घंटे चली बैठक में अटल जयंती, वीर बाल दिवस और चुनावी रणनीति पर मंथन

अमृत विचार : 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर राजधानी लखनऊ स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल में प्रस्तावित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली को ऐतिहासिक बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने पूरी ताकत झोंक दी है। रैली में एक लाख से अधिक लोगों की उपस्थिति सुनिश्चित करने को लेकर शनिवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में एक अहम बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने की। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह मौजूद रहे।

शाम करीब चार बजे शुरू हुई यह बैठक लगभग डेढ़ घंटे तक चली। तय हुआ कि भाजपा अटल जयंती को केवल श्रद्धांजलि तक सीमित न रखकर, इसे बड़े जनसंपर्क और संगठनात्मक अभियान के रूप में मनाएगी। बैठक को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि अटल जंयती के अगले दिन 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस पर गुरु गोविंद सिंह के चारों साहिबजादों के बलिदान की अमर गाथा को लोकव्यापी बनाना पार्टी की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि छोटी सी आयु में धर्म, संस्कृति और राष्ट्र की रक्षा के लिए दिया गया यह बलिदान अडिग आस्था, साहस और आत्मसम्मान की मिसाल है।

लखनऊ व प्रदेश के लिए होगा गौरव का क्षण : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 25 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण लखनऊ और प्रदेश के लिए गौरव का क्षण होगा। उन्होंने कहा कि स्थल पर स्थापित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की 65 फीट ऊंची प्रतिमाएं 'एक देश, एक विधान, एक निशान', एकात्म मानववाद और अंत्योदय के विचारों का जीवंत संदेश देंगी।

बूथ स्तर तक संगठन को कसने की तैयारी

प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रदेश संगठन सभी कार्यक्रमों को सर्वव्यापी, सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी बनाने में जुटा है। उन्होंने बताया कि अटल जयंती बूथ स्तर तक मनाई जाएगी। जिलों में प्रदर्शनियां और संगोष्ठियां आयोजित कर अटल जी के ऐतिहासिक निर्णयों, नेतृत्व क्षमता और संघर्षशील व्यक्तित्व को जनमानस तक पहुंचाया जाएगा। बैठक में पंचायत चुनाव 2026 और विधानसभा चुनाव 2027 की पृष्ठभूमि में संगठनात्मक मजबूती, विशेष पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) और आगामी कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई।

कफ सिरप मामले में आरोपियों के घरों पर चले बुलडोजर : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सपा मुख्यालय में पत्रकार वार्ता करते अखिलेश यादव। अमृत विचार

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कोडीन कफ सिरप मामले में कहा कि शामिल सभी माफियाओं और आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाया जाए, चाहे वे किसी भी दल से जुड़े हों। प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि सरकार माफियाओं और अधिकारियों के गठजोड़ को बचा रही है। अन्याय, झूठे मुकदमे और विपक्ष की आवाज दबाने के आरोप भी लगाए।

राजधानी स्थित सपा मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा कि कफ सिरप मामले में आरोपियों और माफियाओं को मुख्यमंत्री और सरकार का संरक्षण प्राप्त है तथा सरकार कई अहम तथ्यों को छिपा रही है। उन्होंने इसे हजारों करोड़ रुपये का अंतरराष्ट्रीय रैकेट बताते हुए कहा कि इसमें करीब 700 कंपनियों के शामिल होने की बात सामने आ रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि अखबारों की खबरों से सच्चाई सामने आई है। चूने के बोरे की आड़ में चार ट्रकों से 3.5 करोड़ रुपये का कफ सिरप बांग्लादेश भेजा जा रहा था, जिसका खुलासा हुआ। इस मामले में प्रदेश के 36 जिलों में 128 से अधिक एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार कुछ तस्वीरें दिखाकर सच्चाई से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है।

कफ सिरप कांड के दोषियों को अखिलेश बचा नहीं पाएंगे : केशव

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कोडिन कफ सिरप कांड को लेकर सपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी और अखिलेश यादव किसी को नहीं बचा सकते। मौर्य ने अखिलेश यादव पर शनिवार को फिर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी और माफिया एक-दूसरे के बिना नहीं रह सकते। कोडिन कफ सिरप के पीछे जो भी दोषी होगा, उसे उल्टा लटका दिया जाएगा। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में पुलिस और ईडी की जांच चल रही है। वहीं, एसआईआर के बारे में अखिलेश यादव के ट्वीट पर उन्होंने कहा, जब से अखिलेश बिहार में हारने के बाद वापस आए हैं, उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया है।

जातिवादी राजनीति की आड़ में सच्चाई न छिपाएं अखिलेश: निषाद

अमृत विचार, लखनऊ : कोडीन युक्त कफ सिरप मामले में मत्स्य पालन विभाग के मंत्री संजय निषाद विपक्ष की भूमिका पर चिंता व्यक्त की और सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मामले पर राजनीति न कर स्पष्टीकरण देने को कहा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार जीरो टालरेंस की नीति के तहत कार्य कर रही है। लेकिन इस मामले में विपक्ष की भूमिका अत्यंत चिंताजनक है। एक ओर तो वो इस गंभीर मामले की जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं, बल्कि जाति की राजनीति की आड़ में सच्चाई से बचने का प्रयास कर रहे हैं। निषाद ने कहा कि कोडीन कफ सिंडीकेट से जुड़े लोगों के साथ सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की तस्वीर का सामने आना, सामान्य बात नहीं है।

मदरसा फर्जी नियुक्ति कांड में आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

आरोपी हाईकोर्ट से गिरफ्तारी पर रोक लगाने के जुगाड़ में लगे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मदरसा से लेकर जिला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारी व कर्मचारी रडार पर

अमृत विचार: मदरसे में मृतक आश्रित कोटे पर फर्जी नियुक्ति कराने के आरोपियों की तलाश में तुलसीपुर पुलिस जुटी हुई है। लगातार आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। उधर, आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए हाईकोर्ट पहुंचे हैं। ताकि उनको राहत मिले। एफआईआर दर्ज होने के चार दिन बाद भी आरोपी तक पुलिस का न पहुंचना कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रहा है। चार दिन पहले जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने तुलसीपुर थाने में मदरसा जामिया अनवारुल उलूम में हुए मृतक आश्रित कोटे पर कनिष्ठ सहायक पद की नियुक्ति को फर्जी बताते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें कूटरचित शपथ पत्र के ज़रिए धोखाधड़ी करने का प्रयास किया गया था।

जानकारी के मुताबिक एफआईआर दर्ज होने के बाद से ही आरोपी फरार हो गये हैं। वह अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार हाईकोर्ट में वकीलों के संपर्क में हैं। पुलिस भी हाईकोर्ट के फैसले का इंतजार कर रही है। पुलिस के मुताबिक लगातार दबिश दी जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। वहीं, मामले के याचिकाकर्ता मो. इमरान ने बताया कि इस पूरे प्रकरण ने न सिर्फ मदरसा प्रबंधन की भूमिका को कठघरे में खड़ा किया है। साथ ही सरकारी निगरानी तंत्र और पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाये हैं।

लेखपाल भर्ती: बदलेगा पद व रोस्टर का आधार

राजस्व परिषद की आयुक्त व सचिव कंचन वर्मा ने लिखा आयोग को पत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 7994 पदों पर भर्ती में वर्टिकल व हॉरिजॉन्टल आरक्षण लागू करने के निर्देश
- मुख्यमंत्री के कड़े रुख के बाद हरकत में आया राजस्व परिषद लेखपाल भर्ती पर पत्राचार

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त रुख के बाद लेखपाल भर्ती प्रक्रिया को लेकर राजस्व परिषद सक्रिय हो गया है। लेखपाल के 7,994 पदों पर भर्ती के अधियाचन को लेकर राजस्व परिषद की आयुक्त एवं सचिव कंचन वर्मा ने उप्र. अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) को पत्र लिखकर पदों की संशोधित सूचना भेजने की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है।

राजस्व परिषद द्वारा भेजे गए पत्र में स्पष्ट किया गया है कि लेखपाल पद मंडल स्तरीय संवर्ग का है। ऐसे में पदों की गणना और आरक्षण रोस्टर भी मंडल स्तर पर ही लागू किया जाना चाहिए। जिलावार आधार पर की गई गणना से तकनीकी दिक्कतें सामने आई हैं, जिनके चलते अधियाचन में संशोधन आवश्यक हो गया है। पत्र में कहा गया है कि मंडल स्तर पर कार्यरत एवं रिक्त लेखपाल पदों के आधार पर श्रेणीवार गणना कर संशोधित अधियाचन आयोग को उपलब्ध कराया जाएगा। आयुक्त एवं सचिव ने यह भी निर्देश दिए हैं कि भर्ती प्रक्रिया में वर्टिकल और हॉरिजॉन्टल आरक्षण के प्रावधानों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाए।

गौरतलब है कि यूपीएसएसएससी ने हाल ही में लेखपाल के 7,994 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती में वर्टिकल आरक्षण के तहत 27 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग, 21 प्रतिशत अनुसूचित जाति और 2 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति को आरक्षण का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त दिव्यांग, भूतपूर्व सैनिक, महिला अभ्यर्थियों के लिए हॉरिजॉन्टल आरक्षण भी लागू किया जाना है। राजस्व परिषद ने पत्र में स्पष्ट किया है कि संशोधित अधियाचन के तहत यदि पदों की संख्या या श्रेणीवार वितरण में कोई बदलाव होता है तो उसकी सूचना एक सप्ताह के भीतर आयोग को भेज दी जाएगी। इसके बाद आयोग स्तर से आवश्यक संशोधन और आगे की भर्ती प्रक्रिया तय की जाएगी। माना जा रहा है कि इस पत्राचार के बाद लेखपाल भर्ती को लेकर चल रहा भ्रम दूर होगा और आरक्षण व पद गणना को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

पुरानी सूची उपलब्ध नहीं, नो मैपिंग में दर्ज किए जा रहे मतदाता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा ने राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार : सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने संभल की गुन्नौर विधानसभा सीट सहित गाजियाबाद, बहराइच और सीतापुर में चल रही एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए हैं। इसके लिए उन्होंने शुक्रवार को राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मतदाता सूची से जुड़ी गंभीर अनियमितताओं की शिकायत की।

सपा प्रदेश अध्यक्ष ने ज्ञापन में बताया गया कि संभल की 111-गुन्नौर विधानसभा में 2003 की मतदाता सूची उपलब्ध न होने के कारण 73,629 मतदाताओं को "नो मैपिंग" और 1,33,676 मतदाताओं को "प्रोजनी मतदाता" श्रेणी में बीएलओ द्वारा दर्ज कर दिया गया है, जबकि अधिकांश मतदाताओं के नाम 2003 की सूची में मौजूद हैं। सपा ने सभी मतदेय स्थलों पर 2003 की मतदाता सूची उपलब्ध कराने और नो मैपिंग कैटेगरी में सुधार कराने की मांग की है। इसी प्रकार ज्ञापन में गाजियाबाद और साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्रों में अपात्र मतदाताओं को दोबारा सूची में जोड़ने की साजिश का आरोप लगाया गया है।

आयोजन | कोऑपरेटिव एक्सपो आज से, मंत्री जेपीएस राठौर ने दी जानकारी

युवाओं को सहकारिता से जोड़ रही सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री योगी करेंगे युवा सहकार सम्मेलन व कोऑपरेटिव एक्सपो का उद्घाटन
- प्रदेश में पहली बार 21 से 31 तक होगा कोऑपरेटिव एक्सपो, 70 से अधिक लगेंगे स्टॉल

अमृत विचार: सहकारिता केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत का मजबूत आधार है। युवाओं, महिलाओं और किसानों की भागीदारी से सहकारिता आंदोलन को नई ऊर्जा मिली है। यह बात उत्तर प्रदेश के सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के समापन अवसर पर आयोजित होने वाले 'युवा सहकार सम्मेलन-2025 एवं कोऑपरेटिव एक्सपो-2025' को लेकर कही।

लखनऊ स्थित यूपी कोऑपरेटिव बैंक मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने बताया कि 21 दिसंबर को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु और जलशक्ति एवं सिंचाई मंत्री स्वतंत्र देव सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। इसी दिन से प्रदेश में पहली बार 'कोऑपरेटिव एक्सपो-2025' की शुरुआत होगी, जो 31 दिसंबर तक चलेगा।

योजनाओं, नवाचारों और उपलब्धियों का प्रदर्शन : जेपीएस राठौर ने बताया कि कोऑपरेटिव एक्सपो में सहकारी संस्थाओं, एफपीओ, एफपीसी और लघु उद्यमियों के 70 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें हस्तशिल्प, हैंड एम्ब्रॉयडरी, ज्वैलरी, टेराकोटा, लकड़ी पर नक्काशी, कालीन-दरी, जरी उत्पाद, चमड़ा, आयुर्वेद, ऑर्गेनिक उत्पाद, बायोफर्टिलाइजर और माइक्रोन्यूट्रिएंट्स जैसे उत्पाद प्रदर्शित होंगे। एक्सपो का उद्देश्य सहकारी उत्पादों की लोकप्रियता और बाजार में उनकी स्वीकार्यता बढ़ाना है। प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम और फूड स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। सम्मेलन में सहकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले अधिकारियों, जिलों और संस्थानों को मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

जानकारी देते मंत्री जेपीएस राठौर।

एक करोड़ गरीब महिलाओं को बनाएंगे लखपति दीदी : मौर्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की राज्य स्तरीय कार्यशाला

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक मजबूती से ही विकसित भारत का संकल्प साकार होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि एक करोड़ गरीब परिवारों की महिलाओं को लखपति दीदी के रूप में विकसित किया जाए और जिलों में अधिक से अधिक खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना सुनिश्चित की जाए।

उप मुख्यमंत्री शनिवार को लोक निर्माण विभाग मुख्यालय स्थित विश्वेश्वरैया प्रेक्षागृह में उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में उत्कृष्ट कार्य करने वाली दो विद्युत सखियों, दो लखपति दीदियों और दो बैंक सखियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही 400 करोड़ रुपये के बैंक क्रेडिट लिंकेज के प्रतीकात्मक चेक वितरित किये गये। बीसी सखी कार्यक्रम के अंतर्गत बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और यूनियन बैंक के साथ एमओयू किया गया। कैडर मानदेय पोर्टल की शुरुआत की गई।

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के 21वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के साथ मौजूद मेधावी छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

कब्जा हटवाने गई नगर निगम टीम का विरोध

अमृत विचार, लखनऊ : बीबीडी थाने में नगर निगम के लेखपाल ने पिता-पुत्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी है। लेखपाल सुभाष कौशल ने बताया कि ग्राम भैसोरा स्थित नगर निगम की जमीन है। जिसपर तहसील से सीमांकन कराने के बाद नगर निगम द्वारा हॉस्पिटल का निर्माण कराया जा रहा है। उक्त जमीन पर पड़ोस का प्लॉट मालिक का अस्थायी कब्जा था। 15 दिसंबर को नायब तहसीलदार, क्षेत्रीय राजस्व लेखपाल टीम के साथ अवैध कब्जा हटवाने पहुंचे। इसपर अनुराग राजपूत और उनके पिता नंद किशोर निवासी बाघामऊ जेसीबी पर चढ़कर विरोध करने लगे। मामले में लेखपाल ने पिता-पुत्र के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा व संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर बीबीडी राम सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

रेस्टोरेंट पर लगाया पांच हजार का जुर्माना

अमृत विचार, लखनऊ : नगर निगम ने शनिवार को गंदगी और प्रतिबंधित पॉलीथीन के विरूद्ध अभियान चलाया। जोन 1 के लालबाग क्षेत्र स्थित चारमीनार रेस्टोरेंट में प्रतिबंधित पॉलीथीन के प्रयोग पर 5,000 रुपये जुर्माना लगाया। आस-पास गंदगी फैलाने पर 1400 रुपये का चालान काटा। कार्रवाई में जोनल सेनेटरी ऑफिसर कुलदीपक सिंह और एसएफआई सुनील वर्मा शामिल रहे। जोन 2 के मवैया पुल के नीचे एवं मछली मंडी के आस-पास चलाये गए अभियान में प्लास्टिक के उपयोग पर 3 चालान करके 9500 रुपये और गंदगी पर 9 चालान कर 16000 रुपये शमन शुल्क वसूला।

डिग्री उपलब्धि नहीं, बल्कि नैतिक दायित्व का प्रतीक : राज्यपाल

केजीएमयू के 21वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा व विशिष्ट अतिथि यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी रहे मौजूद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: केजीएमयू (किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय) का 21वां दीक्षांत समारोह शनिवार को कन्वेंशन सेंटर में राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा, विशिष्ट अतिथि यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक रहे।

दीक्षांत समारोह में एमबीबीएस छात्रा तनुश्री सिंह को अति प्रतिष्ठित हीवेट गोल्ड मेडल सहित दो सिल्वर मेडल और बुक प्राइज प्रदान किया गया। वहीं अन्य मेधावी विद्यार्थियों के साथ मयंक सुहाग को चांसलर मेडल समेत दो गोल्ड मेडल, बुक प्राइज एवं प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया। समारोह में देश के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद को डी.एससी. (मानद उपाधि) प्रदान की गई।

पदक एवं उपाधि वितरण के बाद अपने अध्यक्षीय संबोधन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने छात्राओं को बड़ी संख्या में उपाधियां और पदक मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की। नव चिकित्सकों से निरंतर परिश्रम, समर्पण और ईमानदारी के साथ आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि आज प्राप्त की गई डिग्री केवल शैक्षणिक उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज के प्रति गंभीर नैतिक दायित्व का प्रतीक है। नव चिकित्सकों से चिकित्सा को सेवा के रूप में अपनाने और मानवीय संवेदनाओं व नैतिक मूल्यों को कभी न भूलने की अपील की। उन्होंने केजीएमयू को देश का प्राचीनतम चिकित्सा संस्थान बताते हुए कहा कि यहां से निकले चिकित्सकों ने राज्य, देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है।

चिकित्सा शिक्षा में सरकार के प्रयासों की सराहना: राज्यपाल ने केंद्र सरकार की स्वास्थ्य नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि देशभर में 10 हजार नई एमबीबीएस सीटें बढ़ाई गई हैं और अगले पांच वर्षों में 75 हजार सीटें बढ़ाने का लक्ष्य है। इससे गांव-गांव तक योग्य चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना को संकट की घड़ी में भरोसे का कवच बताया। साथ ही कहा कि स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग को लगभग चार हजार करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है और प्रत्येक जिले में डे-केयर कैंसर सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं।

कुलपति पद्मश्री प्रो. सोनिया नित्यानंद ने विश्वविद्यालय की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। समारोह में प्रति-कुलपति प्रो. अपजीत कौर, कार्य परिषद व विद्यापरिषद के सदस्य, संकायाध्यक्ष, विद्यार्थी, स्कूली बच्चे एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

सर्वाइकल कैंसर रोकथाम पर जोर: राज्यपाल ने बताया कि बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने के लिए लगभग 11 करोड़ रुपये की लागत से निशुल्क एचपीवी टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत अब तक 40 हजार बालिकाओं का टीकाकरण किया जा चुका है। ये सभी अभियान सीएसआर के माध्यम से संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वर्ष 2019 से राजभवन परिवार द्वारा लगभग चार लाख टीबी रोगियों को 'निक्षय पोषण योजना' के तहत गोद लिया गया है, जिससे 854 करोड़ रुपये की सहायता सीधे लाभार्थियों तक पहुंची है।

केजीएमयू को मिले इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल इंपोर्टेंश : यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि केजीएमयू राज्य का पुराना संस्थान है, इसकी प्रतिष्ठा में यहां के लोगों का कौशल है, उनकी अहम भूमिका है। बेहतर चिकित्सक बनाने के साथ ही गरीब मरीजों को यह संस्थान गुणवत्त युक्त इलाज मुहैय्या करता है। केन्द्रीय मंत्री से उन्होंने इस संस्थान को एम्स के समान 'इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल इंपोर्टेंश' का दर्जा दिलाने की अपील भी की। राज्यमंत्री ने कहा कि दीक्षांत समारोह संस्कार है, इसका वास्तविक अर्थ वापस लौटना होता है, छात्र जीवन से निकल कर प्रोफेशनल जीवन में प्रवेश कर रहे है, मानवीय मूल्यों से समझौता नहीं करना है, समाज को आपसे अपेक्षाएं बहुत है, अपेक्षाएं जिम्मेदारी की द्योतक होती है। आपने पढ़ाई करते हुए बहुत मेहनत की है, सीखने की प्रकिया बंद नहीं होनी चाहिए, भावी पीढ़ी के लिए आदर्श बनें।

कुलाधिपति पदक ग्रहण करते मयंक सुहाग। अमृत विचार

हीवेट स्वर्ण पदक से सम्मानित तनुश्री सिंह।

चिकित्सक हमेशा छात्र बने रहें, अपडेट रहें : जेपी नड्डा

दीक्षांत समारोह में बोलते मुख्य अतिथि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा।

- दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और माता-पिता के त्याग का परिणाम है। केजीएमयू की देश में आठवीं और टॉप रैंकिंग में दूसरी रैंक का उल्लेख करते हुए संकाय सदस्यों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि मरीज चिकित्सकों के पास जीवन की उम्मीद लेकर आता है। चिकित्सा आसान कार्य नहीं, बल्कि निरंतर सीखने और अपडेट रहने की प्रक्रिया है। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति को सतत प्रयास और पॉलिसी बनाने और अमल करने का जिक्र करते हुए कहा कि वर्तमान में 23 ऑल इंडिया मेडिकल इंस्टीट्यूट हैं, अब बच्चों को मजबूरी में बाहर पढ़ने नहीं जाना पड़ता है, यहां सबकुछ है। हम लोग 140 करोड़ से ज्यादा आबादी के देश हैं, बच्चों को जन्म से लेकर 16 साल की आयु तक टीकाकरण करते हुए स्वास्थ्य की रक्षा कर रहें हैं, यह भारत की डिजिटल ताकत है। हम लोग रोबोटिक सर्जरी की तरफ बढ़ रहे हैं, नवचिकित्सकों से अपील करते हुए कहा कि हमेशा छात्र बने रहे, अपडेट रहें। नव चिकित्सकों से राष्ट्र सेवा के भाव से कार्य करने का आह्वान किया।

81 नवचिकित्सक मेडल से सम्मानित

- दीक्षांत समारोह में 81 मेधावियों को मेडल और अवॉर्ड्स देकर सम्मानित किया गया। इनमें कुल 48 छात्राएं और 33 छात्र शामिल रहे। समारोह में 100 स्टूडेंट्स को गोल्ड मेडल, सात को सिल्वर, दो को बुक प्राइज, तीन को कैश प्राइज और सात को सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर दिया गया। कुल 2431 स्टूडेंट्स को ऑनलाइन डिग्री प्रदान की गई।

बच्चों को दी चॉकलेट और पुरस्कार

- राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की सभी उपाधियों को डिजिलॉकर में अपलोड किया। गोद लिए गए गांवों के विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम की सराहना करते हुए उन्हें चॉकलेट वितरित की गई। प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए तथा विद्यालयों की लाइब्रेरी के लिए पुस्तकें भेंट की गईं।

नई चुनौतियों के लिए तैयार रहें : ब्रजेश पाठक

- उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि वे जीवन के नए चरण में प्रवेश कर रहे हैं, जहां धैर्य, संवेदनशीलता और समर्पण की आवश्यकता होगी। उन्होंने बताया कि आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह और प्रो. अजय कुमार सूद ने भी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

किसान यूनियन का थाने के बाहर धरना

संवाददाता मलिहाबाद

अमृत विचार : मलिहाबाद में भारतीय किसान मजदूर यूनियन (दशहरी) ने संगठन कार्यकर्ता की फसल बर्बाद करने और विरोध पर गाली-गलौज करने वाले आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए मलिहाबाद थाना के सामने अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन शुरू किया। आरोप है कि 6 दिसंबर को थाना और 12 दिसंबर को सहायक पुलिस आयुक्त को प्रार्थना पत्र दिया गया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष यादव ने बताया कि संगठन कार्यकर्ता भगवान लाल, जो सरोजनी नगर के ग्राम अजीतन खेड़ा के निवासी हैं, ने मलिहाबाद के कसमंडी खुर्द में भूमि खरीदी थी। भूमि को बटाई पर संगठन की महिलाएं लक्ष्मी और चंद्रावती को दी गई थी, जिसमें 15 दिन पूर्व गेहूं की फसल बोई गई थी। आरोप है कि 6 दिसंबर को एक युवक ट्रैक्टर से खेत में घुसकर फसल जोत दी, जिससे भारी आर्थिक नुकसान हुआ।

मुकदमा न दर्ज करने पर मलिहाबाद थाने के सामने धरना देते किसान यूनियन के सदस्य।

शिव श्याम मंदिर से आज निकलेगी मंगल कलश यात्रा

अमृत विचार , लखनऊ : सदर कैंट के हाता रामदास स्थित शिव श्याम मंदिर प्रांगण में 22 दिसम्बर से 29 दिसम्बर तक श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ एवं लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन होने जा रहा है। शिव श्याम मंदिर समिति के मुख्य संयोजक राजेन्द्र पांडेय गुरुजी व मुख्य यजमान प्रीति सिन्हा ने बताया कि कथा से पूर्व 21 दिसम्बर (रविवार) को प्रातः 10:30 बजे एक विशाल मंगल कलश यात्रा निकाली जाएगी। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण कर मंदिर परिसर से निकलेंगी।

अखिलेश का स्वास्थ्य ठीक नहीं, अटल मेले में कराएं इलाज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : विकासनगर के मिनी स्टेडियम में दो दिवसीय अटल स्वास्थ्य मेले का शनिवार को उद्घाटन उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने किया। इस मौके पर उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि बिहार चुनाव हारने के बाद उनका मानसिक स्वास्थ्य सही नहीं है। मैं नीरज से कहूंगा कि अखिलेश यादव का स्वास्थ्य मेले में जांच करवाएं।

अयोध्या वाली सीट जीतने के बाद लगातार कहते थे कि अवध हराया है तो मगध भी हराएंगे। एक दिन पटना एयरपोर्ट पर मिल गए तो पूछ रहे कि लड्डू कब खिलाएंगे तो मैंने कहा 14 नवंबर को गिनती हो करके नीतीश को दोबारा मुख्यमंत्री बन जाने दीजिए तो लड्डू खिलाएंगे। लेकिन 14 नवंबर को रिजल्ट आने के बाद उनका पता नहीं चल रहा है। मगध में हार चुके हैं और यूपी में हराएंगे 2027 में 2017 से भी बड़ी विजय दिलाएंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा इस समय अखिलेश का स्वास्थ्य सही नहीं लग रहा है इसलिए मैं कह रहा हूं कि यहां आकर इलाज करा ले यहां बड़े अच्छे-अच्छे डॉक्टर हैं। लेकिन वह कराएंगे नहीं कि आप सब लोग जान जाएंगे।

कार्यक्रम में मौजूद पूर्व सांसद और पूर्व अध्यक्ष रमापति राम त्रिपाठी, सदस्य विधान परिषद मुकेश शर्मा, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी और मेला संयोजक नीरज सिंह ने भी सम्बोधित किया।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद और पूर्व अध्यक्ष रमापति राम त्रिपाठी, सदस्य विधान परिषद मुकेश शर्मा, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी और मेला संयोजक नीरज सिंह ने भी संबोधित किया।

पहले दिन 5220 लोगों ने किया प्रतिभाग: मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि पहले दिन मेले में 5220 लोग पहुंचे। 50 अल्ट्रासाउंड, 40 ईसीजी और 25 इको जांच की गई। साथ ही 35 दिव्यांगों को बैसाखी, इलेक्ट्रॉनिक व्हीलचेयर और ट्राई साइकिल वितरित की गई। 110 सुनने की मशीन और 715 चश्मों का वितरण हुआ। बच्चों का नियमित टीकाकरण, परिवार नियोजन संबंधी सलाह और अन्य साधनों का वितरण भी किया गया। होम्योपैथिक, आयुर्वेद, नेचुरोपैथी और यूनानी पद्धति के उपचारों का भी लाभ लिया गया। ब्लड डोनेशन की सुविधा भी उपलब्ध थी।

दिव्यांगों को ट्राई साईकिल देते हुए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य साथ में अन्य। अमृत विचार

दिव्यांगों को मिले सहायक उपकरण, खिल उठे चेहरे

अमित कुमार शर्मा | विक्रम सिंह | मिथिलेश सिंह | राम स्वरूप

- उपमुख्यमंत्री ने पहले से पंजीकृत दिव्यांगों को सहायक उपकरण वितरित किए। ठाकुरगंज के महबूबगंज निवासी अमित कुमार शर्मा को इलेक्ट्रिक ट्राईसाइकिल मिली, जिससे वह ऑनलाइन डिलीवरी या रोजगार के लिए आसानी से कहीं भी जा सकेंगे। कल्याणपुर निवासी विक्रम सिंह, जो पहले व्हीलचेयर पर निर्भर थे, अब ट्राईसाइकिल से कम समय में यात्रा कर सकेंगे। बहादुरपुर की मिथिलेश सिंह को नई ट्राईसाइकिल मिली, जिससे वह विज्ञापन पर्चे बांटकर परिवार का खर्च चला पाएंगी। अलीगंज के राम स्वरूप को कान की मशीन मिली, जिससे वे साफ सुन पा रहे हैं। अटल स्वास्थ्य मेले में दिव्यांगों को मिले सहायक उपकरण उनकी रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बनाने और आत्मनिर्भर बनने की नई उम्मीद जगाने में महत्वपूर्ण साबित हुए।

अराजकता | सरकार को लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान, जिम्मेदारों की निगरानी नाकाम

दुबग्गा मंडी के बाहर सड़क पर सजती है अवैध सब्जी मंडी

संवाददाता, काकोरी

अमृत विचार : सड़क पर अवैध रूप से दुबग्गा मण्डी के बाहर सजी सब्जी दुकानें लखनऊ की पहचान बन चुकी हैं। हारदोई रोड हाईवे और जॉगर्स पार्क रोड पर सुबह तीन बजे से ही किसान और कुछ दबंग व्यापारी मण्डी गेट के बाहर जमा हो जाते हैं। सड़क पर वाहनों का जमावड़ा रहता है और बीच डिवाइडर पर बाइकें खड़ी रहती हैं। ओवरलोड वाहनों की कतार और बेतरतीब वाहन संचालन भी राजधानी के राजमार्गों का स्थायी दृश्य बन चुका है।

मण्डी सचिव या नगर निगम द्वारा अब तक इन अवैध दुकानों को हटाने का कोई प्रयास नहीं हुआ। इससे सरकार को हर माह लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है और ये दुकाने कभी किसी बड़े हादसे का कारण भी बन सकती हैं। दुबग्गा मण्डी के गेट नंबर 3 और 4 के बाहर दर्जनों दुकानें बिना लाइसेंस संचालित हो रही हैं।

मण्डी प्रभारी शिव कुमार ने बताया कि ये दुकानें नगर निगम की जमीन पर हैं और उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं। सभी दुकाने अवैध रूप से चल रही हैं, जिससे जाम लगता है और सड़क पर निगरानी पूरी तरह से फेल साबित हो रही है। भीषण ठंड और कोहरे के मौसम में किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

मण्डी गेट नम्बर 3 व 4 पर सजी अवैध दुकानें। अमृत विचार

अमृत विचार
लखनऊ, रविवार, 21 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

दो वर्षों की कार्ययोजना पर हुआ मंथन

अमृत विचार, लखनऊ: श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित श्रमिक कल्याणकारी योजनाओं का वृहद स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक श्रमिकों और उनके परिजनों को योजनाओं का लाभ मिल सके। रोजगार मिशन के अंतर्गत दो वर्षों में देश में लगभग 6 लाख तथा विदेश में 50 हजार अभ्यर्थियों को रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए उन्होंने जिला, तहसील, विकासखंड मुख्यालयों एवं बस स्टेशनों जैसे सार्वजनिक स्थलों पर होर्डिंग, बैनर व स्टैंडी लगाने के निर्देश दिए। श्रम मंत्री, शनिवार को विधान भवन स्थित कक्ष संख्या-80 में श्रम एवं सेवायोजन विभाग की आगामी दो वर्षों की प्रस्तावित कार्ययोजना को लेकर बैठक संबोधित कर रहे थे। बैठक में उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प है कि 2027 तक उत्तर प्रदेश को बालश्रम से मुक्त किया जाए। इसके लिए सभी विभागीय कार्यों को समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाए और प्रत्येक कार्ययोजना की स्पष्ट समय-सीमा तय की जाए। साथ ही जिलों में स्थापित लेबर अड्डों के विकास, वहां जल-छांव की व्यवस्था तथा सराय योजना को गति देने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि विदेश में रोजगार के लिए अभ्यर्थियों को जापानी, जर्मन, अंग्रेजी सहित अन्य भाषाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

हिजाब महिला के सम्मान से जुड़ा : मायावती

अमृत विचार, लखनऊ: बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र वितरण के सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान एक मुस्लिम महिला डॉक्टर का हिजाब (चेहरे का नकाब) हटाने से जुड़ा मामला सुलझने के बजाय लगातार विवाद का रूप लेता जा रहा है। मंत्रियों आदि की बयानबाजी के कारण यह मुद्दा और गंभीर हो गया है, जो दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। बसपा प्रमुख ने शनिवार को जारी बयान में देश और प्रदेश से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चिंता जताई। बिहार, उत्तर प्रदेश, संसद और पड़ोसी देश बांग्लादेश की स्थिति को लेकर सरकारों के रवैये पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बिहार का मामला महिला सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा था, जिसे मुख्यमंत्री के सीधे हस्तक्षेप से पहले ही सुलझ जाना चाहिए था। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस पूरे प्रकरण को सही परिप्रेक्ष्य में देखने और पश्चाताप कर विवाद को समाप्त करने की अपील की। इसके अलावा मायावती ने उप्र. के बहराइच जिले में पुलिस परेड के दौरान एक कथावाचक को सलामी देने के मामले पर भी एतराज जताया है। उन्होंने कहा कि पुलिस परेड और सलामी की अपनी परंपरा, नियम, मर्यादा और अनुशासन होते हैं, जिनसे किसी भी प्रकार का खिलवाड़ नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यूपी पुलिस प्रमुख द्वारा संज्ञान लेकर जिला पुलिस कप्तान से जवाब तलब किया जाना सही कदम है, अब लोगों को ठोस कार्रवाई का इंतजार है।

कॉल्विन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

अमृत विचार, लखनऊ: कॉल्विनतालुकदार्स कॉलेज में सांस्कृतिक संध्या में संगीत, नृत्य, नाट्य और शैक्षणिक सम्मान का सुंदर समन्वय देखने को मिला। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसके बाद हैप्पी डांस, फ्लेमेंको-सांबा फ्यूजन, वेस्टर्न डांस, टोक्यो ड्रिफ्ट डांस तथा तमिल-भांगड़ा फ्यूज़न, बंगाली "मोंटे रे" और राजस्थानी नृत्य जैसी रंगारंग प्रस्तुतियाँ दी गईं। नाट्य प्रस्तुतियों में पिग्मेलियन का अंश, विचारोत्तेजक नाटक द साइकिल ऑफ चॉइस तथा हिंदी नाट्य प्रस्तुति परशुराम-लक्ष्मण संवाद शामिल रही। संगीत प्रस्तुतियों में अलबेला साजन और बुल्लेया ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कॉलेज के प्राचार्य सचिदानंद सिंह ने अतिथियों, प्रबंधन समिति के सदस्यों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से समग्र शिक्षा के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कोल्विनियन मुज़फ्फर अली ने अपने अल्मा माटर में लौटकर प्रसन्नता व्यक्त की। विशिष्ट अतिथि कनक रेखा चौहान संस्थापक निदेशक, लखनऊ लिटरेचर फेस्टिवल एवं प्रसिद्ध सांस्कृतिक व साहित्यिक क्यूरेटर ने विद्यार्थियों की ऊर्जा और सृजनशीलता की सराहना की। विशिष्ट अतिथि प्रो. आलोक धवन, प्रख्यात वैज्ञानिक, निदेशक, सीएसआईआर-भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान ने विद्यार्थियों को जिज्ञासा, रचनात्मकता और अपनी विशिष्टता को अपनाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि विद्यार्थी अंततः अपना सही मार्ग खोज लेता है।

ट्रक की टक्कर से व्यवसायी की मौत, साथी घायल

दुबग्गा के बाज नगर स्थित अंडरपास के निकट हुआ हादसा

संवाददाता, काकोरी

अमृत विचार: दुबग्गा के बाजनगर स्थित आउटर रिंग रोड अंडरपास के निकट शुक्रवार रात बेकाबू ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में होटल व्यवसायी की मौत हो गयी, जबकि साथी घायल हो गया। डॉयल-112 पर सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों की मदद से चालक की तलाश कर रही है।

दुबग्गा इंस्पेक्टर अभिनव कुमार वर्मा ने बताया कि मृतक की पहचान हरदोई के संडीला स्थित भगवनतापुर निवासी पुनीत सिंह (26) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि पुनीत लखनऊ के चारबाग में किराये पर होटल लेकर उसका संचालन करते थे। भाई रोहित ने बताया कि शुक्रवार को वे अपने भाई अजित और पुनीत के साथ एक बाइक से चारबाग जा रहे थे। रास्ते में रहीमाबाद थाना क्षेत्र के नत्थूखेड़ा निवासी दोस्त विपिन मिल गया, जो लखनऊ ही जा रहा था। इस पर वह पुनीत विपिन की बाइक पर बैठ गया।

इस तरह दोनों बाइकों पर दो-दो लोग सवार हो गए। बाजनगर स्थित अंडरपास के नीचे गलत दिशा से आ रहे बेकाबू ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर से पीछे बैठा पुनीत पहिए के नीचे आ गया, जबकि विपिन दूर सड़क पर जा गिरा। हादसे में पुनीत की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ने रोहित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

गोली का बोर पता करने को विशेषज्ञों से सलाह लेगी पुलिस

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

बच्ची के सिर में लगी गोली, केजीएमयू में चल रहा इलाज। फाइल फोटो

अमृत विचार: इंदिरानगर के बस्तौली गांव में छत पर खेल रही तीन वर्षीय बच्ची के सिर पर संदिग्ध हालात में गोली लगने के मामले में गाजीपुर पुलिस अभी तक यह पता नहीं कर सकी है कि वह किस बोर की थी। पुलिस का मानना है कि गोली पिस्टल से चली थी। बोर की जानकारी के लिए पुलिस विशेषज्ञों का सलाह लेगी। इसके अलावा केस पर तीन टीम लगाई गई है। टीमें सीसी कैमरे खंगालने के साथ ही घर व रिश्तेदारों की जानकारी जुटा रही है। साथ ही मोहल्ले में असलहा धारकों का ब्योरा मांगा गया है, ताकि उनके खिलाफ जांच की जा सके।

इंदिरानगर के बस्तौली गांव में रमेश ने बताया था कि 16 दिसम्बर को उनकी बेटी लक्ष्मी (3) दो अन्य बच्चों सौभाग्या और हिमांश के साथ छत पर बने टीन शेड के नीचे खेल रही थी। अचानक से तेज आवाज आई। लक्ष्मी के सिर से खून निकलने लगा। बच्ची को निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डाक्टरों ने बच्ची के टांके लगाकर पट्टी बांधकर घर भेज दिया। तबीयत बिगड़ती देख घरवाले घबरा गए। बिना देर किए रात में बच्ची को लेकर राम मनोहर लोहिया अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डाक्टरों ने बच्ची की जांच की। डाक्टरों ने बताया कि बच्ची के सिर में गोली लगी है। ऑपरेशन के बाद बच्ची का केजीएमयू में इलाज चल रहा है।

एसीपी गाजीपुर अनिद्य विक्रम सिंह ने बताया कि पत्राचार के बाद केजीएमयू से पुलिस ने गोली अपनी सुपुर्दगी में ले ली है। गोली किस बोर की है, इसके लिए विशेषज्ञों की सलाह ली जाएगी। पुलिस की एक टीम शनिवार को पीड़ित के घर गई थी। इसके अलावा पुलिस ने इलाके में ही कुछ लोगों से पूछताछ की। इस दौरान पुलिस को यह जानकारी मिली कि मोहल्ले के लोगों ने भी गोली चलने की आवाज सुनी थी। गोली कहां से चली, इस संबंध में अभी पुष्टि नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इंजीनियर के बंद मकान से लाखों की चोरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

सीसीटीवी फुटेज में जाते दिखे संदिग्ध। अमृत विचार

- गुड़गांव में तैनात है इंजीनियर बेटी संग पत्नी गई थी अयोध्या
- सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए तीन चोर, मल्हौर इलाके की घटना

अमृत विचार : चिनहट के मल्हौर इलाके में चोरों ने इंजीनियर के बंद मकान को निशाना बनाया। महज 16 मिनट के अंदर ही चोरों ने घर का ताला तोड़कर नकदी व जेवर समेत लाखों के माल पर हाथ साफ कर दिया। पत्नी वापस लौटी तो चोरी का पता चला। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज की मदद से चोरों की तलाश कर रही है।

मल्हौर निवासी कौशिकी तिवारी ने बताया कि वह बेटी के साथ रहती है। पति कुलदीप तिवारी निजी कंपनी में इंजीनियर हैं, वर्तमान में गुरुग्राम में तैनात हैं। वीकेंड में घर आते-जाते हैं। कौशिकी ने बताया कि छुट्टी होने के कारण वह बेटी को लेकर पैतृक निवास अयोध्या स्थित मिल्कीपुर गई थी। घर पर ताला लगा था। शुक्रवार को घर लौटी तो मेन गेट का ताला टूटा हुआ था। उन्होंने वीडियो काल कर पति कुलदीप को जानकारी दी। फिर डायल 112 पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

फॉरेंसिक टीम बुलाकर साक्ष्य एकत्रित किए। शुक्रवार को कुलदीप लखनऊ पहुंचे और पड़ोसी के घर में लगे सीसी कैमरे खंगाले तो देखा कि तीन लोग घर में 2:22 बजे दाखिल हुए और 16 मिनट में चोरी कर बाहर आ गए हैं। कुलदीप ने बताया कि करीब पांच लाख के जेवर व 15 हजार रुपये चोरी हुए हैं। मोहल्ले में लगे सीसी कैमरे देखे गए तो मफलर लपटे हुए तीन व्यक्ति घूमते दिखे। चोरों को हर एक गली के बारे में जानकारी थी। सीसी कैमरे कहां लगे हैं, उसकी भी जानकारी थी। करीब एक घंटे तक घूमते रहे हैं। पुलिस गश्त तक नहीं दिखी। ऐसे में पुलिस को संदेह हैं कि चोरों ने पहले से रेकी की है।

फर्जीवाड़े में एक और आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार , सरोजनीनगर: महिला की जगह दूसरी महिला को खड़ा कर प्लॉट का फर्जी बैनामा और जानलेवा हमले के मामले में बिजनौर पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अभिषेक रावत माती गांव का रहने वाला है। पुलिस मामले में महिला समेत तीन आरोपियों को पूर्व में जेल भेज चुकी है। इंस्पेक्टर कपिल गौतम ने बताया कि थाना क्षेत्र के अहमदपुर उर्फ कमलापुर निवासी सुरसती ने 26 जुलाई को आशियाना के रजनी खंड निवासी मुन्ना यादव, बलिया निवासी राजेश यादव, बिजनौर के परवर पश्चिम निवासी प्रदीप और रामदुलारी के खिलाफ जाली दस्तावेज के सहारे जमीन हड़पने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़िता का आरोप था कि प्रदीप ने अपनी मौसी रामदुलारी को खड़ा कर दोनों विपक्षियों के साथ मिलकर फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज तैयार किए और विवादित भूमि का बैनामा मुन्ना यादव व राजेश यादव के नाम करा दिया। जब पीड़िता के पुत्र ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से उसकी हत्या कर दी। पुलिस फर्जीवाड़े में मुन्ना यादव, प्रदीप व राम दुलारी पहले ही जेल जा चुके हैं। वहीं इस मामले में जांच के दौरान माती गांव के रहने वाले अभिषेक रावत का नाम सामने आया। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन वह फरार चल रहा था।

पूर्व अध्यक्ष ने लगाया हमले का आरोप, जांच शुरू

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: शिया वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र नारायण सिंह सेंगर ने अपने पूर्व चालक पर चाकू लेकर हत्या के प्रयास का आरोप लगाया है। पीड़ित का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है। सआदतगंज इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्या ने बताया कि घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

वायरल वीडियो में जितेंद्र नारायण सिंह त्यागी ने कहा कि वे शुक्रवार रात करीब 10:30 बजे सआदतगंज स्थित सुल्तान बहादुर रोड पर गए थे। आरोप है कि वहां उनके पूर्व चालक सलमान हैदर ने रोक कर कार से खींचने की कोशिश की। आरोपी के हाथ में बड़ा चाकू था। आरोपी उनकी हत्या करना चाहता था। किसी तरह उन्होंने सआदतगंज इंस्पेक्टर को फोन से सूचना दी। इसपर आरोपी वहां से भाग निकला।

कृभको राज्य विपणन कार्यालय लखनऊ (उ.प्र.)

दिनांक : 21.12.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

कृषक भारती कोआपरेटिव लिमिटेड (कृभको) अपने राज्य विपणन कार्यालय लखनऊ की सुरक्षा के लिए सुरक्षा एजेंसी की नियुक्ति करने के लिए टेंडर आमंत्रित करता है। गार्ड की आवश्यकता निम्न है–

1–सुरक्षा गार्ड – 2 (0600 to 1400 Hrs)

2–सुरक्षा गार्ड – 2 (1400 to 2200 Hrs)

3–एक गनमैन एवं एक सुरक्षा गार्ड – रात्रि (2200 to 0600 Hrs)

टेंडर फार्म एवं अन्य जानकारी कृषक भारती कोआपरेटिव लिमिटेड राज्य विपणन कार्यालय टी. सी. 28 विभूति खंड गोमती नगर–लखनऊ –226010 से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किये जा सकते हैं (दूरभाष – 7289998299)। टेंडर जमा करने की अंतिम तिथि 29.12 2025 समय 12.00 PM है। प्राप्त निविदाये 29.12.2025 को दोपहर 2.30 बजे उपस्थित पार्टियों के समक्ष खोली जाऐंगी।

किसी भी निविदा या समस्त निविदाओं को स्वीकार/ अस्वीकार करने का अधिकार कृभको प्रबंधन के पास सुरक्षित है।

उप महाप्रबंधक
राज्य विपणन कार्यालय
टी. सी. 28 विभूति खंड
गोमती नगर – लखनऊ–226010

जिला स्तरीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप : चैंपियन टीम को पदक और ट्रॉफी देकर पुरस्कृत करते अतिथि। अमृत विचार

बालिकाएं बनीं चैंपियन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: जिला वॉलीबॉल संघ लखनऊ की देखरेख में आयोजित जिला स्तरीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप में विभिन्न वर्गों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता का आयोजन वृंदावन कॉलोनी सेक्टर-9 स्थित लखनऊ पब्लिक स्कूल परिसर में किया गया। बालिका वर्ग में केंद्रीय विद्यालय और लखनऊ पब्लिक स्कूल ए की टीमों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए विजेता बनने में कामयाब रहें।

फाइनल मुकाबलों के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि अम्बरीश भदौरिया और रश्मि चड्ढा ने विजेता और उपविजेता टीमों को पदक और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला वॉलीबॉल संघ लखनऊ के सचिव डॉ. संतोष कुमार भदौरिया, रोशन लाल, एचजी डेविस और देशराज भी मौजूद रहे।

लखनऊ-हरदोई मार्ग पर लागू रहेगा डायवर्जन

- **अमृत विचार, लखनऊ:** लखनऊ-हरदोई मार्ग पर छंदोईया तिराहे से बाजनगर अंडरपास तक सड़क चौड़ीकरण का काम चल रहा है। ऐसे में रविवार से काम के समाप्ति तक यातायात व्यवस्था बदली रहेगी।
- **यहां रहेगी रोक:** छंदोईया तिराहे से किसी भी प्रकार के वाहन मछली मंडी, अंधे की चौकी या किसानपथ आउटर रिंग रोड की तरफ नहीं जा सकेंगे। आउटर रिंग रोड, बाजनगर की तरफ से कोई भी वाहन दुबग्गा जाने पर रोक रहेगी। कसमंडी अंडरपास (हमसफर लॉन) से कोई भी वाहन अंधे की चौकी की तरफ रोक रहेगी।
- **यहां से जाएं:** ये वाहन तिकोनिया तिराहा, जीरो प्वाइंट हरदोई रोड होकर जा सकेंगे। ये वाहन किसानपथ होकर जा सकेंगे। ये वाहन तिकोनिया तिराहा, जीरो प्वाइंट हरदोई रोड होकर ओर जा सकेंगे।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी०)/ वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है।

1. कार्य का नामः वाराणसी मंडल के विभिन्न स्टेशनो (बलिया, गाजीपुर सिटी, औडिहार, सुरेमनपुर, छपरा, छपरा कचहरी, थावे, तमकुही, पडरौना, मसरख एवं गोपालगंज) मे स्वचालित कम्प्यूटरीकृत जीवाणु उपचार संयंत्र का संचालन और रखरखावा, जिसमे बीआईएस पैरामीटर के अनुसार पाँच वर्ष की अवधि के लिए जल उपचार के लिए आवश्यक रसायन, पुर्जे और ऑपरेटर की आपूर्ति भी शामिल है (22 अदद)। ई-निविदा सूचना संः एनईआर-बीएसबी-2025-127, अनुमानित लागत (₹): 1,59,28,819/-, बिड सिक्योरिटी (₹): 2,29,700/-, निविदा बन्द होने की तिथि : 13.01.2026, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 60 माह।

2. कार्य का नामः फेफना-औडिहार खण्ड में रेल की वेल्डिंग के लिए आरडीएसओ द्वारा अनुमोदित 52किग्रा/60किग्रा के एल्युमिनो थर्मिक वेल्डिंग पोर्शन का विनिर्माण और आपूर्ति (कुल 1050 संख्या)। ई-निविदा सूचना संः एनईआर- बीएसबी-2025-128, अनुमानित लागत (₹): 21,98,851/-, बिड सिक्योरिटी (₹): 44,000/-, निविदा बन्द होने की तिथि : 13.01.2026, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह।

3. कार्य का नामः वमइ/द्वितीय/वाराणसी कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत विभिन्न यार्डों के यार्ड सुधार कार्यों के लिए आर०डी०एस०ओ० स्पेशिफिकेशन (प्राइवेट खदान से) मशीन से टूटी 65 एमएम आकार की पत्थर गिट्टी का निर्माण, आपूर्ति एवं चटटा लगाने का कार्य (कल 19 यार्ड)। ई-निविदा सूचना संः एनईआर-बीएसबी-2025-129, अनुमानित लागत (₹): 8,78,15,288/-, बिड सिक्योरिटी (₹): 5,89,100/-, निविदा बन्द होने की तिथि : 28.01.2026, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 18 माह।

● निविदा सूचना संख्या एनईआर-बीएसबी-2025-127 से एनईआर-बीएसबी-2025-128 दिनांक 13.01.2026 को 14:30 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे। ● निविदा सूचना संख्या एनईआर-बीएसबी-2025-129 दिनांक 28.01.2026 को 14:30 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे। ● पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखे। ● यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मण्डल रेल प्रबन्धक/(इन्जी०) वाराणसी
मुजाहि/डब्ल्यू - 378

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैने मोहम्मद शरीफ खान mohammad Shareef Khan से अपना नाम बदलकर शरीफ खान SHareef KHan रख लिया है। भविष्य में इसी नाम से जाना और पहचाना जाए। **शरीफ खान पुत्र अनवर खान** ANWAR KHAN **निवासी मोहल्ला काजीपुरा शहर,तहसील व जनपद कन्नौज**, 209725

सूचना

पहले मेरा नाम SHANI SHANKER VISHWAKARMA था अब मैने बदलकर अपना नाम SHANI SHANKAR VISHWAKARMA रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- SHIV POOJAN VISHWAKARMA R/O- 65, VILL-RATANPUR, POST-FATTEPUR BELABAG, KHEMAPUR, Ambedkar Nagar

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित हो कि त्रुटिबश मेरे हाईस्कूल के अभिलेख में और पुराने पासपोर्ट में मेरा नाम आलोक कुंवर (Alok Kunwar) अंकित है। वास्तव में मेरा नाम कुंवर आलोक (Kunwar Alok) है, जैसा कि मेरे आधार/पैन कार्ड में भी अंकित है। **कुंवर आलोक पुत्र एन0 पी0 गुप्त, निवास 129 प्रभुपुरम ए0 डी0 ए0 कालोनी शिवाजी पार्क के पास नैनी इलाहाबाद उत्तर प्रदेश** 211008

सूचना

मैंने अपना नाम MIRZA FARHANA BEG से बदल कर JAHANAVI JAIN रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। W/O: RISHEESH JAIN R/O: MAYFAIR VILL NO A-21 KHASARA NO 306-307 AND 313 AT VILLA ANAURA PARGANA CHINHUT LUCKNOW UTTAR PRADESH - 226028

सूचना

मैं अपने पुत्र आशीष गुप्ता एवं पुत्रवधू अंकिता गुप्ता के चाल चलन एवं गलत आचरण के कारण अपने परिवार सहित चल–अचल संपत्ति से बेदखल कर संबंध विच्छेद कर रहा हूं। आज से इनके द्वारा किए गए लेन–देन, कर्ज, लड़ाई–झगड़ा, कोर्ट– कचहरी इत्यादि अनैतिक कार्यो से हमारा कोई सरोकार नहीं होगा। **सीताराम गुप्ता पुत्र स्वर्गीय श्री राम गुप्ता , मीना गुप्ता पत्नी श्री सीताराम गुप्ता निवासी 62/215 हरवंश मोहाल कानपुर।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल का अंक पत्र वास्तव में खो गया है जिसका अनुक्रमांक 1538991 सन 2020है जिस सज्जन को मिले निम्न लिखित पते पर पहुंचाने का कष्ट करें । **–प्रार्थी अमृतलाल पुत्र राजाराम, निवासी– ग्राम महराजपुर पहाड़ी चित्रकूट, मो0नं0– 7897872062**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सुदामा यादव के पिता का नाम उनके ड्राइविंग लाइसेंस में पूर्व में बाउर यादव अंकित हो गया था, जो कि त्रुटिपूर्ण है। उक्त व्यक्ति के पिता का सही नाम बाबू राम यादव है। अतः सभी संबंधित विभागों, अभिलेखों एवं रिकार्ड में पिता का नाम बाबू राम यादव सही मानते हुए आवश्यक संशोधन किया जाए। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की तिथि से नियमानुसार प्रस्तुत कर सकता है। भवदीय। एडवोकेट बाबूलाल शुक्ला। **सुदामा यादव। पुत्र –बाबू राम यादव, निवासी– पुरैना, पोस्ट – विशेश्वरगंज, जनपद–बहराइच (उ.प्र.) पिन कोड – 271821**

सूचना

मैं **मोहम्मद मुर्तजा पुत्र श्री मोहम्मद आलिम खान निवासी विद्यानगर नीलमथा, लखनऊ उ0प्र0 226002**, मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम मोहम्मद मुर्तजा है। जिसे बदलकर मैने अपना नाम मोहम्मद मुर्तजा खान रख लिया लिया है। भविष्य में इसी नाम से जाना व पहचाना जाय। यहकि मोहम्मद मुर्तुजा व मोहम्मद मुर्तुजा खान दोनो नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे नाम है।

Notice

In my service documents the Name and Date of Birth of my both sons SISHUPAL, DOB 20 July 1996 and SISHUBIND KUMAR, DOB 20 August 1998 are recorded incorrect. As per Adhar Card and Educational Certificate the correct Name and Date of Birth of my both sons are SHISHUPAL, DOB 05 May 1996 and SHISH VIND RATHOUR, DOB 07 July 1998. No. 6279279Y Ex. Hav. Ram Swaroop R/O Village- Khalifapur Matti, Post- Manpur, Dist.- Hardoi, Uttar Pradesh, Pin- 241125.vide Affidavit Dated 19 December 2025 Before Court Of Hardoi.

सूचना

मैं MOHD ASIF SALEEM पुत्र MOHAMMAD SALEEM BAKHSH निवासी–88/330 चमनगंज कानपुर नगर का निवासी हूँ तथा मेरा आधार नं0 7734 3746 0424 है मेरे पासपोर्ट मे मेरा नाम MOHAMMAD ASIF SALEEM अकिंत है। जबकि मेरा सही नाम MOHD ASIF SALEEM है। जो कि मेरे आधार कार्ड मे अंकित है। मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाता है। अतः मेरे पासपोर्ट मे मेरा नाम MOHAMMAD ASIF SALEEM पुत्र MOHAMMAD SALEEM BAKHSH के स्थान पर सही MOHD ASIF SALEEM पुत्र MOHAMMAD SALEEM BAKHSH अकिंत किया जाये।

सतर्कता | अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर होगा राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल का लोकार्पण

जमीन से आकाश तक सुरक्षा का ब्लू प्रिंट तैयार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे उद्घाटन, आयोजित की गई जनसभा

अमृत विचार: 25 दिसंबर को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल का उद्घाटन करेंगे। साथ ही एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। सभा में एक लाख से अधिक लोगों के शामिल होने के इंतजाम किये गये हैं। कार्यक्रम को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किये हैं। राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल की सुरक्षा में जमीन से लेकर आसमान तक का ब्लू प्रिंट तैयार कर लिया गया है।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा को देखते हुए शहर के प्रमुख मार्गों, कार्यक्रम स्थल और आसपास के इलाकों में कड़ी निगरानी रखी जाएगी। ड्रोन कैमरों की मदद से पूरे क्षेत्र पर नजर रखी जाएगी, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरों को चप्पे-चप्पे पर लगाया गया है। जिससे हर गतिविधि पर नजर बनी रहे। सुरक्षा व्यवस्था के तहत छह हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। इनमें 24 कंपनियां पीएसी की शामिल होंगी, जबकि पैरामिलिट्री फोर्स के जवान भी मोर्चा संभालेंगे। एलआइयू की टीमें खुफिया सूचनाओं पर लगातार नजर रखेंगी। सादी वर्दी में पुलिसकर्मियों को भी भीड़-भाड़ वाले इलाकों, बाजारों और प्रवेश मार्गों पर तैनात किया जाएगा, ताकि असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखी जा सके। कार्यक्रम स्थल के आसपास यातायात व्यवस्था को भी विशेष रूप से नियंत्रित किया जाएगा। वीआइपी मूवमेंट के दौरान वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की गई है, जिससे आमजन को असुविधा न हो। प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि वे तय किए गए मार्गों और सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। यही नहीं, प्रेरणा स्थल पर काम करने वाले हर व्यक्ति का सत्यापन करवाया गया है। उसी के बाद उनकी आइडी बनाकर दी जाएगी तभी वह काम करेंगे।

> प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को शांतिपूर्ण और सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां की गई हैं। सुरक्षा बलों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे सतर्कता बरतें। किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
>
> – बबलू कुमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था लखनऊ

सोशल मीडिया पर लगातार निगरानी

सोशल मीडिया पर भी 24 घंटे निगरानी रखी जाएगी। सभी मीडिया प्लेटफार्म पर फैलने वाली अफवाहों और आपत्तिजनक पोस्ट पर विशेष नजर रखी जा रही है। साइबर सेल को अलर्ट पर रखा गया है, ताकि किसी भी भ्रामक सूचना पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। कार्यक्रम को देखते हुए खुफिया एजेंसी भी अलर्ट मोड पर हैं। पहले से उन्होंने नजर रखना शुरू कर दिया है। अगर किसी पर शक है, तो उसके खिलाफ जांच की जा रही है। कुछ भी संदेह होता है तो उसे गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई जा सके।

अमृत विचार
लोक दर्पण
रविवार, 21 दिसंबर 2025 www.amritvichar.com

डिजिटल डोपामाइन और जॉम्बी स्क्रॉलिंग

आज के इस डिजिटल युग में सभी की मोबाइल फोन पर निर्भरता बढ़ती जा रही है। दिन भर के महत्वपूर्ण कामों को निपटाने के बाद बचे समय में अपना मोबाइल फोन स्क्रॉल करना सभी को भाता है। जरा सोचिए जब तक मोबाइल फोन इतने लोकप्रिय नहीं हुए थे, तब जहां एक ओर बच्चे खेलने-कूदने दादी-नानी की कहानी और लोरियां सुनने में आनंद लेते थे, वहीं दूसरी ओर किशोर एवं वयस्क व्यक्ति अपने दोस्तों के साथ गपशप करने टीवी देखने तथा साथ खाना खाने और घूमने में सुकून का अनुभव करते थे। उन्हें रिश्तों का महत्व पता था। वहां अपनेपन की भावना रिश्तों की मिठास को बनाए रखती थी। लोगों को प्रकृति के सानिध्य में समय बिताने से सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव होता था, पर आज के डिजिटल युग में इंसान मोबाइल में ही सुकून के पल ढूंढने लगा है। आज सभी लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, न्यूज ऐप्स और शॉर्ट वीडियो देखना पसंद करते हैं। रील देखने के लिए इंस्टाग्राम-फेसबुक ऐप्स का प्रयोग चलन में है। आजकल जॉम्बी स्क्रॉलिंग शब्द चलन में है, जिसमें व्यक्ति सोशल मीडिया पर बिना किसी उद्देश्य के मिंडलेसली लगातार स्क्रॉल करता रहता है, जिसके कारण आज के समय में कॉग्निटिव फटीग एवं इमोशनल डिस्कनेक्शन देखा जा रहा है।

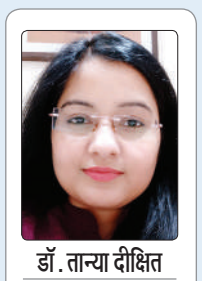

डॉ. तान्या दीक्षित
वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक एवं सहायक प्रोफेसर, एसजेएनएम.पीजी कॉलेज, लखनऊ

रिश्तों की गुणवत्ता पर असर

जब से इन डिजिटल उपकरणों का दुरुपयोग बढ़ा है। ऑफलाइन रिश्तो में दूरियां आने लगी हैं। पहले अपने दोस्तों, बच्चों और परिवार के साथ बैठना, खाना और बातें करना एक आम आदमी की दिनचर्या का हिस्सा हुआ करता था, पर अब उनकी जगह मोबाइल ने ले ली है। सरल शब्दों में कहा जाए, तो आज के वक्त में किसी के पास किसी के लिए समय नहीं है। जीवन की इस भाग-दौड़ में हम क्या खोते जा रहे हैं, हमें इसका अंदाजा भी नहीं है। इस प्रकार के व्यवहार के कारण अकेलेपन और सामाजिक अलगाव की भावना बढ़ जाती है। कई बार जॉम्बी स्क्रॉलिंग के चलते फोन के उपयोग को लेकर घर वालों से झूठ बोलने की आदत भी विकसित होने लगती है।

जॉम्बी स्क्रॉलिंग एवं डूम स्क्रॉलिंग में अंतर : जॉम्बी स्क्रॉलिंग में व्यक्ति अचेतन रूप से बिना किसी उद्देश्य के कंटेंट को देख रहा होता है, वही डूम स्क्रॉलिंग में वह चेतन रूप से तनाव उत्पन्न करने वाली ढूंढता है।

क्या है महत्वपूर्ण पक्ष

- **माइंडलेसनेस :** यहां व्यक्ति निष्क्रिय रूप से कंटेंट को ग्रहण कर रहा होता है, जिसके पीछे कोई स्पष्ट लक्ष्य नहीं होता। यह व्यक्ति की एकाग्रता मानसिक स्वास्थ्य और नींद को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।
- **बाध्यता :** कई बार यह जानते हुए कि यह कार्य अनप्रॉडक्टिव है और व्यक्ति इसे रोक नहीं पाता। न चाहते हुए भी कंटेंट स्क्रॉल करना उसकी आदत बन जाती है। यदि यह आदत लंबे समय तक चले, तो यह विकार का रूप ले लेती है।
- **ट्रांस की अवस्था :** इस अवस्था में कई बार स्क्रॉल करते हुए व्यक्ति को ऐसा अनुभव होता है कि वह ऑटो पायलट मोड में चला गया है। उसे दुनिया से अलगाव महसूस होने लगता है। बहुत बार व्यक्ति अपने तनाव, चिंता और भय से दूरी बनाने के लिए इस तरह की गतिविधियों में शामिल हो जाता है। ऐसा करने से व्यक्ति को एक आभासी दुनिया का अनुभव होता है, जहां पर कुछ समय के लिए अपनी वास्तविक जीवन की समस्याओं को तो भूल जाता है, पर उसे अपनी समस्याओं का स्थाई समाधान नहीं मिलता।
- **प्रभाव एवं लक्षण :** संज्ञानात्मक : इस प्रकार से स्क्रॉलिंग कर रहे लोगों में ब्रेन फॉगिंग ध्यान केंद्रित करने में कमी सूचना संसाधन में अक्षमता देखी जाती है। इसके कारण कॉग्निटिव फॉगिंग या ब्रेन रॉटिंग की समस्या युवाओं में बढ़ती जा रही है, जिसके चलते व्यक्ति मानसिक रूप से काफी नीरस हो जाता है।
- **संवेगात्मक :** इसके कारण चिंता भाव अस्थिरता एवं संवेगात्मक उदासीनता उत्पन्न होते हुए देखी जाती है।
- **आत्मनियंत्रण की कमी :** जॉम्बी स्क्रॉलिंग करते हुए रिवॉर्ड लूप के कारण इस व्यवहार पर नियंत्रण पाना कठिन हो जाता है, इसीलिए कई बार लोग यह कहते पाए जाते हैं कि "मैंने सोचा था कि मैं 5 मिनट के लिए स्क्रॉल करूंगा, पर कब घंटे बीत गए पता नहीं चला"।
- **व्यवहारात्मक :** जॉम्बी स्क्रॉलिंग का प्रभाव व्यक्ति की दिनचर्या पर पड़ते हुए भी देखा जा सकता है। इसी कारण व्यक्ति मोबाइल फोन से अपनी दूरी बनाने में असमर्थ रहता है। इससे एक रिवॉर्ड लूप तैयार हो जाता है, जिससे अप्रत्याशित पुरस्कार पाने की इच्छा के कारण व्यक्ति बार-बार स्क्रॉल करता है।
- **फिजिकल स्ट्रेस :** जॉम्बी स्क्रॉलिंग के कारण लोगों में निम्न ऊर्जा स्तर फिजिकल स्ट्रेस जैसी समस्याएं देखने को मिल रही है, जिसके कारण उन्हें पोस्चर और आंखों की थकान जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।
- **अटेंशन बॉयस :** अटेंशनल ब्लैंक का कॉन्सेप्ट रेमंड ने 1992 में दिया था। इसका अर्थ है व्यक्ति जब एक ही उद्दीपक पर ध्यान केंद्रित कर रहा होता है, यदि उसके तुरंत बाद दूसरा उद्दीपक प्रस्तुत किया जाता है, तो दूसरे उद्दीपक को पहचान में उसका पता लगाने की संभावना कम हो जाती है। इसी प्रकार से व्यक्ति स्क्रोल करता है, तो नए-नए तरह के कंटेंट के लगातार फीड में आने के कारण उसका अटेंशन स्पैन कम होने लगता है।

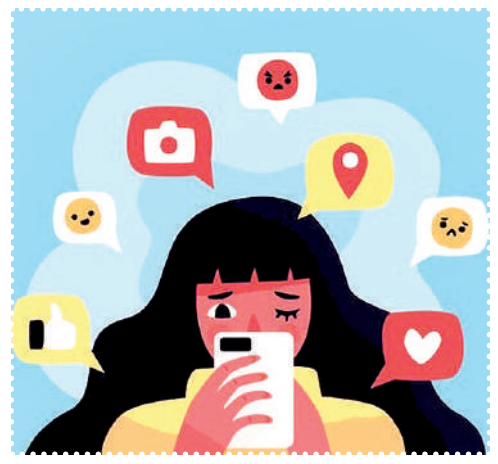

क्यों होता है ऐसा

- **डोपामाइन हिट्स :** सोशल मीडिया पर लगातार नए-नए प्रकार के कंटेंट को देखने की तीव्र इच्छा व्यक्ति के मस्तिष्क के रिवॉर्ड पाथवेज को उत्तेजित करना आरंभ कर देती है, जिसके कारण व्यक्ति लगातार मोबाइल फोन को स्क्रॉल करता रहता है। इसके कारण व्यक्ति को एक प्रकार की संतुष्टि का अनुभव होता है, जो डोपामाइन जिसे 'फील गुड हार्मोन' भी कहते हैं रिलीज होने लगता है।
- **फियर ऑफ मिसिंग आउट:** लगातार फोन पर नए-नए तरह के कंटेंट को देखते हुए व्यक्ति को ऐसा महसूस होता है कि कहीं वह किसी नई प्रकार की सूचना सामग्रियां कंटेंट से वंचित न रह जाए, जिसके कारण वह चाहते हुए भी अपने इस व्यवहार पर नियंत्रण नहीं कर पाता।
- **प्लेटफॉर्म ड्रिवन :** कई बार सोशल मीडिया के एल्गोरिथम इस प्रकार के व्यवहार को बढ़ावा देने का काम करते हैं, जिसके कारण आदत और भी ज्यादा पक्की होती जाती है। वर्ष 2023 में 1,200 कॉलेज छात्रों पर एक सर्वे किया गया, जिसमें प्रतिदिन 30 मिनट से ज्यादा स्क्रॉल करने वाले लोगों में विषाद चिंता तथा नींद की समस्या डेढ़ से दो गुना बढ़ गई। नेचर न्यूरो साइंस 2022 में न्यूरो इमेजिंग डाटा के माध्यम से यह ज्ञात किया कि वह लोग, जिनमें स्क्रॉलिंग की आवृत्ति अधिक होती है, उनके दिमाग के कुछ भागों में डी 2 रिसेप्टर की कमी पाई जाती है, जो मुख्य रूप से एडिक्टिव बिहेवियर से संबंधित होता है और जो कंपल्सिव बिहेवियर को बढ़ाने के लिए ईंधन का कार्य करता है।

क्या है समाधान

- माइंडफूलनेस प्रैक्टिस : इस प्रकार की मिंडलेस स्क्रॉलिंग इंसान के दिमाग को डल बना देती है, जिसके कारण व्यक्ति संवेगात्मक रूप से उदासीन सा हो जाता है। इस समस्या से बचने के लिए प्रतिदिन माइंडफूलनेस प्रैक्टिस लाभदायक हो सकती है।
- नियमित अंतराल पर ब्रेक : इस आदत से छुटकारा पाने के लिए अपने फोन में रिमाइंडर सेट किया जा सकता है और नियमित अंतराल पर स्ट्रक्चर्ड ब्रेक लेने की आदत डाली जा सकती है।
- एप ब्लॉकर सेटिंग का उपयोग : यदि आपको यह महसूस हो कि आप कुछ विशेष ऐप यह साइट्स पर अधिक समय बता रहे हैं, तो अपने फोन की ऐप ब्लॉकर सेटिंग में जाकर उन एप्स को ब्लॉक कर दे इसे कुछ हद तक इस आदत पर लगाम लगेगी।
- मेडिटेशन : जॉम्बीज स्क्रॉलिंग आत्मनियंत्रण की कमी के कारण ज्यादा तेजी से बढ़ता है, इसलिए जरूरी है कि आत्मनियंत्रण की भावना को मजबूत किया जाए। मेडिटेशन या ध्यान से अपने व्यवहार और भावनाओं पर नियंत्रण प्राप्त किया जा सकता है।
- सेल्फ ऑडिट : अगर आप भी जॉम्बी स्क्रॉलिंग करते हैं, तो आप एक चेकलिस्ट बना सकते हैं या प्रतिदिन आपने कितनी देर स्क्रॉलिंग की उसे कहीं नोट कर सकते हैं। यह एक्टिविटी इस आदत को नियंत्रित करने में मददगार होती है।
- डिजिटल फास्टिंग : जिस तरह हम शरीर के टॉक्सिंस को रिलीज करने के लिए व्रत रखते हैं। इसी तरह मिंडलेसली स्क्रॉलिंग करने के कारण तमाम तरह का अनुपयोगी कंटेंट हमारे दिमाग में जाता है। इस आदत को नियंत्रित करने के लिए डिजिटल फास्टिंग जरूरी है, जिसे अपने दिमाग को रीबूट किया जा सके और इसे रिसेट करके दोबारा काम करने के लिए तैयार किया जा सके।

- टाइम ब्लॉकिंग : यदि आप इस बात की समय सीमा निर्धारित कर लेते हैं कि आपको दिन में कितनी देर फोन चलाना है, तो इस आदत पर नियंत्रण प्राप्त किया जा सकता है, परंतु इसके लिए दृढ़ निश्चय और आत्मसंयम जरूरी है तभी यह तरीका प्रभावी सिद्ध हो सकता है।
- साइको-एजुकेशन : आज के वक्त में अधिकांश लोग इस प्रकार की समस्या से पीड़ित हैं। ऐसे में अवेयरनेस ब्लॉग्स, आर्टिकल्स, ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्लेटफॉर्म्स पर डिस्कशन के माध्यम से लोगों को उसके घातक परिणामों के बारे में जानकारी दी जा सकती है, जिससे वे समझदार बन सकें और इस समस्या से निपटने के लिए चेतन रूप से जागृत हो सकें।
- रचनात्मक कार्यों में रुचि : आपने देखा होगा कि यदि बहुत दिनों तक किसी वस्तु को प्रयोग में न लाया जाए, तो उसमें जंग लग जाता है। बिल्कुल उसी प्रकार यदि दिमाग को सक्रिय न रखा जाए और उसे निष्क्रिय रूप से महत्वहीन गतिविधियों में लगाया जाए, तो दिमाग के कार्य करने की क्षमता कमजोर हो जाती है। जॉम्बी स्क्रॉलिंग ब्रेन रॉटिंग को बढ़ावा दे ही रही है, जिसके कारण रचनात्मक कार्य करने की प्रवृत्ति पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। यदि आप चाहते हैं कि आप अपने कार्यों को अधिक प्रभावशाली तरीके से संपादित कर सकें, तो रचनात्मक गतिविधियों में इसे न केवल आपका मनोरंजन होगा, बल्कि आप अद्भुत मानसिक शांति एवं स्थिरता का अनुभव करेंगे।

टीनएजर्स का प्रतिदिन स्क्रॉलिंग करना

आंकड़ों के अनुसार 90 से 95 प्रतिशत टीनएजर्स प्रतिदिन लगातार स्क्रॉलिंग कर रहे हैं। वहीं जेन-जी और मिलेनियल्स में यह प्रतिशत लगभग 51 प्रतिशत तक है। इसका मतलब साफ है कि यह आदत एक महामारी का रूप धारण करते जा रही है, जिसका बुरा असर मानसिक स्वास्थ्य पर स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। जॉम्बी स्क्रोलिंग सिंड्रोम शब्द का उपयोग सोशल मीडिया पर बिना किसी उद्देश्य के स्क्रॉलिंग करने की आदत का वर्णन के लिए सबसे पहले 2016 में मैक्फी साइबर सिक्योरिटी कंपनी द्वारा किया गया, लेकिन आज के समय में इस शब्द का प्रयोग बहुत सामान्य बात हो गई है।

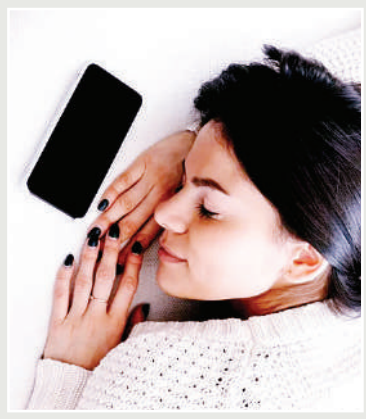

नींद की समस्या

आमतौर पर जॉम्बी स्क्रॉलिंग इंस्टाग्राम, फेसबुक और न्यू साइट्स पर देखी जाती है। यह व्यवहार आधुनिक समय में टीनएजर्स एवं वयस्कों में बढ़ता जा रहा है। इतना ही नहीं यह नींद की गुणवत्ता पर भी नकारात्मक असर डालती है। बेड टाइम पर स्क्रॉल करने के कारण मानव शरीर में मेलाटोनिन नामक हार्मोन के प्रोडक्शन पर असर पड़ता है, जिसके कारण थकान और चिड़चिड़ापन के लक्षण दिखाई देने लगते हैं।

स्वस्थ विकल्पों का चुनाव

जॉम्बी स्क्रॉलिंग सिंड्रोम की समस्या उन लोगों में देखी जाती है, जो अकेलेपन और उदासी के शिकार हैं। ऐसे में मोबाइल फोन स्क्रॉल करना है, उन्हें सबसे आसान विकल्प दिखता है, पर इसके अतिरिक्त कुछ स्वस्थ विकल्प चुने जाएं, तो इस समस्या से बचा जा सकता है। अकेलापन या उदासी का अनुभव होने पर सामाजिक समूह का सदस्य बनना, सामाजिक हित के कार्य करना, स्वयं को ऑफलाइन मनोरंजक कार्यों में व्यस्त रखना लाभप्रद हो सकता है। जिस इंसान के दिमाग में कंप्यूटर और मोबाइल जैसे उपकरणों का आविष्कार किया। आज वही उपकरण इस कीमती दिमाग को दीमक की तरह खोखला करते जा रहे हैं। दुख की बात यह है कि इंसान ही इसका जिम्मेदार है। यदि समय रहते इस समस्या पर नियंत्रण पा लिया गया, तो वर्तमान में बड़े सकारात्मक बदलाव तो सामने आएंगे ही साथ ही आने वाली पीढ़ी के आगे अच्छे उदाहरण प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

पीसीओडी: आधुनिक जीवनशैली की गंभीर स्त्री-स्वास्थ्य समस्या

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में महिलाओं की भूमिका बहुआयामी हो गई है। पढ़ाई, नौकरी, परिवार, सामाजिक जिम्मेदारियां और स्वयं की आकांक्षाओं के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं है। इसी बदलती जीवनशैली के साथ महिलाओं में कुछ स्वास्थ्य समस्याएं भी तेजी से बढ़ रही हैं, जिनमें से एक अत्यंत सामान्य, लेकिन गंभीर समस्या है–पीसीओडी। पीसीओडी कोई नई बीमारी नहीं है, लेकिन पिछले दो दशकों में इसके मामलों में असामान्य वृद्धि देखी गई है। आज शहरी ही नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी किशोरियों और युवतियों में यह समस्या पाई जा रही है। दुर्भाग्यवश, जानकारी की कमी, सामाजिक संकोच और "पीरियड्स की समस्या तो सामान्य है" जैसी सोच के कारण यह रोग लंबे समय तक अनदेखा रह जाता है, जिससे आगे चलकर गंभीर परिणाम सामने आते हैं।

पीसीओडी एक हार्मोनल विकार है, जिसमें महिलाओं के अंडाशय (Ovaries) सामान्य रूप से कार्य नहीं कर पाते। इस स्थिति में अंडाशयों में कई छोटी-छोटी सिस्ट या गांठें बन जाती हैं। ये सिस्ट वास्तव में वे अंडाणु होते हैं, जो हार्मोनल असंतुलन के कारण पूरी तरह विकसित नहीं हो पाते और ओवरी में ही रुक जाते हैं। सामान्य अवस्था में हर माह एक अंडाणु परिपक्व होकर ओव्यूलेशन के माध्यम से बाहर निकलता है, लेकिन पीसीओडी में यह प्रक्रिया बाधित हो जाती है। परिणामस्वरूप मासिक धर्म अनियमित हो जाता है, हार्मोन गड़बड़ाने लगते हैं और शरीर में कई तरह के शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तन दिखाई देने लगते हैं।

डॉ. निधि मोहनपुरिया
प्रसूति तंत्र व स्त्री रोग, असिस्टेंट प्रोफेसर और कंसल्टेंट, रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, बरेली

पीसीओडी को समझने के लिए हार्मोन की भूमिका को समझना आवश्यक है। महिला शरीर में एस्ट्रोजन, प्रोजेस्टेरोन, एफएसएच (FSH) और एलएच (LH) जैसे हार्मोन मिलकर मासिक चक्र को नियंत्रित करते हैं।

एलएच का स्तर बढ़ना

पीसीओडी में एलएच का स्तर बढ़ जाता है।

एफएसएच का स्तर अपेक्षाकृत कम हो जाता है।

एंड्रोजन (पुरुष हार्मोन) की मात्रा बढ़ जाती है।

इस असंतुलन के कारण अंडाणु परिपक्व नहीं हो पाते। ये अधपके अंडाणु ओवरी में जमा होकर सिस्ट का रूप ले लेते हैं। साथ ही बढ़ा हुआ एंड्रोजन चेहरे पर बाल, मुंहासे और सिर के बालों के झड़ने का कारण बनता है।

इंसुलिन प्रतिरोध इस प्रक्रिया को और जटिल बना देता है। शरीर जब इंसुलिन का सही उपयोग नहीं कर पाता, तो रक्त में शर्करा बढ़ती है, जिससे ओवरी और अधिक एंड्रोजन बनाने लगती है।

क्यों हो रही है समस्या

- यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। पहले की तुलना में आज पीसीओडी के मामले कई गुना बढ़ चुके हैं। इसके पीछे कई कारण हैं:
- सबसे बड़ा कारण है बदलती जीवनशैली। शारीरिक श्रम की कमी, घंटों बैठकर काम करना, मोबाइल और स्क्रीन का अत्यधिक उपयोग, फास्ट फूड और प्रोसेस्ड भोजन, मीठे पेय पदार्थ, देर रात तक जागना और मानसिक तनाव–ये सभी पीसीओडी को बढ़ावा देते हैं।
- इसके अलावा हार्मोनल डिसरप्टर्स–जैसे प्लास्टिक की बोतलें, केमिकल युक्त कॉस्मेटिक्स, कीटनाशक युक्त खाद्य पदार्थ भी हार्मोन संतुलन को बिगाड़ते हैं।
- किशोरावस्था में ही अनियमित दिनचर्या, व्यायाम की कमी और जंक फूड की आदतें भविष्य में पीसीओडी का आधार बन जाती हैं।

प्रमुख कारण

- पीसीओडी किसी एक कारण से नहीं होती, बल्कि यह कई कारकों का परिणाम होती है।
- हार्मोनल असंतुलन इसका मुख्य कारण है। विशेष रूप से एंड्रोजन हार्मोन की अधिकता अंडाशय के कार्य को बाधित करती है।
- इंसुलिन प्रतिरोध एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यही कारण है कि पीसीओडी वाली महिलाओं में आगे चलकर टाइप-2 डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है।
- आनुवांशिकता भी एक बड़ा कारण है। यदि मां या बहन को पीसीओडी है, तो अगली पीढ़ी में इसका जोखिम बढ़ जाता है।
- जीवनशैली संबंधी कारण–जैसे मोटापा, असंतुलित आहार, शारीरिक निष्क्रियता, मानसिक तनाव और नींद की कमी-पीसीओडी को जन्म देने और बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

आयुर्वेदिक दृष्टिकोण: जड़ से उपचार

- आयुर्वेद में पीसीओडी को आर्तव दोष, कफ-वात विकार और ग्रंथि के अंतर्गत समझा जाता है। आयुर्वेदिक चिकित्सा केवल लक्षण नहीं, बल्कि रोग के मूल कारण पर कार्य करती है।
- पंचकर्म उपचार– वमन, विरेचन और बस्ती–शरीर से आम (टॉक्सिन्स) निकालकर दोष संतुलन में सहायता करते हैं।
- कांचनार, अशोक, शतावरी, लोध्र और त्रिफला जैसी औषधियां हार्मोन संतुलन, ओव्यूलेशन और गर्भाशय स्वास्थ्य को बेहतर बनाती हैं।

पीसीओडी और मानसिक स्वास्थ्य

- पीसीओडी केवल शारीरिक रोग नहीं है। यह मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। लगातार वजन बढ़ना, त्वचा समस्याएं और गर्भधारण में कठिनाई आत्मविश्वास को कम कर सकती हैं।
- योग, प्राणायाम, ध्यान और सकारात्मक जीवनशैली मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायक होती है।
- पीसीओडी के कारण गर्भधारण में कठिनाई हो सकती है, लेकिन यह असंभव नहीं है। सही उपचार, धैर्य और नियमित चिकित्सकीय मार्गदर्शन से अधिकांश महिलाएं स्वस्थ गर्भधारण कर सकती हैं।

- पीसीओडी आज की महिलाओं के लिए एक गंभीर, लेकिन पूर्णतः नियंत्रित की जा सकने वाली समस्या है। आवश्यकता है सही जानकारी, समय पर पहचान और समग्र उपचार की।
- यदि मासिक धर्म अनियमित हो, हार्मोनल लक्षण दिखें या गर्भधारण में समस्या हो, तो चुप न रहें। डॉक्टर से परामर्श लें, जीवनशैली सुधारें और स्वयं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें।
- स्वस्थ महिला ही स्वस्थ परिवार और समाज की नींव है।

समझें शारीरिक संकेत को

- पीसीओडी के लक्षण धीरे-धीरे विकसित होते हैं और अक्सर महिलाएं इन्हें सामान्य मानकर नजरअंदाज कर देती हैं।
- सबसे पहला और सामान्य लक्षण है मासिक धर्म का अनियमित होना। पीरियड्स का देर से आना, महीनों तक न आना या अत्यधिक रक्तस्राव-ये सभी चेतावनी संकेत हैं।
- चेहरे, छाती और पीठ पर अनचाहे बालों का बढ़ना हार्मोन असंतुलन का स्पष्ट संकेत है। मुंहासे, खासकर ठुड्डी और जबड़े के आसपास, पीसीओडी में आम हैं। तेजी से वजन बढ़ना, विशेषकर पेट के आसपास, इस रोग की एक प्रमुख पहचान है। इसके साथ गर्दन और बगल के पास त्वचा का काला पड़ना इंसुलिन प्रतिरोध को दर्शाता है।
- सिर के बालों का झड़ना, पतला होना, थकान, चिड़चिड़ापन, अवसाद, आत्मविश्वास की कमी-ये सभी मानसिक और भावनात्मक लक्षण भी पीसीओडी से जुड़े हैं।
- पीसीओडी की पहचान जितनी जल्दी हो, उपचार उतना ही प्रभावी होता है। केवल लक्षणों के आधार पर निष्कर्ष निकालना पर्याप्त नहीं है।
- पेल्विक अल्ट्रासाउंड द्वारा अंडाशयों में सिस्ट की स्थिति देखी जाती है। रक्त जांच में हार्मोन स्तर, थायरॉयड प्रोफाइल, इंसुलिन और शुगर लेवल की जांच की जाती है।
- डॉक्टर शारीरिक परीक्षण के दौरान वजन, BMI, त्वचा और बालों की स्थिति का भी मूल्यांकन करते हैं।

पीसीओडी का उपचार: केवल दवा नहीं, जीवनशैली भी

- पीसीओडी का उपचार बहुआयामी होता है। केवल दवाओं पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है।
- जीवनशैली में बदलाव उपचार की आधारशिला है। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, वजन नियंत्रण और तनाव प्रबंधन से हार्मोन संतुलन में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है।

पैथोलॉजिकल जलन बेवफाई का भ्रम

डॉ.रश्मि मोघे हिरवे
मनोचिकित्सक

पैथोलॉजिकल जलन ये एक सीरियस मेंटल हेल्थ कंडीशन है, जिसमें व्यक्ति को एक या एक से ज्यादा झूठे और स्ट्रॉन्ग बिलीफ्स (डेल्यूजन्स) पक्के विश्वास होते हैं। ये बिलीफ्स इतने पक्के होते हैं कि कोई भी सबूत, लॉजिक, एविडेंस या रियलिटी इन्हें हिला नहीं पाती। पर्सन की नॉर्मल लाइफ इन डेल्यूजन्स के इर्द-गिर्द घूमती है, लेकिन इसके अलावा उनका बिहेवियर और थिंकिंग आमतौर पर नॉर्मल होती है।

पैथोलॉजिकल जेलसी

- पैथोलॉजिकल जेलसी या जेलस टाइप डेल्यूजनल डिसऑर्डर, इसे डेलुजन ऑफ इन्फिडेलिटी या ओथेलो सिंड्रोम भी कहते हैं।
- ये डेल्यूजनल डिसऑर्डर का एक स्पेशल टाइप है। इसमें पर्सन को यह विश्वास हो जाता है कि उनका पार्टनर उन्हें चीट कर रहा है। इस विश्वास को सपोर्ट करने के लिए कोई सॉलिड एविडेंस नहीं होता, लेकिन पर्सन इमेजिनरी साइंस, इवेंट्स या छोटे-मोटे संयोगों को अपने डेल्यूजन का प्रूफ मान लेता है।

सिम्पटम्स और बिहेवियर

- लगातार मॉनिटरिंग: पर्सन अपने पार्टनर के हर कदम पर नजर रखता है। वे उनके फोन, ईमेल, सोशल मीडिया और एक्टिविटीज को चेक करते हैं।
- इमेजिनरी एविडेंस पर बिलीफ: एक नॉर्मल बातचीत, एक देर से आया मैसेज या किसी अननोन पर्सन के साथ हुई छोटी सी मीटिंग को वे बेवफाई का सबूत मान लेते हैं।
- अग्रेसिव बिहेवियर: इस डेल्यूजन की वजह से पर्सन अपने पार्टनर पर चिल्ला सकता है, उन पर हमला कर सकता है या उन्हें फिजिकली हर्ट कर सकता है।
- आइसोलेशन: वे अपने पार्टनर को फ्रेंड्स और फैमिली से दूर रखने की कोशिश करते हैं ताकि वे किसी और से न मिल सकें।
- बार-बार सवाल करना: पर्सन अपने पार्टनर से बार-बार बेवफाई के बारे में पूछता है और वे कितनी भी सफाई दें, उस पर यकीन नहीं करते।
- यह डिसऑर्डर न सिर्फ विक्टिम के लिए, बल्कि उसके पार्टनर और पूरी फैमिली के लिए भी बहुत पेनफुल होता है। यह रिलेशनशिप पूरी तरह से टूट सकती है और इसका रिजल्ट कभी-कभी वायलेंट भी हो सकता है।

क्या है ट्रीटमेंट

पैथोलॉजिकल जेलसी का ट्रीटमेंट पॉसिबल है। इसमें मेनली साइकोथेरेपी और मेडिसिन शामिल होती हैं।

- साइकोथेरेपी: इसमें कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी (CBT) का यूज किया जाता है, जो पर्सन को अपने झूठे बिलीफ्स को पहचानना और उनसे लड़ना सिखाती है।
- मेडिसिन: साथ में कुछ एंटी-साइकोटिक ड्रग्स भी दी जाती हैं, जो पर्सन के डेल्यूजन्स को कम करने में हेल्प करती हैं।
- यह समझना जरूरी है कि यह सिर्फ "जेलसी" नहीं है, बल्कि एक सीरियस मेंटल इलनेस है, जिसके लिए प्रोफेशनल हेल्प की जरूरत होती है। अगर आप या आपका कोई जानने वाला इस तरह के बिहेवियर से जूझ रहा है, तो तुरंत एक मेंटल हेल्थ प्रोफेशनल से कॉन्टैक्ट करना जरूरी है।

एक छोटी स्टोरी: मोहित और प्रिया

मोहित और प्रिया की शादी को अधिक समय नहीं हुआ था, लेकिन मोहित का बिहेवियर अजीब हो गया था।

शुरुआत में, यह छोटी-छोटी बातों से शुरू हुआ। प्रिया जब भी देर से घर आती, तो मोहित उससे घंटों पूछताछ करता कि वह कहां थी और किससे मिल रही थी। प्रिया अगर किसी कलीग के साथ काम के सिलसिले में बात करती, तो मोहित उसे शक भरी नजरों से देखता।

एक शाम, प्रिया के फोन पर एक मैसेज आया, जिसमें लिखा था, "कल की मीटिंग के लिए रेडी रहना।" यह मैसेज प्रिया के बॉस का था। मोहित ने प्रिया के फोन पर यह मैसेज देखा और उसका चेहरा पीला पड़ गया।

"यह कौन है?" मोहित ने शांत, लेकिन तीखी आवाज में पूछा।

"यह मेरे बॉस हैं, कल एक इम्पोर्टेंट प्रेजेंटेशन है," प्रिया ने समझाया लेकिन मोहित के दिमाग में एक अलग ही स्टोरी चल रही थी। "तुम मुझसे झूठ बोल रही हो। यह तुम्हारा बॉयफ्रेंड है, है न?"

उस रात, मोहित ने प्रिया को सोने नहीं दिया। वह घंटों तक उस एक मैसेज के बारे में पूछताछ करता रहा और अपनी जेलसी की वजह से प्रिया पर कई आरोप लगाता रहा। प्रिया थक चुकी थी। उसने कई बार समझाने की कोशिश की कि ये सब उसके दिमाग का वहम है, लेकिन मोहित को उस पर यकीन नहीं हुआ। धीरे-धीरे, मोहित की जेलसी पागलपन में बदल गई। वह प्रिया के पीछे-पीछे ऑफिस तक जाने लगा। उसने प्रिया के फोन में जासूसी करने वाला ऐप डाल दिया और उसके फ्रेंड्स से भी मिलने पर रोक लगा दी। एक दिन, प्रिया अपने बचपन के दोस्त राहुल से मिली और उसे देखकर मोहित अपना आपा खो बैठा। वह राहुल से झगड़ने लगा और उन दोनों के बीच हाथापाई भी हुई।

अब प्रिया समझ चुकी थी कि मोहित को कोई मेंटल प्रॉब्लम है। उसने मोहित की फैमिली से बात की और उन्हें एक साइकेट्रिस्ट से मिलने की सलाह दी। स्टार्टिंग में मना करने के बाद, मोहित फाइनली ट्रीटमेंट के लिए रेडी हुआ। साइकेट्रिस्ट ने डायग्नोस किया कि मोहित को पैथोलॉजिकल जेलसी का डेल्यूजनल डिसऑर्डर है।

मोहित का ट्रीटमेंट शुरू हुआ, जिसमें मेडिसिन और थेरेपी दोनों शामिल थीं। यह एक लंबी और मुश्किल प्रोसेस थी, लेकिन प्रिया के पेशेंस और मोहित की कोशिशों से, धीरे-धीरे मोहित के डेल्यूजन्स कम होने लगे। उसे समझ आने लगा था कि उसकी जेलसी ने उनके रिश्ते को कितना नुकसान पहुंचाया था।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
यह सप्ताह चुनौतियों भरा रहेगा है। सप्ताह की शुरुआत से ही आपके ऊपर निजी और कार्यक्षेत्र से जुड़ी समस्याएं बनी रहेंगी, जिन्हें एक-एक कर शांति और विवेक के साथ सुलझाने की आवश्यकता रहेगी। इस सप्ताह लोगों की छोटी-मोटी बातों पर उलझने से बचना होगा।

वृष
इस सप्ताह का पूर्वार्ध हर सोचे काम को समय पूरा करने वाला रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में ही आपको अपने करियर-कारोबार से जुड़ी कोई शुभ सूचना प्राप्त हो सकती है। यदि आप रोजी-रोजगार में इन दिनों भटक रहे हैं, तो आपकी यह कामना पूरी हो सकती है।

मिथुन
यह सप्ताह काफी आपाधापी भरा रह सकता है। आपको कामकाज के सिलसिले में भागदौड़ करनी पड़ सकती है। नौकरीपेशा लोगों के सिर पर कामकाज का अतिरिक्त बोझ आ सकता है। भूमि-भवन से जुड़े विवाद को सुलझाने के लिए कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं।

कर्क
यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य लेकर आया है, लेकिन आप इसका अधिक लाभ तभी उठा पाएंगे, जब आप काम को टालने की बजाय समय पर करेंगे और लोगों के साथ बेहतर तालमेल बनाए रखने का प्रयास करेंगे। आपको नए व्यवसायिक उद्यम की शुरुआत करने और नौकरी की तलाश तेज कर दें।

सिंह
इस सप्ताह कोई भी काम आधे-अधूरे मन से नहीं करना चाहिए और न ही उसे किसी दूसरे के भरोसे छोड़ना चाहिए अन्यथा आपको बेवजह की परेशानी उठानी पड़ सकती है। नौकरीपेशा लोगों को इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में अपने प्रतिद्वंद्वी से कड़ा मुकाबला करना पड़ सकता है।

कन्या
इस सप्ताह सोचे हुए काम को समय पर पूरा करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम और प्रयास करना पड़ सकता है। सुखद पहलू यह है कि आपकी कोशिशें रंग लाएंगी और आपके लंबे समय से अटके काम पूरे होंगे। आप अपने आत्मविश्वास व साहस के बल पर बड़े से बड़े मसले को सुलझाने में कामयाब रहेंगे।

तुला
यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य लिए है। आपको न सिर्फ तमाम स्रोतों से लाभ होगा, बल्कि आपकी वाहन, भूमि, भवन जैसी तमाम बड़ी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं। सप्ताह की शुरुआत किसी धार्मिक-सामाजिक कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए होगी। इस दौरान तीर्थाटन के योग बनेंगे।

वृश्चिक
इस सप्ताह किसी भी काम को करते समय अतिआत्मविश्वास से बचने की जरूरत रहेगी अन्यथा फायदे की जगह नुकसान झेलना पड़ सकता है। नौकरीपेशा लोग कार्यक्षेत्र में उतनी ही काम की जिम्मेदारी लें, जितना समय पर पूरा करके दे सकें।

धनु
यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सौभाग्य का साथ मिलेगा। करियर-कारोबार के क्षेत्र में बड़ी सफलता और लाभ की प्राप्ति होगी। चूंकि आपके सभी काम समय पर पूरे होते हुए नजर आएंगे, इसलिए आपके भीतर एक अलग ही ऊर्जा और उत्साह देखने को मिलेगा।

मकर
यह सप्ताह परिश्रम का पूरा फल न मिलने और कार्य में कुछ बाधा आने के कारण मन परेशान रहेगा। कामकाज के सिलसिले में बेवजह की भागदौड़ करनी पड़ सकती है। निजी जीवन से जुड़ी जिम्मेदारियां और चुनौतियां आपके पेशेवर काम को प्रभावित करेंगी। नौकरीपेशा जातकों को अपने गुप्त शत्रुओं से खूब सावधान रहने की जरूरत रहेगी।

कुंभ
इस सप्ताह किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। किसी शुभ समाचार की प्राप्ति से घर-परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। घर में धार्मिक-मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। परिवार के सदस्यों के साथ हंसी-खुशी समय बिताने के अवसर प्राप्त होंगे। इस सप्ताह अविवाहित लोगों का विवाह तय हो सकता है।

मीन
इस सप्ताह हारिए न हिम्मत, बिसारिए न राम महामंत्र याद रखना होगा। किसी भी चुनौती का विवेक और साहस के साथ सामना करने की जरूरत रहेगी। यह बात समझना होगा कि ऐसी कोई भी समस्या नहीं जिसका समाधान नहीं है। आप कार्यक्षेत्र से जुड़ी मुश्किलों को दूर करने के लिए प्रयास करेंगे, तो सफलता प्राप्त होगी।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 38

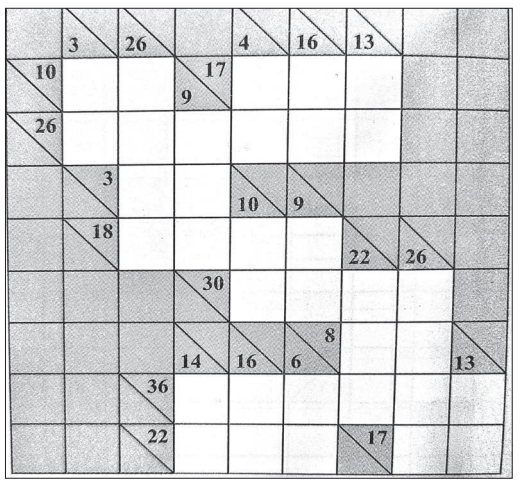

काकुरो 37 का हल

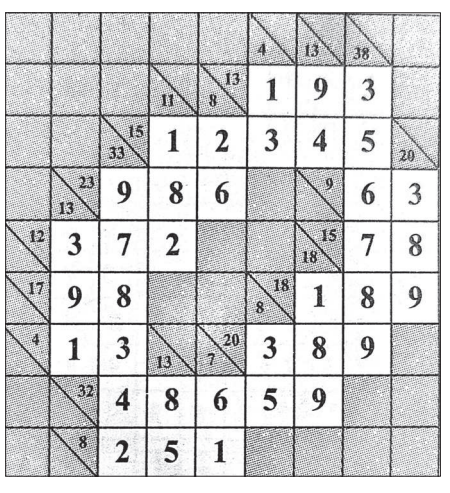

शब्द संसार

कहानी

वचन

"मे आई कम इन सर?', सलीम ने बड़ी ही शालीनता के साथ इंटरव्यू हॉल के दरवाजे पर नॉक करते हुए पूछा। "प्लीज कम", अंदर से आवाज आई। पांच वरिष्ठ अधिकारियों की पैनल थी। "गुड मॉर्निंग टू यू ऑल सर" सलीम ने अभिवादन किया। "वेरी गुड मॉर्निंग, प्लीज, हैव योर सीट", चेयरमैन साहब बोले। "थैंक यू सर।" सलीम के कक्ष में घुसने से लेकर कुर्सी पर बैठने तक रघुनाथ उसकी बॉडी लैंग्वेज अपनी घूरती हुई नजरों से अपने चित-परिचित अंदाज में स्कैन कर चुके थे। आयोग के चेयरमैन रघुनाथ प्रताप सिंह आईपीएस की पैनल में पड़ा था सलीम का इंटरव्यू। उनका नाम सुनते ही कैंडिडेट्स आधी हिम्मत हार जाते थे। जाने क्या मानदंड थी उनके चयन के! नंबर ही नहीं देते थे किसी को। "ओवर तो यू, ऑनरेबल मेंबर्स", कहकर आगे का इंटरव्यू पैनल के मैंबर्स को सौंप दिया। एक-एक कर बाकी चारों मेंबर्स ने सलीम से जी भर सवाल पूछे। अंतिम मेंबर के तूणीर से भी जब प्रश्नों के सभी बाण खत्म हो गए, तब उन्होंने आगे का इंटरव्यू रघुनाथ को सौंपते हुए कहा, "ओवर टू यू सर।"

रघुनाथ टकटकी लगाए सलीम पर नजर गड़ाए थे। उसके उत्तरों से जैसे मंत्रमुग्ध हो गए थे। सलीम कुछ जाना पहचाना सा लग रहा था उन्हें, पर उस पहचान का सिरा वे नहीं खोज पा रहे थे। "हां, तो सलीम ये बताइए की आप आईपीएस ही क्यों बनना चाहते हैं?" रघुनाथ ने पहला प्रश्न किया। "सर, अब्बू की बड़ी ख्वाहिश है। उनके बचपन के एक मित्र आईपीएस हैं। अब्बू चाहते हैं कि मैं एक अच्छा पुलिस ऑफिसर बनूं, एकदम उनके दोस्त चाचू जैसा।" "क्या नाम है आपके पिताजी के दोस्त चाचू का? किस पद पर हैं अभी? कहां पोस्टेड हैं?" "अब्बू उनका नाम नहीं लेते सर। कहते हैं, बड़ा पाक नाम है उसका, मुझ जैसे आदमी की जुबां पर आने से नापाक हो जाएगा। हां, उनके साथ कॉलेज में बिताए दिनों के किस्से सुनाते हैं।" "हम्म्म ठीक है, तो फिर आप अपने अब्बू के बारे में ही कुछ बताइए।" "अब्बू का नाम जैद खान है सर। उनकी स्कूलिंग डीएवी दिल्ली से हुई और फिर दिल्ली के ही पब्लिक साइंस कॉलेज से उन्होंने बीएससी की। उसके बाद" कहते-कहते सलीम रुक गया।

पंकज शुक्ल
गोरखपुर

जैद खान पब्लिक साइंस कॉलेज, रघुनाथ को लगा मानो कोई उन्हें हाथ पकड़कर अतीत में 25 साल पीछे लिवा गया हो। क्यों सलीम जाना पहचाना लग रहा था, इसका उत्तर उन्हें अब मिल गया था। जैद और रघुनाथ एक ही कॉलेज से पढ़े थे। हॉस्टल के एक ही कमरे में तीन साल रहे थे। जैद थोड़ा कट्टरवादी था। रघुनाथ भी अपने धर्म के कम पक्के नहीं थे। जैद हर शुक्रवार शाम मस्जिद जाता और रघुनाथ हर शनिवार मंदिर से आकर प्रसाद जैद को देते। एक शनिवार उन्होंने जैद को रघुनाथ की नजरों से बचकर प्रसाद कुड़ेदान में फेंकते हुए देख लिया। कुछ बोले नहीं, वे फिर भी हर शनिवार जैद को प्रसाद देते रहे। रघुनाथ ने कमरे में एक टेबल पर रामदरबार तथा अन्य देवी-देवताओं की तस्वीर रखी हुई थी। जैद को यह पसंद नहीं था, रघुनाथ से कह नहीं पाता, लेकिन नित्य कुछ न कुछ ऐसा करता था कि रघुनाथ ने तंग आकर वो तस्वीरें हटा दें। गाहे-बगाहे उसी टेबल पर टिफिन आदि रख देता था। "जूठा है, वहां भगवान की टेबल पर मत रखा करो।" रघुनाथ के टोकने पर जैद माफी मांग लेता, लेकिन फिर उसी ढर्रे पर आ जाता। एक दिन रघुनाथ ने देखा की सारी तस्वीरें नीचे जमीन पर रखीं हैं और जैद उसी टेबल पर बाथरूम स्लीपर पहने चढ़ा हुआ पंखा पोंछ रहा था। रघुनाथ खून का घूंट पीकर रह गए। फिर भी, जैद को कुछ कहा नहीं। तस्वीरें जाकर पासवाली नहर में विसर्जित कर दी।

जैद का स्थानीय कट्टरपंथी युवा संगठनों से जुड़ाव हो गया। उनकी बैठकों में जाता। पम्फलेट वगैरह बांटता। रघुनाथ उसे बार-बार चेताते, "जैद, ये लोग ठीक नहीं हैं। ये हमारे तुम्हारे जैसे युवाओं को बरगलाकर अपना उल्लू सीधा करते हैं। समाज में आग लगाकर उसपर अपनी राजनैतिक रोटियां सेंकते हैं।" "हमारी कौम के ही लड़कों को बरगलाया जाता है, हमीं दहशतगर्द बनते हैं। तुम्हारी कौम में तो बस राम जन्म लेते हैं सारे है न?," जैद की इस प्रतिक्रिया के बाद रघुनाथ कभी उसे टोकने की हिम्मत नहीं जुटा सके।

एक बार ईद के दिन रघुनाथ खुद जिदकर जैद के घर गए थे। "अरे जैद, अपने दोस्त को ईद की सेवइयां नहीं खिलाएगा? जा दुकान से प्लास्टिक वाली कटोरी और चम्मच ले आ" मां तो फिर मां होती है। रघुनाथ मां के मन की दुविधा समझ गए थे। "अम्मा, अगर खीर खाऊंगा तो घर के बर्तनों में ही खाऊंगा।" "बेटा, बड़ी अच्छी परवरिश की है तुम्हारे अब्बू-अम्मी ने एक ही फिक्र रहती थी, जैद हॉस्टल में कोई गलत साथ न पकड़ ले। तुम्हें देखकर भरोसा हुआ अब सुकून से आंखें बंद कर सकूंगी।" "ऐसा मत कहो अम्मा", कहते हुए रघुनाथ का गला भर आया था।

जैद को रघुनाथ का एक ही मुलाकात में अपनी मां का दिल जीत लेना अच्छा नहीं लगा। "जी भर मेरी शिकायतें कर लो अपने नए बेटे से, मैं बाहर चले जाता हूं।" कहकर घर से बाहर निकल गया। "बिना बाप के बड़ा हुआ है ना, मुझे ही अपनी दुनिया मानता है। बुरा मान गया जैद थोड़ा सरफिरा है, लेकिन दिल का बुरा नहीं है बेटा।" खांसी के ज्वार से शबनम ने खुद को संभालते हुए कहा, "मुझे टीबी है बेटा ज्यादा दिन नहीं चलूंगी। तूने मुझे अम्मा कहा है, तो जैद को भी हमेशा अपना भाई ही समझना, कभी साथ मत छोड़ना इसका। वादा कर मुझसे।" "वचन देता हूं मां, मैं जैद का साथ कभी नहीं छोडूंगा, लेकिन आपको भी एक वचन देना होगा। मुझे बेटे और भाई का फर्ज निभाने से कभी नहीं रोकेंगी। आपको इतनी मेहनत करने की जरूरत नहीं है। आप अपना ख्याल रखिए। आपके इलाज और जैद की फीस के पैसे मैं आपको भेज दिया करूंगा और आप जैद को भिजवा देना, लेकिन कभी उससे बताना नहीं।" "अल्लाह तुझे हमेशा सलामत रखे बेटा, कामयाबी तेरे कदम चूमे तेरी हर मुराद पूरी हो।" आशीर्वाद देते हुए मां की आंखें भर आई थीं। रघुनाथ के मन में भी 'अब कृतकृत्य भयउं मैं माता' वाले भाव उमड़ आए थे, अकुलाकर बोले, "सभी आशीर्वाद मुझे दे देंगी अम्मा? जैद के लिए भी कुछ बचा रखिए।" "तेरा साथ किसी दुआ से कम है क्या बेटा?", शबनम की इस बात पर रघुनाथ भावविभोर हो गए थे।

रघुनाथ ने बारहवीं कक्षा के बच्चों को साईंस और गणित के ट्यूशन पढ़ाना शुरू कर दिया। ट्यूशन से मिली फीस और घर से मिले जेब खर्च से बचाकर या किसी मित्र से उधार लेकर जैद की मां को उसके इलाज और जैद के कॉलेज और हॉस्टल की फीस मनीऑर्डर कर देते थे। इधर, जैद को हमेशा लगता कि सब खर्च उसके चाचू उठा रहे हैं। ग्रेजुएशन के अंतिम साल ही रघुनाथ ने आईपीएस निकाल लिया। पहले कुछ साल जैद को हॉस्टल और घर के पते पर बहुत चिट्ठियां भेजी, लेकिन सामने से कभी जैद का उत्तर नहीं आया। फिर भी, रघुनाथ आज तक शबनम के पते पर मनीऑर्डर भेजते रहे हैं।

रघुनाथ की आंखों के सामने एक ही क्षण में पूरा अतीत सामने आ गया। "आपके अब्बू अब क्या करते हैं?", रघुनाथ के प्रश्न में उत्कंठा अपने चरम पर थी। "सर, वो.. वो अभी जेल में हैं। अफीम माफिया के साथ जुड़े होने और आर्म्स की तस्करी में सहायता करने का इल्जाम है उन पर।" अभी तक आंख में आंख डालकर सभी उत्तर दे रहे सलीम की नजर अब झुक गई थी। "व्हाट?" "अब्बू बेईमान नहीं हैं सर। कपड़े की दुकान थी उनकी। दुकान के सामने ही एक बड़े नेता के बेटे ने एक लड़की के मुंह पर तेजाब फेंक दिया था, जिसके वो चश्मदीद गवाह थे। गवाही न देने के लिए बहुत दबाव आया, लेकिन अब्बू नहीं माने। उसी वजह से अब्बू को झूठे केस में।" "हम्म्म आई सी मान लीजिए सलीम आपका चयन अगर नहीं होता, तो आप क्या करेंगे?" सलीम की बात काटकर रघुनाथ ने अगला प्रश्न पूछ लिया। "मैं एक दिन आईपीएस जरूर बनूंगा सर। अब्बू कहते हैं, जेहि कें जेहि पर सत्य सनेहू, सो तेहि मिलइ न कछु संदेहू।" रघुनाथ को अपने कानों पर विश्वास नहीं हो रहा था। पैरों तले से मानो जमीन खिसक गई हो। "ठीक है, आपका इंटरव्यू यहीं खत्म होता है। आप अब जा सकते हैं।" दो महीने बीत गए। आज रिजल्ट का दिन था। सलीम ने रिजल्ट देखने के लिए मोबाइल उठाया ही था कि दरवाजे के बाहर से आवाज आई। "सलीम, बेटा सलीम.. दरवाजा खोलो।" दरवाजे खोलते ही सलीम सामने खड़े शख्स को देखकर खुशी से उछल पड़ा।

"अब्बू आप! आप रिहा हो गए?" "हां बेटा करिश्मा हो गया कुदरत का। वकील साहब बात रहे थे कि पुलिस ने अपनी झूठी जांच रिपोर्ट हटाकर नई रिपोर्ट कोर्ट में पेश कर दी, जिसमें सब सच लिखा था। मैं बाइज्जत बरी हो गया बेटा मैं बाइज्जत बरी हो गया।" "आज का दिन बहुत अच्छा है अब्बू। आज ही मेरा रिजल्ट भी आना है। ये इंटरनेट है कि चल ही नहीं रहा। जानते हैं अब्बू! आयोग के चेयरमैन रघुनाथ सर की पैनल में पड़ा था मेरा इंटरव्यू।" रघुनाथ सर का नाम सुनते ही जैद के चेहरे के रंग बदल गए। "अच्छा, क्या-क्या पूछा उन्होंने तुमसे?" "अरे अब्बू यही तो मुझसे कुछ पूछा ही नहीं। एकाध सवाल आपके दोस्त चाचू के बारे में किए और एकाध आपके बारे में" "तूने बताया तो नहीं की मैं.. जेल..?" "आपने तो सिखाया है अब्बू की झूठ बोलना गुनाह है।" जैद ने गर्दन झुकाकर, माथे पर हाथ रखकर बैठ गया। "किस सोच में पड़ गए अब्बू?" सलीम के इस प्रश्न का जैद उत्तर देता, उससे पहले ही तभी डोरबेल बजी। "तुम रुको बेटा, मैं देखता हूं।" कहकर जैद ने उठकर दरवाज़ा खोला। "मुबारक हो जैद, तुम्हारा बेटा आईपीएस बन गया है।" सामने मिठाई का डिब्बा लिए रघुनाथ खड़े थे।

कविता/गीत

दौड़ है ये जिंदगी

दौड़ है ये जिंदगी
हम भागते, हर दिन यहीं
न चाहते, चलना अगर,
रुकती नहीं है जिंदगी।
हम चल रहे, हर-दिन भले,
जाना कहां, जाना नहीं,
देर हो या जल्द ही,
पहुंचे सभी हैं अंत में,
हमें भी उसी डगर,
हर क्षण बढ़ाती जिंदगी।

बदले दौर जिंदगी,
हम बदलना चाहें खुद अगर
वक्त के इस जाल में,
फंसते चले हैं हम सभी,
बचपन भर के हंस दिए,
जवानी भर के बांट ली,
बुढ़ापा भर के काटने,
हमें चलाती जिंदगी।
जिसे प्रेम हो, वो भी गया
जिसे प्रेम न हो, वो भी गया
भर पेट भोजन आस में,
मीलों भगाती जिंदगी।
हम भागते एक दौड़ में,
जिसे बोलते हैं जिंदगी।

रुक जाने की भी चाह है,
कमजोर मन की साख में,
धीमी अगर हो जाऊं तो,
क्या खो जाऊंगी कुछ पल
मेरे?
कौन ही बतला रहा
कि कितना ही समय बचा?
जो ये पता हो जाए तो,
हर पल में जी लूं जिंदगी।

भले दौड़ते- थकते हुए,
भर पेट भोजन आस में,
चलने का फिर भी मन न हो,
रुक जाऊं मैं, क्षण भर को
ही, भर लूं मैं मन में पल
सभी,
जिसमें भी जी हो जिंदगी,
हर वक्त में, हर हाल में
हर पल में जी लूं जिंदगी।
जिसे बांटना, हम सबको है,
उसे बोलते हैं जिंदगी।

आरती आर्य
हल्द्वानी

औरत का विकास

औरत का विकास कोई
सरकारी योजना नहीं है,
कोई आंकड़ा नहीं,
कोई सालाना रिपोर्ट नहीं।
यह एक धीमी, चुपचाप चलने
वाली क्रांति है, जो रसोई
से निकलकर सड़कों तक
आती है और फिर सवाल
बनकर व्यवस्था के दरवाजे
खटखटाती है।

हमने औरत को विकास की
भाषा में अक्सर लाभार्थी
कहा है, जैसे वह खुद कुछ
नहीं, बस किसी योजना
की दया पर टिकी हुई एक
इकाई हो, लेकिन सच्चाई
यह है कि औरत सिर्फ
विकास का विषय नहीं,
वह खुद विकास की शर्त है।

जब एक औरत पढ़ती है,
तो सिर्फ वह नहीं पढ़ती-
पूरी पीढ़ी साक्षर होती है।
जब वह कमाने लगती है,
तो सिर्फ घर का बजट नहीं
बदलता- सत्ता के संतुलन में
हलचल होती है और शायद
यही बात सबसे ज्यादा
डराती है।
क्योंकि आत्मनिर्भर औरत
सवाल पूछती है। वह चुप
नहीं रहती। वह परंपरा को
सम्मान देती है, पर उसे

निवेदिता शर्मा
शिक्षिका

झल्लाहट

क्या पता अब कौन सा आए
नया संकट, आमुखों पर है
सभी के एक झल्लाहट।

हो गए अनुबंध सारे आज
क्रय-विक्रय, मैं समझ पाया
नहीं इस वृत्ति का आशय।

कौन जाने ऊंट बैठे आज किस
करवट।

मैं नहीं केवल यहां सब लोग
आतंकित, द्वेष वाले ग्रंथ ही
नित हो रहे चर्चित।
साफ खतरे की सुनाई दे रही
आहट।
एक मीठे झूठ से ही फिर हमें
फांसा।
साथ चलने का वचन था दे
गए झांसा।
सोचता हूं अब न पालूं
नेह का झंझट।

ज्ञानेन्द्र मोहन 'ज्ञान'
शाहजहांपुर

लघुकथा

सुख

"हां बोलो, क्यों तुमने मुझे यहां बुलाया?" नाराजगी प्रकट करते हुए श्रद्धा ने परेश से पूछा। "मिलने को जी चाहता था, इसलिए।" परेश बोला। "अपने जी को काबू में रखो। अब हमारे बीच कुछ रह नहीं गया है। तुम्हें बताया तो था कि मैं अब किसी और की होने जा रही हूं। तुम आगे से मुझे फोन भी न करना।" तीखेपन से श्रद्धा ने कहा। "देखो यहां सड़क पर खड़े रहकर कोई बात नहीं हो सकती। अंदर कैफे में कुछ देर बैठते हैं। या फिर सामने पार्क के एकांत में। एक लंबे अर्से तक हमने एक-दूजे को चाहा है। आज एकदम से इतनी लंबी दूरी बना लेना ठीक नहीं। हमने प्यार किया था, फिर अचानक तुम्हारा यह फैसला?" परेश की आंखों में पानी छलक आया था।

डॉ. सुरेश वशिष्ठ
साहित्यकार, नई दिल्ली

"मेरे पिता ने अब मेरा रिश्ता तय कर दिया है। अगले दस दिन में, फेरों में बंधकर मैं पोलैंड चली जाऊंगी। दिलों की वह चाहत अब खत्म हुई। भूल जाओ कि कभी हमने एक-दूसरे को चाहा था। वह हमारी भूल थी या जवानी का जोश था, लेकिन घर बसाने के लिए तो सीरियस होना पड़ता है। अब मैं कोई भी रिस्क लेना नहीं चाहती। अच्छा होगा कि तुम भी मुझे भूलकर किसी के साथ बंधन में बंध जाओ?" माथे पर लकीरें खिंच गई थीं। परेश का मन दुखा। पूछा उसने- "और वह, जो तुम्हारे पेट में पल रहा है, मेरा अंश... उसका क्या?"

"अभी तो दो ही महीने हुए हैं। पोलैंड में कोई भी बहाना कर मैं उसे गिरा दूंगी। और वो मेरी प्रोब्लम है।" "तुमने तो मेरे साथ पूरा जीवन बिताने की कसमें खाई थी।" परेश की अधीरता बढ़ने लगी। "खाई थी, लेकिन फिर विचार हुआ कि तुम मुझे वह ऐशो-आराम, वह साधन नहीं दे सकते, जो पोलैंड में बसा मेरा मंगेतर मुझे देगा। उसके पास धन-दौलत है। अच्छी तनख्वाह वह पाता है। तुम कभी इतना नहीं कर पाओगे। मुझे अपना सुख तो देखना ही है।" श्रद्धा बोली। "अच्छा रुको। थोड़ी देर शांति से बैठकर विचार कर लेते हैं। सामने के पार्क की बेंच पर बैठ जाते हैं।" परेश उसे समझाने लगा। "मुझे समझाने की जरूरत नहीं। न मैं सहज तुम्हारी बातों में आने वाली। मैंने जो कहा, उसे समझने की कोशिश करो। अब मैं किसी और की हो चुकी हूं। मुझे कोई बदनामी नहीं चाहिए और न ही तुम्हारा कोई मशविरा।" "मानता हूं। मैं तुम्हें वह ऐशो-आराम नहीं दे सकता, जो वह अमीर आदमी दे सकता है, लेकिन हम दोनों के बीच प्रीत का दरिया जो बहा, उसका क्या?" क्रोध उमड़ा और बोली वह- "तुम्हें उस दरिया में डूबे रहना है, तो डूबो, डूबकर चाहे मरो भी! मुझे तो सुविधा से जीवन जीना है। अपना सुख देखना है। बगैर धन वह सुख तुम मुझे कभी नहीं दे सकते। इसलिए अच्छा होगा कि तुम अपने रास्ते चलते बनो और मैं अपने रास्ते।" क्रोध भरी आंखों से उसे घूरते हुए वह वहां से चली गई।

अनुभूति

सफेद चादरें

मैं एक बार फूला चाची के घर दादी के साथ रहने गई थी। शाम का समय था, पर भीतर कोई अनकहा अनुभव चुपचाप आकार ले रहा था। रात को जब हम छत पर आए, तो ठंडी सफेद चादरें खाट पर बिछ चुकी थीं। हवा में एक ऐसी नमी थी, जो तन से ज्यादा मन को छूती है और शायद यही स्पर्श किसी भी यात्रा को यादगार बनाता है।

ममता सोनी
नई दिल्ली

ठंडी पुरवाई और ठंडे बिस्तर का आकर्षण केवल मौसम की वजह से नहीं था, यह उस सरल जीवन का सौंदर्य था, जो शहरों की तेज रफ्तार में खो गया है। एक सफेद चादर, एक पुरानी खाट, दादी की मौजूदगी और खुला आकाश, इन सबमें एक गहरी दार्शनिकता छिपी है।

हम अक्सर मानते हैं कि आराम महंगे कमरों, मोटे गद्दों और बंद खिड़कियों में मिलता है, पर असली सुकून तो उन पलों में होता है, जहां मन हल्का हो जाए।

छत की वह ठंडक हमें यह याद दिलाती है कि इंसान जितना बाहर की गर्मी से थकता है, उतना ही भीतर की उथल-पुथल से भी। कभी-कभी एक साधारण-सी ठंडी चादर भी हमारे अस्तित्व को शांत करने लगती है। उस रात की हवा में एक अनोखी सच्चाई थी कि जीवन की सबसे बड़ी विलासिताएं दरअसल बहुत मामूली चीजें होती हैं। सच्चा आराम सामान में नहीं, अनुभव में होता है। सबसे गहरे अनुभव वही होते हैं, जिनमें कोई कृत्रिमता नहीं होती, बस प्रकृति, रिश्ते और शांति। फूला चाची के घर की वह रात केवल एक ठंडी रात नहीं थी, वह जीवन के सरलतम सत्य की याद दिलाने वाला क्षण था कि जब हम शोर से दूर होते हैं, तब ही अपनी आत्मा की आवाज साफ सुनाई देती है। कभी-कभी, दादी के पास बिछी ठंडी सफेद चादर ही हमें पूरा ब्रह्मांड समझा देती है। क्योंकि जीवन का दर्शन अक्सर वहीं जन्म लेता है, जहां हम सबसे सामान्य चीजों में असाधारण अर्थ खोज लेते हैं।

समीक्षा

जिंदगी के सच का आईना

कथन, "आदमी का गुरु आदमी के अंदर बैठा है", बहुत गहन और दार्शनिक है। यह भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं, जैसे अद्वैत वेदांत, योग या ओशो जैसी शिक्षाओं से प्रेरित लगता है, जहां यह संकेत करता है कि सच्चा ज्ञान या मार्गदर्शक बाहरी नहीं, बल्कि हमारे भीतर ही विद्यमान है, लेकिन यह तथ्य कहां तक सत्य है? इसको अच्छी तरह समझाया गया है पुस्तक 'जिंदगी का सच' में। इस पुस्तक को सात अध्यायों में बांटा गया है जैसे-पुस्तक की गरिमा, एक प्रयोग, लेखक परिचय, जिंदगी का सच, प्रथम अध्याय, द्वितीय अध्याय, तृतीय अध्याय, चतुर्थ अध्याय, पांचवां अध्याय और सातवां अध्याय। पुस्तक गरिमा में लेखक ने स्पष्ट किया है कि आदमी का गुरु आदमी के अंदर अंतरात्मा के रूप में बैठा है, जो आदमी अपने गुरु को पहचानता है, उसकी संगति में बैठता है, उसका आदर करता है, गुरु में श्रद्धा और विश्वास करते हुए उसकी आज्ञा का पालन करता है, वह आदमी अपने अपनी जिंदगी में चटकीले रंग की साड़ी पहनने वाली माया से कभी धोखा नहीं खा सकता। "जिंदगी का सच" आदमी को उसकी जिंदगी की वास्तविकता से रूबरू करवाता है। इस पुस्तक में लेखक इसके जवाब प्रस्तुत कर रहा है। इस पुस्तक में एक प्रयोग को अंजाम दिया गया है। पाठक की ऊर्जा कितने प्रतिशत सकारात्मक तथा नकारात्मक है, इसकी जांच के लिए पूरी पुस्तक में जगह-जगह एक सी गलतियों रखी गई हैं। जिस पाठक की नजर में कोई भी गलती नहीं आएगी, वह पूर्णतः सकारात्मक होगा। पाठक को अपनी जांच पूरी ईमानदारी पूर्वक करना है। अगर नकारात्मक ऊर्जा है, तो उसे दूर करने के लिए अपने दृष्टिकोण को और अधिक सकारात्मक बनाना होगा, क्योंकि सकारात्मक दृष्टिकोण सकारात्मक सोच की जननी है। सकारात्मक सोच जिंदगी में उन्नति की सीढ़ियां हैं। नकारात्मक सोच अपने लिए प्रकृति से नकारात्मक ऊर्जा आकर्षित करती है।

पुस्तक -जिंदगी का सच
लेखक -पारस नाथ सिंह
प्रकाशक -वन एलाइन पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
मूल्य -250/-
समीक्षक-डॉ. इरफान ह्यूमन, शाहजहांपुर

व्यंग्य

बात तो अब बराबर हुई महोदय

अपने देश में जो भी कुर्सी पर बैठता है। वह एक बात जरूर कहता है कि हमारे लिए सभी एक समान हैं। देश के संसाधनों और सभी चीजों पर सबका एक समान अधिकार है। यह लगभग हर नेता का तकिया कलाम हो चुका है, जो भी कुर्सी पर विराजमान रहता है। कुछ बातें कहने के लिए होती हैं। मतलब हवा-हवाई फायर होते हैं। गोली भी चलती है और कोई घायल भी नहीं होता है। इसी तरह कुछ बातों का कोई मतलब नहीं होता है और मतलब की बातें बिना हाथ-पैर चलाएं नहीं होती है।

रेखा शाह
बलिया

कोई इस देश में पांच किलो राशन पर पलता है, तो किसी को पचहत्तर हजार सैलरी मिलती है। वह सोने के झूले पर झूलता है। इसके बावजूद भी वह खुश नहीं रहता है, तो सबकी अपनी-अपनी किस्मत है। अब जिसकी किस्मत में पांच किलो अनाज लिखा है। वह भी इसी देश का वासी है और जिसकी सैलरी पचहत्तर हजार है, वह भी इसी देश का वासी है। कुछ दिनों से ऐसा लगता है कि सरकार चाहती है कि सब एक बराबर हो जाए।

सबका साथ सबका विकास वाला नारा तो सभी पार्टियों की फेवरेट लाइन है। इसके बिना तो किसी भी नेता, पार्टी के बातों की शुरुआत ही नहीं होती है, लेकिन लग रहा है कि अब इस बात को गंभीरता से लिया जा रहा है, लेकिन देखा जाए तो हमेशा से समाज दो वर्गों में बंटा रहा। एक की कमाई मुट्ठी भर होती है और एक की कमाई स्विस बैंक का लॉकर भी छोटा पड़ जाए।

हर चीज में दोनों अलग, इनका खान-पान अलग, रहना-सहना अलग, यातायात अलग, हवा पानी अलग, हर चीज अलग, एक सरजू बावन मोटा चावल खाता है, तो एक बासमती खाता है। एक ट्रेन के डिब्बे में भूसे के जैसे ठुसा कर यात्रा करता है, तो एक हवाई जहाज में आसमान में पंछी के जैसे उड़कर यात्रा करता है। एक सार्वजनिक टेंपो, बस इत्यादि में धक्के खाता रहता है, तो एक अपनी पर्सनल लग्जरी गाड़ी में बैठकर आराम से यात्रा करता है, लेकिन हुकूमत ने अब ठान लिया है कि दोनों को एक बराबर करना है। दोनों को एक स्तर पर लाना है ताकि देश में अमीरी और गरीबी की यह लंबी लकीर मिट सके। गरीबों को अमीर लोगों को देखकर बहुत ही दुख होता था कि उनके पास इतनी सुख-सुविधा क्यों नहीं है? इसीलिए सरकार द्वारा सबका दुख-दर्द मिटाने का निर्णय लिया गया है।

पहले सिर्फ गरीब लोग ही लाइन में लगते थे, लेकिन सरकार ने समानता के तहत अब अमीरों को भी लाइन में लगाने का फैसला कर लिया है। पहले देश के बेरोजगार परेशान रहते थे, तो अब सरकार ने फैसला ले लिया है कि नौकरी वाले भी अब परेशान रहे। असमानता कहीं नहीं रहेगी।

पहले सिर्फ ट्रेन यात्री धक्के खाते थे, टिकट के लिए परेशान होते थे, पसीने से लतपत होते थे, अब आसमान में उड़ने वाले भी जमीन पर धक्के खा रहे हैं। इस समानता के लिए सराहना तो बनती है। बहुत प्रयास के बाद यह समानता देश में आई है। हुकूमत में बहुत मेहनत किया है। हवाई जहाज वाले भी धक्के खाने को मजबूर हो गए हैं। गरीब लोग तो अमीरों का मुकाबला करने से रहे, तो सरकार ने सोचा क्यों नहीं अमीरों को ही गरीबों के बराबर किया जाए। इसके लिए धन्यवाद तो बनता है। असल में बराबरी तो अब हुई है। अब ऊंट आया है पहाड़ के नीचे। अमीरों के लिए तो ट्रेन से सफर करना, लाइन में लगना, पहाड़ पर चढ़ने से कम बिल्कुल नहीं है, बल्कि ज्यादा ही मुश्किल है।

दादा की अलमारी से निकला जीवन का खाता

नई पीढ़ी के लिए पैसे और जीवन की समझ

घर की सफाई करते हुए जब मैंने दादा की पुरानी अलमारी खोली, तो उसमें एक छोटा-सा लिफाफा मिला। उस लिफाफे में कोई पैसा नहीं था, तीन पन्ने थे-फटे हुए, पीले पड़े पर शब्द बिल्कुल साफ थे। एक पेज पर उस पर उनकी लिखावट में लिखा हुआ था-

'खर्च से पहले एक बार मन से पूछना, जरूरी है या नहीं।'

दूसरे पन्ने पर लिखा था- 'जरूरत, सुविधा और इच्छा तीनों को एक लाइन में मत खड़ा होने देना' और तीसरे पन्ने में भी इसी तरह की प्रेरक पंक्ति थी। मुझे नहीं पता कि दादा जी इन पंक्तियों को लिखकर लिफाफे में क्यों रखा, लेकिन इन पन्नों को पढ़कर समझ आया कि असली पूंजी केवल बैंक खातों में नहीं, बल्कि अनुभव, अनुशासन और दृष्टि में होती है।

मेघा राठी
भोपाल

प्राथमिकताएं और दिखावे से ऊपर सोच

नई पीढ़ी अक्सर तत्काल सुख और सुविधा के चक्र में अपनी प्राथमिकताएं भूल जाती है। छोटी-छोटी आदतें, जैसे खर्च करने से पहले रुकना, जीवन को संतुलित बनाए रख सकती हैं।

- जूते थोड़े घिस जाएं तो मरम्मत करना।
- टूटे सामान को फेंकने के बजाय जोड़ना।
- नई चीज खरीदने की इच्छा को तब तक टालना, जब तक वह सचमुच जरूरी न हो।
- इस दृष्टिकोण से पैसा केवल उपयोग की नहीं, जिम्मेदारी की चीज बन जाता है।

त्योहार-प्रेम और अपनापन सबसे बड़ी पूंजी

आज त्योहार महंगे उपहार और चमकदार पैकेजिंग की होड़ बन गए हैं। छोटी-छोटी बातें अधिक महत्वपूर्ण हैं।

- घर में बनी मिठाई, जिसमें अपनापन घुला हो।
- रिश्तेदारों की मुलाकात, गले लगाना और हालचाल पूछना।
- उपहार कम मूल्य के हों, लेकिन प्रेम और समय का निवेश ज्यादा।

त्योहारों का उद्देश्य

- दूरी घटाना, दिलों को जोड़ना और मिलकर उत्सव मनाना।
- खर्च नहीं, भावनाएं असली रोशनी हैं।

खर्च और संस्कार-जब अनुशासन सिखाता है

- कुछ घरों में हर महीने 'रोके-खर्च दिन' होते थे।
- इन दिनों में अनावश्यक खर्च नहीं किया जाता।
- यह आदत सिर्फ पैसे बचाने के लिए नहीं, बल्कि अनुशासन और आत्मनियंत्रण के लिए होती है।
- बच्चों को यह सिखाता है कि पैसा उड़ाने की चीज नहीं, सही जगह लगाए जाने वाली ऊर्जा है।
- नई पीढ़ी इसे अपनाकर वित्तीय और मानसिक संयम सीख सकती है।

आधुनिक जीवन की चुनौतियां

- यूपीआई, कार्ड, डिजिटल छूट, ऑनलाइन डिलीवरी
- सब कुछ इतना आसान है कि खर्च का एहसास ही मिट गया है।
- एक क्लिक में खरीदारी
- तुरंत भुगतान
- हर पांच मिनट में ऐप नोटिफिकेशन
- मानसिक थकान को शांत करने के लिए impulsive shopping

महीने के अंत में वही सवाल-

- 'इतना पैसा कहां चला गया?' इसलिए नई पीढ़ी को समय निकालकर सोचने और खर्च को परखने की आवश्यकता है।

नई पीढ़ी के लिए पुरानी आदतों का महत्व

नई पीढ़ी के लिए ये आदतें केवल पुराने समय की याद नहीं हैं। वे मनोवैज्ञानिक, आर्थिक, पारिवारिक और सामाजिक जीवन में संतुलन और स्थिरता ला सकती हैं। मितव्ययिता की आदत केवल आर्थिक लाभ नहीं करती, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में सुकून और स्थायित्व भी बनाती है।

मनोवैज्ञानिक लाभ- मानसिक शांति और संतोष

- इच्छाओं और लालसाओं पर नियंत्रण आता है।
- कम में भी संतोष महसूस करना सीखते हैं।
- मानसिक दबाव और तनाव कम होता है।
- दीर्घकालिक सोच से मानसिक स्थिरता बढ़ती है। इन आदतों से जीवन की हल्कापन और संतुलन मिलता है।

आर्थिक लाभ-वित्तीय स्थिरता और बचत

- अनावश्यक खर्च कम करना और बचत बढ़ाना।
- योजनाबद्ध खर्च से आर्थिक स्थिरता प्राप्त करना।
- आपातकाल में कर्ज पर निर्भरता कम करना।
- सीमित साधनों में चलकर वित्तीय स्वतंत्रता हासिल करना। यह केवल पैसे की बचत नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा और भविष्य की तैयारी है।

पारिवारिक लाभ-संबंधों में सामंजस्य

- परिवार में आर्थिक तनाव कम होता है।
- बच्चों को मूल्य-आधारित जीवन और अनुशासन सिखाया जा सकता है।
- परिवार में विश्वास और समझ बढ़ती है।
- प्राथमिकताएं स्पष्ट रहती हैं- शिक्षा, स्वास्थ्य और जरूरतें पहले। संतुलित पारिवारिक जीवन सुनिश्चित होता है।

सामाजिक लाभ- दिखावे से मुक्त सरल समाज

- अनावश्यक प्रतिस्पर्धा घटती है।
- सामाजिक समानता और सहयोग बढ़ता है।
- त्योहार और आयोजन कर्ज का कारण नहीं बनते।
- संसाधनों का अपव्यय कम होता है।

साधारण जीवन, उच्च सोच नई पीढ़ी के समाज को स्थिर और संतुलित बनाता है।

अतिरिक्त लाभ - समय और ऊर्जा का सही निवेश

- खरीदारी और दिखावे के बजाय समय और ऊर्जा को सीखने, अनुभव लेने और रिश्तों पर निवेश करना।
- तकनीकी और डिजिटल दुनिया में भी सीमाएं निर्धारित करना।
- छोटी आदतें जीवन को व्यवस्थित और उद्देश्यपूर्ण बनाती हैं।

आधुनिक जीवन में नई आदतें कैसे अपनाएं

मितव्ययिता की आदत डालना अधिक कठिन नहीं है। कुछ सुझावों को अपनाकर बढ़ते खर्चों पर अंकुश लगाया जा सकता है। जैसे-

- हर महीने दो दिन "नो स्पेंड डे" रखें।
- ऑनलाइन खरीदारी से पहले 24 घंटे का नियम-पहले सोचें, फिर खरीदें।
- खर्च का विवरण लिखें-यह सबसे बड़ा आईना है।
- एक-दो वस्तुएं जोड़ने और मरम्मत करने की आदत विकसित करें।
- त्योहारों में उपहार की जगह मुलाकात और स्नेह को प्राथमिकता दें।
- डिजिटल जीवन में समय और मानसिक शांति के लिए सीमाएं तय करें।
- ये छोटे उपाय मन को हल्का तथा जीवन को व्यवस्थित बनाते हैं।
- आज की तेज रफ्तार जिंदगी में इन गुणों की सबसे ज्यादा आवश्यकता है। हम साधनों में आगे हैं, लेकिन सलीके में पीछे हो गए हैं। नई पीढ़ी को याद रखना चाहिए- पैसा बहुत हो, तो खुशहाली आती है, पर समझ न हो तो सब व्यर्थ हो जाता है।'

सर्दियों में डियो बेहतर या परफ्यूम

सर्दियों में डियो बेहतर है या परफ्यूम! यह सवाल अक्सर महिलाओं को दुविधा में डाल देता है। दोनों का उपयोग शरीर को महकाने के लिए किया जाता है, लेकिन उनके काम करने का तरीका, उद्देश्य और प्रभाव बिल्कुल अलग होते हैं। सर्दियों के ठंडे मौसम में, इन दोनों उत्पादों के बीच का अंतर और भी स्पष्ट हो जाता है। सर्दियों के लिए परफ्यूम (Perfume), डियो (Deodorant) से बेहतर है, क्योंकि इसकी खुशबू तेल (oil) की ज्यादा मात्रा के कारण गहरी, गर्म और लंबे समय तक टिकती है। यह ठंडे मौसम के लिए परफेक्ट है, जबकि डियो रोजमर्रा की ताजगी और पसीने की बदबू से बचाने के लिए अच्छा है, लेकिन इसकी खुशबू कम टिकती है। आप डियो से शुरुआत करके ऊपर से परफ्यूम लगाकर बेहतरीन असर पा सकती हैं।

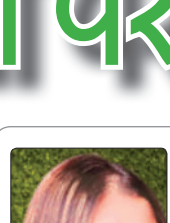

नूर हिना खान
लेखिका

परफ्यूम का परफेक्शन

परफ्यूम (Eau de Parfum) में तेल की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे खुशबू त्वचा पर ज्यादा देर टिकती है और ठंडे मौसम में बेहतर महसूस होती है। सर्दियों के लिए वुडी (woody), स्पाइसी (spicy) और एम्बी (ambery) नोट्स वाले परफ्यूम अच्छे होते हैं, जो ठंडी हवा में भी अपनी छाप छोड़ते हैं। परफ्यूम खास मौकों और शाम के लिए बढ़िया है, यह एक अच्छा प्रभाव छोड़ता है। सर्दियों में परफ्यूम अपनी पूरी क्षमता से काम करता है। ठंडा मौसम खुशबू के अणुओं को त्वचा के पास लंबे समय तक बनाए रखता है, जिससे खुशबू धीरे-धीरे और लगातार निकलती है। परफ्यूम में अक्सर इस्तेमाल होने वाले गहरे और गर्म नोट, जैसे वनिला, दालचीनी, कस्तूरी (musk), एंबर और लकड़ी के नोट (woody notes), सर्दियों के माहौल के साथ पूरी तरह मेल खाते हैं।

डियो की डिमांड

डियोडोरेंट का प्राथमिक उद्देश्य पसीने की गंध (body odour) को नियंत्रित करना है। हमारा शरीर पसीना पैदा करता है, जो खुद गंधहीन होता है, लेकिन जब यह त्वचा की सतह पर मौजूद बैक्टीरिया के संपर्क में आता है, तो बैक्टीरिया इसे तोड़ते हैं, जिससे एक अप्रिय गंध पैदा होती है। डियोडोरेंट इस प्रक्रिया को दो मुख्य तरीकों से रोकता है, डियो में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल एजेंट्स बैक्टीरिया की संख्या को कम करते हैं, जिससे गंध पैदा नहीं होती। दूसरा, इसमें हल्की सुगंध होती है, जो किसी भी संभावित गंध को मास्क करने में मदद करती है।

हाईजीन के लिए डियो की जरूरत

सर्दियों में पसीना कम आता है, इसलिए शरीर की गंध की समस्या गर्मियों जितनी गंभीर नहीं होती। व्यक्तिगत स्वच्छता (personal hygiene) के तौर पर डियो का उपयोग कर सकती हैं। यह दिन भर की ताजगी सुनिश्चित करता है, लेकिन गंध नियंत्रण से परे, सर्दियों में डियो की खुशबू बहुत हल्की होती है और ठंडी हवा में जल्दी उड़ जाती है, जिससे यह खुशबू के मामले में सीमित प्रभाव देता है।

परफ्यूम दे लंबा एहसास

परफ्यूम का प्राथमिक उद्देश्य एक सुखद और लंबे समय तक बनी रहने वाली खुशबू प्रदान करना है। डियो के विपरीत, यह गंध पैदा करने वाले बैक्टीरिया को लक्षित नहीं करता है। परफ्यूम की प्रभावशीलता मुख्य रूप से उसमें मौजूद खुशबू वाले तेलों (fragrance oils) की सांद्रता (concentration) पर निर्भर करती है। परफ्यूम की खुशबू न केवल लंबे समय तक चलती हैं (अक्सर 6 से 12 घंटे या उससे भी अधिक), बल्कि गर्माहट और आराम का अहसास भी कराती हैं।

डियो कब करें इस्तेमाल

यदि आपकी प्राथमिकता केवल शरीर की गंध को नियंत्रित करना और रोजमर्रा की ताजगी बनाए रखना है, तो डियो पर्याप्त है। अगर आप चाहती हैं कि आपके व्यक्तित्व की एक खास सुगंध हो, जो लंबे समय तक बनी रहे और मौसम के मिजाज से मेल खाए, तो परफ्यूम निस्संदेह बेहतर विकल्प है।

रोजाना ताजगी : डियो का मुख्य काम पसीने और बदबू को रोकना है, जो रोजाना के इस्तेमाल, वर्कआउट या कैजुअल आउटिंग के लिए अच्छा है।

पसीना नियंत्रण : इसमें एंटी-पर्सपिरेंट तत्व होते हैं, जो पसीने को कम करते हैं।

जरूरत के हिसाब से करें फैसला

सर्दियों में अपनी खुशबू को गहरा और लंबे समय तक बनाए रखने के लिए परफ्यूम चुनें और रोजाना ताजगी के लिए डियो का इस्तेमाल करें। इस तरह, आप गंध नियंत्रण और लंबे समय तक टिकने वाली, समृद्ध खुशबू, दोनों का लाभ उठा सकती हैं। सर्दियों में परफ्यूम अपनी स्थायित्व और गहरे नोट्स के कारण निश्चित रूप से चमकता है, लेकिन डियो व्यक्तिगत स्वच्छता का एक अनिवार्य हिस्सा बना रहता है। दोनों को मिलाकर आप सबसे अच्छा अनुभव पा सकती हैं।

दोनों का एक साथ उपयोग

- नहाने के बाद, अंडरआर्म्स पर डियो लगाएं ताकि गंध नियंत्रित रहे।
- शरीर के पल्स पॉइंट्स (कलाई, गर्दन, छाती) या कपड़ों पर अपना पसंदीदा परफ्यूम लगाएं।

खाना खजाना

अमरूद की सब्जी

अमरूद आमतौर पर फल के रूप में खाया जाता है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इससे बनने वाली सब्जी स्वाद और सेहत का अनोखा संगम है। अमरूद की सब्जी अपने खट्टे-मीठे स्वाद और हल्के मसालों की वजह से पारंपरिक रसोई में खास पहचान रखती है। कच्चे अमरूद से तैयार की जाने वाली यह सब्जी देखने में जितनी साधारण लगती है, स्वाद में उतनी ही लाजवाब होती है। इसमें अमरूद की प्राकृतिक खुशबू, मसालों की गर्माहट और गुड़ या चीनी की मिठास मिलकर एक अलग ही स्वाद रचते हैं। यह सब्जी न सिर्फ स्वाद के लिहाज से खास है, बल्कि पाचन के लिए भी लाभकारी मानी जाती है। अमरूद में मौजूद फाइबर और विटामिन-सी इसे स्वास्थ्यवर्धक बनाते हैं। बदलते खान-पान के दौर में अमरूद की सब्जी पारंपरिक स्वाद की याद दिलाती है और थाली में नयापन भी जोड़ती है।

मनीष कुमार सोलंकी
फूड ब्लॉगर

सामग्री

- अमरूद-500 ग्राम (4-5 मीडियम आकार के)
- टमाटर - 2-3
- हरी मिर्च - 1-2
- अदरक - 1 इंच लंबा टुकड़ा
- ताजा दही -चौथाई कप
- तेल - 2 टेबल स्पून
- जीरा - चौथाई छोटी चम्मच
- हींग - 1 पिंच
- हल्दी पाउडर -चौथाई छोटी चम्मच
- धनियां पाउडर - 1 छोटी चम्मच
- काली मिर्च - 8
- लौंग - 4
- दालचीनी - एक टुकड़ा
- बड़ी इलाइची - 2
- लाल मिर्च - 1-2 पिंच
- किशमिश और काजू - 10-10
- नमक - स्वादानुसार (2/3 छोटी चम्मच)
- चीनी - 2 छोटी चम्मच
- हरा धनियां - एक टेबल स्पून (बारीक कतरा हुआ)

बनाने की विधि

सब्जी बनाने के लिए अमरूद एकदम पके न हों, अमरूद थोड़े सख्त हो, तो ज्यादा अच्छा है। अमरूद को अच्छी तरह धोकर, पानी सुखा लीजिए। अमरूद को काटकर मीडियम आकार के टुकड़े कीजिए और बीज निकाल दीजिए। टमाटर धोइए, बड़े टुकड़ों में काट लीजिए। हरी मिर्च धोइए, डंठल तोड़िए। अदरक छिलिए, धोकर बड़े टुकड़ों में काट लीजिए। सारी चीजों को मिक्सर से बारीक पीस लीजिए। दही मिलाकर एक बार और मिक्सर में चला दीजिए। काली मिर्च, लौंग, दालचीनी और इलाइची छील कर मोटा कूट लीजिए। किशमिश के डंठल तोड़कर धो लीजिए, काजू को 2 टुकड़ों में काट लीजिए। कढ़ाई में तेल डालकर गरम कीजिए, गरम तेल में जीरा डालिए, जीरा भुन जाने पर हींग, कुटे मसाले, हल्दी पाउडर और धनियां पाउडर डालकर, बिल्कुल हल्का सा भूनिए, टमाटर दही का पेस्ट डालिए और मसाले को 2-3 मिनट या मसाले के दानेदार होने तक भूनिए, भुने मसाले में कटे अमरूद, लाल मिर्च पाउडर, चीनी, नमक, किशमिश और काजू डालिए और 1 मिनट चमचे से चलाते हुए भूनिए। सब्जी को ढककर धीमी आग पर 2-3 मिनट तक पका लीजिए, अब अमरूद नरम हो गए हैं। सब्जी में आवश्यकतानुसार या आधा कप पानी मिलाइए, उबाल आने के बाद और 2-3 मिनट तक धीमी आंच पर अमरूद की सब्जी को पकने दीजिए। अमरूद की सब्जी बन गई है, आग बंदकर दीजिए सब्जी में आधा हरा धनियां डालकर मिला दीजिए। अमरूद की सब्जी को प्याले में निकालिए, ऊपर से हरा धनियां डालकर सजाइए। गरमा-गरम अमरूद की सब्जी चपाती, परांठे के साथ परोसिए और खाइए।

न्यूज ब्रीफ

अवैध लाउडस्पीकर ध्वनि यंत्रों के विरुद्ध चलाया अभियान

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। थाना मोहाना पुलिस द्वारा धार्मिक स्थलों, सार्वजनिक स्थानों पर लगे अवैध लाउडस्पीकर, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के विरुद्ध चेकिंग अभियान चलाया गया। थाना मोहाना पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र के ग्राम तिलकहना में धार्मिक स्थलों की चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान मन्दिर-मस्जिद व सार्वजनिक स्थानों पर मानक के विपरीत पाये गये लाउडस्पीकर हटवाये गये। मानक के अंतर्गत ही लाउडस्पीकर लगाने की हिदायत दी गई। मानक से अधिक तेजी से बज रहे लाउडस्पीकर की आवाज कम कराने के साथ मानक अनुरूप रखने को कहा गया।

कार्यशाला 29 को

कुशीनगर, अमृत विचार :उपायुक्त उद्योग अभय कुमार सुमन ने संयुक्त महानिदेशक, विदेश व्यापार, वाराणसी के हवाले से अवगत कराया है कि जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र तथा निर्यात बंधु एक्सपोर्ट प्रमोशन आउटरीच प्रोग्राम एवं जागरूकता कार्यशाला का आयोजन जनपद कुशीनगर में 29 दिसंबर को सुनिश्चित किया गया है। आयोजन का मुख्य उद्देश्य उद्यमियों एवं निर्यातकों, कारीगरों, बुनकरों एवं शिल्पियों को निर्यात से संबंधित प्रक्रियाओं, अवसरों एवं योजनाओं के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें निर्यात संवर्धन एवं प्रोत्साहन के लिए एक प्रभावी मंच उपलब्ध कराना है। इसके माध्यम से निर्यात गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ-साथ उद्यमियों को इस क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

पेंशन व ग्रेच्युटी कोई दान नहीं, बल्कि अर्जित वैधानिक अधिकार

हाईकोर्ट ने कहा- अपने अधिकारियों या प्रबंधन की गलतियों का खामियाजा कर्मचारियों पर नहीं डाल सकता राज्य

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दशकों पुराने शिक्षा सेवा विवाद पर अहम और स्पष्ट फैसला सुनाते हुए कहा है कि प्रबंधन की आपसी लड़ाई, प्रशासनिक उदासीनता या वर्षों बाद की जांचों के आधार पर शिक्षकों को पेंशन, ग्रेच्युटी और वेतन एरियर से वंचित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि राज्य ने जिन शिक्षकों से वर्षों तक सेवा ली और वेतन दिया, उन्हें बाद में नियुक्ति पर संदेह जताकर अधिकारों से वंचित करना कानून, न्याय और समानता- तीनों के विरुद्ध है।

उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने बलिया स्थित एक जूनियर हाईस्कूल से जुड़े उन मामलों में की, जहां 1970 के दशक में नियुक्त शिक्षकों- सिंहासन शर्मा, राम कुमार राम और गिरजा शंकर पांडेय को लंबे समय तक सेवा देने के बावजूद सेवानिवृत्त लाभों से वंचित कर दिया गया था।

दरअसल वर्ष 1982 में संबंधित जूनियर हाईस्कूल की कमेटी ऑफ मैनेजमेंट दो प्रतिद्वंद्वी गुटों में बंट गई। दोनों गुटों ने अपने-अपने स्तर पर शिक्षकों की नियुक्तियां कीं,जिससे यह प्रश्न उठा कि किस समिति द्वारा की गई नियुक्तियां वैध हैं। इसी प्रबंधन विवाद के कारण शिक्षकों की सेवाएं और वेतन बार-बार संदेह के घेरे में लाए गए। कोर्ट ने रेखांकित किया कि सभी शिक्षकों की नियुक्तियां वर्ष 1972 में हुई थीं। सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा स्वीकृत भी थीं। संस्थान के अनुदानित होने के बाद उन्हें राज्य कोष से वर्षों तक वेतन दिया गया अर्थात शिक्षकों पर कभी भी धोखाधड़ी या फर्जी नियुक्ति का आरोप नहीं लगा। हाईकोर्ट ने यह भी नोट किया कि प्रबंधन विवाद और नियुक्तियों का प्रश्न 26 नवंबर 1998 के फैसले से अंतिम रूप से तय हो चुका था, जिसे वर्ष 2003 में विशेष अपील में बरकरार रखा गया और वर्ष 2007 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा एसएलपी खारिज कर अंतिम रूप से निर्णित किया गया। इसके बावजूद वर्ष 2014 में छात्रवृत्ति और मिड-डे मील से जुड़ी एक जनहित याचिका के दौरान हुई प्रशासनिक जांच के आधार पर 2015 में वेतन रोक दिया गया। जिसे कोर्ट ने न्यायालय की अवमानना बताया। कोर्ट ने प्रशासन के मनमाना और अवैध रवैये पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि जनहित याचिका से उपजी प्रशासनिक जांच न्यायिक निर्णयों को निष्प्रभावी नहीं कर सकती है। जब नियुक्तियां और वेतन का अधिकार पहले ही कोर्ट तय कर चुकी थी, तो शिक्षा विभाग के पास उसे दोबारा खोलने का कोई अधिकार नहीं था। पेंशन और ग्रेच्युटी कोई दान नहीं, बल्कि अर्जित वैधानिक अधिकार है। राज्य अपने ही अधिकारियों या प्रबंधन की चूकों का खामियाजा कर्मचारियों पर नहीं डाल सकता।

रिक्तियों की संख्या तय करना सरकार का नीतिगत क्षेत्राधिकार

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सिंचाई विभाग में सहायक अभियंता (सिविल) भर्ती से जुड़े विवाद का निस्तारण करते हुए न केवल राज्य सरकार के निर्णय को वैध ठहराया। बल्कि सेवा कानून से जुड़े कुछ अहम सिद्धांतों को भी स्पष्ट रूप से रेखांकित किया। इस संदर्भ में सत्य प्रकाश यादव और अन्य के साथ कई अन्य संबंधित अपीलों और याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता, न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति विकास बुधवार की खंड न्यायपीठ ने स्पष्ट किया कि रिक्तियों की संख्या निर्धारित करना राज्य के नीतिगत और प्रशासनिक क्षेत्राधिकार में आता है। राज्य, एक नियोक्ता के रूप में, परिस्थितियों और नियमों के अनुसार यह निर्णय ले सकता है कि वह विज्ञापित सभी पदों को भरेगा या नहीं। कोर्ट ने याचियों के इस तर्क कि विज्ञापन जारी हो जाने के बाद रिक्तियों की संख्या घटाई नहीं जा सकती, को भी अस्वीकार कर दिया। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि केवल चयनित हो जाना नियुक्ति का अविच्छिन्न या स्वाभाविक अधिकार नहीं देता। नियोक्ता के रूप में राज्य किसी भी चरण में पदों की संख्या में संशोधन कर सकता है। जब तक राज्य का निर्णय मनमाना या दुर्भावनापूर्ण सिद्ध न हो, उसमें न्यायिक हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं बनता। मामले के अनुसार उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने 24 दिसंबर 2013 को सहायक अभियंता (सिविल) सहित विभिन्न पदों के लिए विज्ञापन जारी किया था। इस विज्ञापन में सिंचाई विभाग के लिए 640 पद दर्शाए गए थे। ये पद वर्ष 2011-12 से 2015-16 तक की रिक्तियों को जोड़कर दिखाए गए थे, जिनमें कुछ भविष्य की संभावित रिक्तियां भी शामिल थीं। बाद में राज्य सरकार ने यह कहते हुए रुख बदला कि रिक्तियों की गणना में त्रुटि हो गई थी। सेवा नियमों और वास्तविक पद-स्थिति की समीक्षा के बाद सरकार ने निर्णय लिया कि विज्ञापन जारी होने वाले भर्ती वर्ष 2013-14 तक केवल 394 पद ही वास्तव में उपलब्ध थे, इसलिए चयन भी इन्हीं पदों तक सीमित किया जाएगा। राज्य सरकार के इस निर्णय के खिलाफ कई अभ्यर्थियों ने विशेष अपीलें और रिट याचिकाएं दाखिल कीं। कोर्ट ने भविष्य में अर्ह अभ्यर्थियों के हितों की रक्षा करते हुए निष्कर्ष दिया कि भविष्य की रिक्तियों को शामिल करना उन अभ्यर्थियों के अधिकारों का हनन होगा, जो अगले भर्ती वर्षों में पात्रता प्राप्त करेंगे और ऐसा करना संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 के तहत समान अवसर के सिद्धांत के विपरीत होगा। सरकारी आदेश या नीतिगत निर्णय वैधानिक सेवा नियमों को न तो बदल सकते हैं और न ही उनसे ऊपर हो सकते हैं। जब नियम 'भर्ती वर्ष' को सीमित करते हैं, तो प्रशासनिक आदेश के आधार पर उसका विस्तार नहीं किया जा सकता।

फर्द बरामदगी गिरफ्तारी के आधारों की लिखित सूचना को पर्याप्त : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फर्द बरामदगी के बाद गिरफ्तारी के नियमों को स्पष्ट किया है। कोर्ट के अनुसार यदि गिरफ्तारी के समय समकालीन रूप से तैयार विस्तृत फर्द बरामदगी मौजूद हो। जिसमें लागू दंडात्मक धाराओं का उल्लेख हो और जिस पर आरोपी के हस्ताक्षर हों, तो यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 22(1) के तहत गिरफ्तारी के आधारों को लिखित रूप में संप्रेषित करने की संवैधानिक आवश्यकता की पर्याप्त पूर्ति करता है। ऐसे में गिरफ्तारी ज्ञापन में कारणों का तकनीकी रूप से उल्लेख न होना घातक दोष नहीं, बल्कि मात्र प्रक्रियात्मक अनियमितता माना जाएगा। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि गिरफ्तारी ज्ञापन में तकनीकी चूक एक सुधार योग्य अनियमितता है, न कि एक घातक संवैधानिक दोष है। उक्त स्पष्टीकरण न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय और न्यायमूर्ति प्रमोद कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने नितिन कुमार सिंह द्वारा दाखिल आपराधिक याचिका खारिज करते हुए किया। कोर्ट ने कहा कि न्यायपालिका को रूप के बजाय सार को प्राथमिकता देनी चाहिए, विशेषकर जब अभियुक्त को उसकी हिरासत के कारणों की वास्तविक और स्पष्ट जानकारी थी। याची के अधिवक्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि मोनाड विश्वविद्यालय में फर्जी डिग्रियों के एक बड़े रैकेट से जुड़े मामले में याची की गिरफ्तारी अवैध और प्रारंभ से ही अमान्य थी।

दूसरी जमानत याचिका पर सीधे विचार कर सकता है हाईकोर्ट

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जमानत कानून से जुड़े एक महत्वपूर्ण प्रश्न को स्पष्ट करते हुए कहा कि दूसरी या क्रमिक जमानत याचिका पर उच्च न्यायालय मुकदमे के दौरान सामने आई नई सामग्री और साक्ष्यों के आधार पर सीधे विचार कर सकता है। भले ही ऐसी सामग्री पहली जमानत याचिका खारिज किए जाने के समय सत्र न्यायालय या हाईकोर्ट के समक्ष उपलब्ध न रही हो। कोर्ट ने कहा कि यद्यपि स्थापित प्रथा के अनुसार अक्सर आरोपी को पहले सत्र न्यायालय में जाना पड़ता है, लेकिन सीआरपीसी की धारा 439 (अब बीएनएसएस की धारा 483) के तहत कोई वैधानिक रोक नहीं है, जो उच्च न्यायालय को नए साक्ष्यों के आधार पर जमानत याचिकाओं पर सीधे विचार करने से रोकती हो। उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकलपीठ ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत पुलिस स्टेशन मंडावर बिजनौर में आरोपी टीकम के खिलाफ दर्ज मामले में जमानत देते हुए पारित किया। कोर्ट के समक्ष यह प्रश्न था कि जब सत्र न्यायालय ने केस डायरी में उपलब्ध सामग्री के आधार पर जमानत याचिका खारिज कर दी हो, तो क्या बाद में मुकदमे के दौरान एकत्र साक्ष्यों के आधार पर उच्च न्यायालय दूसरी जमानत याचिका पर सीधे विचार कर सकता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालय और सत्र न्यायालय की जमानत देने की शक्तियां समवर्ती हैं और कानून में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जो आरोपी को उच्च न्यायालय में आने से पहले अनिवार्य रूप से सत्र न्यायालय जाने के लिए बाध्य करे। हालांकि कोर्ट ने यह भी कहा कि उचित मामलों में हाईकोर्ट आरोपी को सत्र न्यायालय के समक्ष जमानत याचिका दाखिल करने का निर्देश दे सकता है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के कमल उर्फ कमल चौधरी बनाम मध्य प्रदेश राज्य मामले का हवाला देते हुए कहा कि यदि मुकदमे की सुनवाई के दौरान नए तथ्य या साक्ष्य, जैसे गवाहों के बयान सामने आते हैं, तो आरोपी को दोबारा सत्र न्यायालय जाने की बाध्यता नहीं है।

शिकायतों का समय से गुणवत्तापरक हो निस्तारण

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

तहसील बांसी में जनता की समस्याएं सुनते डीएम शिवशरणप्पा जीएन।

अमृत विचार। शनिवार को सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील बांसी में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन की उपस्थिति में सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

जिलाधिकारी द्वारा तहसील समाधान दिवस में निर्देश दिया कि भूमि से संबधित विवाद मौके पर जाकर निरीक्षण कर निस्तारण कराये। तहसील समाधान दिवस में प्राप्त हो रही शिकायतों एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ ही शिकायतकर्ता एवं विपक्षी दोनों के समक्ष जांच कर कार्यवाही किया जाये। जिलाधिकारी ने कानूनगो एवं लेखपालों को निर्देश दिया कि भूमि संपत्ति रजिस्टर एवं भूमि विवाद रजिस्टर अवश्य बना ले। किसी भी विभाग का तहसील दिवस का कोई भी प्रकरण लम्बित नही होना चाहिए यदि किसी भी विभाग का प्रकरण लम्बित पाया जायेगा तो सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। लेखपाल एवं कानूनगो मौके पर जाकर शिकायत के निस्तारण से पूर्व निरीक्षण कर उसके बाद की आख्या लगाएंगे। लमुई ताल के हलका लेखपाल राजाराम द्वारा वरासत के प्रकरण में पैसा मांगने का आरोप तथा तहसील दिवस में बिना अनुमति के अनुपस्थित रहने के कारण उपजिलाधिकारी को लेखपाल राजाराम को निलम्बित करने का निर्देश दिया। तहसील समाधान दिवस में कुल 48 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए जिसमें राजस्व-30, पुलिस विभाग से सम्बन्धित-05, नगर पालिका-10, पूर्ति-02 तथा बाल विकास विभाग-01 प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत हुए। राजस्व के 05 प्रार्थना-पत्रों का मौके पर निस्तारण करा दिया गया।

अधिकारियों ने अलाव जलने का लिया जायजा

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। बढ़ती कड़ाके की ठण्ड और शीतलहर को देखते हुए उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़. विवेकानन्द मिश्रा व तहसीलदार प्रकाश सिंह द्वारा तहसील शोहरतगढ़ के आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़. सहित तमाम चौराहों पर अलाव जलने का निरीक्षण किया। बता दें कि शुक्रवार रात एसडीएम विवेकानन्द मिश्रा ने नगर पंचायत शोहरतगढ़ तिरंगा तिराहा व तहसीलदार प्रकाश सिंह ने ढेबरुआ तिराहे, तुलसियापर चौराहे सहित तहसील क्षेत्र के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रैन बसेरों की व्यवस्थाओं को परखा और प्रमुख चौराहों पर जल रहे अलाव की स्थिति का जायजा लिया।

94 में से 11 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

संवाददाता कुशीनगर

समाधान दिवस में जन समस्याएं सुनते डीएम महेन्द सिंह तंवर व एसपी केशव कुमार।

अमृत विचार: जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक केशव कुमार की उपस्थिति में खड्डा तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों से संबंधित प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों की गहन समीक्षा करते हुए यथासंभव मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया तथा शेष मामलों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 94 शिकायती पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 11 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष 83 मामलों को संबंधित विभागों को निर्धारित समय सीमा में निस्तारित करने हेतु सौंपा गया।

विभागवार विवरण में राजस्व विभाग से प्राप्त 38 शिकायतों में से 6 का मौके पर निस्तारण किया गया। वहीं पुलिस विभाग से 16, पुलिस व राजस्व के संयुक्त 7 तथा विकास विभाग से 9 शिकायतों में तत्काल निस्तारण संभव नहीं हो सका। इसके अतिरिक्त अन्य विभागों से प्राप्त 24 शिकायतों में से 5 का निस्तारण मौके पर किया गया, शेष मामलों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा शीतलहर से प्रभावित गरीब एवं असहाय व्यक्तियों के बीच कंबल वितरण किया गया।

बालिका से दुष्कर्म में दोषी को 20 वर्ष का कारावास

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचार: जिले के अहिरौली बाजार थाना क्षेत्र में एक 6 साल की मासूम बच्ची को दरिंदगी का शिकार बनाया गया था। तारीख थी 19 फरवरी 2021। आरोपी शिवा उर्फ शिवा साहनी बहला-फुसलाकर घर से दूर सरसों के खेत में बच्ची को ले जाकर दुष्कर्म किया। मासूम ने चीखने की कोशिश की, तो उसकी आवाज दबा निर्ममता की गई। घटना के बाद हड़कंप मच गया। पुलिस हरकत में आई एफआईआर दर्ज हुई। विवेचना चली और आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट और मारपीट की धाराओं में चार्जशीट दाखिल की गई।

मामला विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट, कुशीनगर की अदालत में था लंबी कानूनी लड़ाई व अभियोजन की ओर से 10 गवाह पेश किए गए।दस्तावेज़, मेडिकल रिपोर्ट और साक्ष्य को देख विशेष न्यायाधीश दिनेश कुमार ने आरोपी को 20 वर्ष के सश्रम कारावास 2 लाख 50 हजार 500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। इतना ही नहीं, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि पूरी अर्थदंड राशि पीड़िता के माता-पिता को प्रतिकर के रूप में दी जाएगी। ताकि बच्ची के इलाज और पुनर्वास में कोई कमी न रहे। आरोपी को देवरिया जेल से पेशी पर लाया गया था फैसला के बाद फिर से जेल भेज दिया गया।

गांव में साफ-सफाई न होने से लोगों में आक्रोश

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विकास क्षेत्र नौगढ़ के शाह गांव के प्राथमिक स्कूल परिसर में जांच के लिए पहुंचे अपर डीपीआरओ राजेश सिंह को ग्रामीणों ने घेर लिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उनके गांव में तैनात सफाई कर्मचारी प्रकाश को गांव की सफाई के बजाय अधिकारी की निजी गाड़ी चलाने में लगाया गया है। जिसके कारण पिछले एक बर्ष से गांव की सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप पड़ी है। ग्रामीणों का बताया कि सिरवत गांव में गन्दगी का अंबार लगा है। नालियां जाम हैं और कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने अपर डीपीआरओ से सीधे सवाल किया कि किस नियम के तहत गांव के सफाई कर्मचारी से अधिकारी की गाड़ी चलवाई जा रही है।

हिंदू सम्मेलन के लिए घर-घर किया जनसंपर्क

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

हिंदू सम्मेलन का आमंत्रण देते लोग। अमृत विचार

अमृत विचार। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आगामी 23 दिसंबर को डुमरियागंज स्थित राजकीय कन्या इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित होने वाले हिंदू सम्मेलन को लेकर शनिवार को डुमरियागंज कस्बे में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं एवं संघ से जुड़े लोगों ने घर-घर पहुंचकर हिंदू जनमानस को सम्मेलन में शामिल होने का आमंत्रण दिया।

- 23 को डुमरियागंज में आयोजित किया जाएगा सम्मेलन

जनसंपर्क के दौरान कार्यकर्ताओं ने लोगों को हिंदू सम्मेलन के उद्देश्य और कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने की अपील की। उन्होंने बताया कि यह सम्मेलन सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्र निर्माण के मूल्यों को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि 23 दिसंबर को राजकीय कन्या इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित होने वाला यह सम्मेलन क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक आयोजन होगा, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्र प्रचारक अनिल सम्मलित होंगे, वही बड़ी संख्या में श्रद्धालु, सामाजिक कार्यकर्ता एवं प्रबुद्धजन शामिल होंगे। इस दौरान मधुसूदन अग्रहरि, लवकुश ओझा, चंद्र प्रकाश वर्मा, अमरेंद्र त्रिपाठी, रमेश सोनी, दिलीप उर्फ छोटे पाण्डेय, प्रेम पाण्डेय, धर्मेश पाण्डेय, अजय अग्रहरि, गणेश विश्वकर्मा, अभिषेक युवराज, कन्हैया आदि मौजूद रहे।

दिव्यांग की गला रेतकर की हत्या, शव जलाया

पटरंगा, अयोध्या

अमृत विचार : पटरंगा थाना क्षेत्र के मुरादाबाद गांव में जाने वाली सड़क के किनारे शनिवार सुबह ग्रामीणों ने एक दिव्यांग का अधजला शव देखा। घटनास्थल पर चारों ओर खून फैला हुआ था। मृतक के गले पर धारदार हथियार के निशान थे, पास ही उसका कृत्रिम पैर भी पड़ा हुआ था। पुलिस के अनुसार हत्या करने के बाद शव को पुवाल से जलाने का प्रयास किया गया।

ग्रामीणों की सूचना पर एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी, सीओ रुदौली आशीष निगम, थाना प्रभारी पटरंगा शशिकांत यादव व फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य संकलन किया। प्रथम दृष्टया मृतक की उम्र 25 वर्ष के आसपास लग रही है। वह एक पैर से दिव्यांग था। जांच में मृतक का गला आधा कटा हुआ था, जिससे खून आसपास फैला हुआ था। शव की पहचान मिटाने के लिए हत्यारों ने पुवाल का प्रयोग किया था, आसपास की घास भी जली हुई थी। साथ ही घटनास्थल से पुवाल का एक ढेर व जला हुआ मोबाइल फोन, कलाई घड़ी, तीन लाइटर व जला हुआ कपड़ा मिला। आग से पूरा शरीर नहीं जल पाया था, कमर से ऊपर का भाग बच गया जबकि नीचे का जल गया था। शव की शिनाख्त के लिए पुलिस ने स्थानीय व आसपास के लोगों से पूछताछ की लेकिन कुछ पता नहीं चला।

दुस्साहस | कटरा बाजार में स्थित मंदिर में घुसकर युवक ने घटन को दिया अंजाम

राम जानकी की अष्टधातु की मूर्तियां चोरी

संवाददाता, कटरा बाजार, गोंडा

जांच करती पुलिस और जुटे ग्रामीण। अमृत विचार

अमृत विचार। थाना क्षेत्र की पहाड़ापुर चौकी से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित राम जानकी मंदिर में शनिवार शाम चोरों ने अष्टधातु की मूर्ति चोरी कर ली। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मूर्तियों की कीमत करोड़ों में बताई जा रही है।

मंदिर के संरक्षक हरिशंकर मिश्र ने बताया कि शनिवार शाम करीब पांच बजे पूजा-अर्चना के लिए मंदिर खोला गया था। इसी दौरान मंदिर के सामने एक ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी कर पड़ोस में ईंट उतारी जा रही थी। उसी समय बाइक से दो युवक वहां पहुंचे, जिनमें से एक युवक मंदिर के भीतर घुसा और मूर्ति चोरी कर मंदिर के दक्षिण दिशा की ओर फरार हो गया। घटना को पास खड़ी एक बच्ची ने देख लिया, जिसके बाद गांव में शोर मच गया। ग्रामीणों द्वारा मंदिर में जाकर देखने पर पता चला कि पत्थर की भगवान राम की प्रतिमा तथा अष्टधातु की माता सीता की मूर्ति चोरी हो चुकी है।

गांव निवासी मनोज कुमार शुक्ल ने बताया कि यह मंदिर करीब सौ वर्ष पुराना है, जिसकी स्थापना 23 मार्च 1909 को हुई थी। चोरी गई अष्टधातु की मूर्ति की कीमत करोड़ों रुपये आंकी जा रही है। प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। घटना स्थल पर पुलिस बल मौजूद है।

> प्रथम दृष्टया मृतक की हत्या कर शव को जलाने का प्रयास करने का लग रहा है। मृतक की उम्र 25 वर्ष के आसपास लग रही है। उसका एक पैर पहले ही कटा हुआ था, इसके चलते वह कृत्रिम पैर का इस्तेमाल करता था। बगल में उसका जला मोबाइल फोन भी पड़ा हुआ मिला है। शव की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है।
>
> -आशीष निगम, सीओ रुदौली

मनरेगा में जमकर हो रहा फर्जी हाजिरी खेल

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जनपद में मनरेगा योजना अब रोजगार नहीं, बल्कि कागजी हाजिरी और तयशुदा भुगतान का मॉडल बन गई है। प्राप्त खबर के अनुसार बताया जाता है कि विकास खण्ड बढ़नी के ग्राम गडरखा में सामने आया मामला अब केवल एक गांव तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे जिले में चल रहे मनरेगा भ्रष्टाचार की तस्वीर उजागर करता है। यहां एक ही कार्य पर पहले 222 और अब 137 मजदूरों की हाजिरी दिखाकर कागजी काम पूरे किये जा रहे हैं, जबकि जमीन पर न तो मजदूर दिखते हैं और न ही कोई कार्य हो रहा है। ग्राम पंचायत गडरखा की तस्वीर साफ बताती है कि मनरेगा का संचालन अब जमीनी जरूरतों पर नहीं, बल्कि फाइलों की सुविधा के हिसाब से किया जा रहा है।

पूर्वोत्तर रेलवे का 'रेल मंत्री राजभाषा ट्रॉफी' पुरस्कार के लिए हुआ चयन

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे को वर्ष 2024 के दौरान हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु रेल मंत्रालय द्वारा द्वितीय पुरस्कार 'रेल मंत्री राजभाषा ट्रॉफी' तथा वाराणसी मंडल को वर्ष-2024 हेतु आदर्श मंडल के रूप में चयनित किया गया है। अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, रेलवे बोर्ड द्वारा 26 दिसम्बर, 2025 को रेल भवन, नई दिल्ली के कन्फ्रेंस हाल में होने वाली रेलवे बोर्ड कार्यान्वयन समिति की बैठक में यह पुरस्कार पूर्वोत्तर रेलवे को प्रदान किया जायेगा। महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने इस उपलब्धि के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी है। रेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यालयों/उत्पादन इकाइयों/मंडलो/स्टेशनों/कारखानों/उपक्रमों तथा केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थानों को रेल मंत्री राजभाषा शील्ड/ट्रॉफी तथा चल वैजयंती पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

'संडेज ऑन साइकिल' का आयोजन

गोरखपुर, अमृत विचार। फिट इंडिया अभियान को गति प्रदान करने के उद्देश्य से ' संडेज ऑन साइकिल' दिसम्बर, 2024 को शुरू किया गया था, इसके एक वर्ष पूर्ण होने पर रविवार (21 दिसम्बर) को ' संडेज ऑन साइकिल ' का आयोजन किया जायेगा। इसी कड़ी में पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) के तत्त्वावधान में 21 दिसम्बर, 2025 को प्रात : 06 .30 बजे सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में ' संडेज ऑन साइकिल' का आयोजन कर ' ' फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज' ' का संदेश दिया जायेगा। इस आयोजन में राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के कोच, खिलाड़ी, स्थानीय खिलाड़ी, रेलवे अधिकारी एवं कर्मचारी भाग लेंगे।

माघ मेला के लिए प्रतिदिन 2 अनारक्षित रिंग रेल सेवा

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा प्रयागराज में लगने वाले माघ मेला के अवसर पर श्रद्धालु यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये 1 जनवरी से 17 फरवरी, 2025 तक प्रतिदिन 02 अनारक्षित रिंग रेल सेवा चलाये जाने का निर्णय लिया गया है।

अमृत विचार

रविवार, 21 दिसंबर 2025

तूं तूं करता तूं भया, मुझ मैं रही न हूं।
वारी फेरी बलि गई, जित देखौं तित तूं॥

कबीर दास कहते हैं, मन कह रहा है कि 'तू है' 'तू है'। यह कहते-कहते मेरा अहंकार समाप्त हो गया। इस तरह भगवान पर न्योछावर होते-होते मैं पूरी तरह समर्पित हो गया। अब तो जिधर देखता हूं, उधर तू ही दिखाई देता है।

लोक मंगल का उपकरण थी प्राचीन भारतीय राजनीति

अभिलाषाएं अनंत हैं। सबसे बड़ी अभिलाषा आनंद प्राप्ति है, लेकिन संसार दुखमय है। मनुष्य प्राचीन काल से ही सुखी देश में रहना चाहता है। वेदों में आदर्श राष्ट्र की सुंदर अभिलाषाएं हैं। आधुनिक राजनीति निंदित क्षेत्र है। संसदीय राजनीति का भाषा शास्त्र ही कर्कश और बहुधा अश्लील है। यहां आरोप हैं, प्रत्यारोप हैं, जाति, क्षेत्र, मजहब, पंथ के उन्माद हैं, लेकिन प्राचीन भारतीय राजनीति लोक मंगल का उपकरण थी। कुछेक विद्वान लोकतंत्र को यूरोपीय परंपरा की देन मानते हैं। यूरोपीय जनतंत्र और संसद की कल्पनाएं 13वीं सदी के बाद की हैं, लेकिन भारत में राजधर्म और नीतिशास्त्र का विकास ईसा पूर्व कम से कम 6-7 हजार वर्ष पहले ही शुरू हो गया था। कौटिल्य का अर्थशास्त्र ईसापूर्व लगभग 340 वर्ष में माना जाता है। मौर्यकाल और कौटिल्य ज्ञात इतिहास में हैं। 'अर्थशास्त्र' के रचनाकाल में राजनीति पर ढेर सारे विचार प्रचलित थे। कौटिल्य के अर्थशास्त्र (वाचस्पति गौरौला के भाष्य) में बृहस्पति, शुक्राचार्य, भारद्वाज, पाराशर, चारायण, नारद आदि पूर्ववत विचारकों का उल्लेख किया गया है। शुक्र नीति में राज्य व्यवस्था का खूबसूरत विवरण है। मसलन 'राजा बहुमत के अनुसार कार्य करे- कुर्याद् बहुसंमतम्' (अध्याय 1) शुक्र नीति में योग्यता को ही नियुक्ति का आधार माना गया है, 'कर्मियों की नियुक्ति, पदोन्नति योग्यता और काम के आधार पर करे, जाति या कुल के आधार पर नहीं।'

> ऋग्वेद (9.113.10 तथा 9.113.11) में प्रार्थना है, 'जहां सारी कामनाएं पूरी होती हों- यत्र सत्यस्य परमं निधानं तत्र मा सोमामृतं कृधि। यत्र स्थिरं सुखं चास्ति तत्र मा अमृतं कृधि। जहां तृप्ति दायक अन्न हो। हे देवों आप वही स्थायित्व दें। अमृतत्व दें। जहां आनंद, मोद, मुद व प्रमोद हैं। यत्रा नंदास च मोदाश्च मुद प्रमोद आसते। जहां कामनाएं तृप्त होती हैं। आप वहां अमृत दें। इस सबके लिए एक आदर्श राज्य व्यवस्था चाहिए। आदर्श राज्य व्यवस्था के अभाव में राष्ट्र सुखी नहीं होते।

शुक्र नीति में मोहित करने वाली राजनीतिक संरचना है। यहां सेना के अंगों, पदों के भी नाम व विवरण हैं। प्रधानमंत्री, मंत्री, सचिव, अमात्य व पुरोहित के वेतन सुस्पष्ट रखने के निर्देश हैं।' (अध्याय 2) राजा को निर्देश है कि वृक्षारोपण की चिंता करे। गांव में गांव के लिए उपयोगी वृक्ष और वनों में जंगली वृक्ष लगाए। (अध्याय 4) राजा को प्रतिदिन के चैबीस घंटों का समय विभाजन करना चाहिए। आय-व्यय की प्रतिदिन जांच जरूरी है। राजा स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम करे। (अध्याय 1) अधिकारियों को एक ही स्थान पर न रखने और स्थानांतरण के भी निर्देश हैं। (अध्याय 2)

कौटिल्य ने अर्थशास्त्र की शुरुआत में ही शुक्राचार्य व बृहस्पति को नमस्कार किया है। उन्होंने वाद-विवाद के अवसर के लिए शुक्राचार्य के मत का उल्लेख किया है। शुक्र नीति ऐतिहासिक रचना है। गुस्ताव ओपर्ट ने इस ग्रंथ पर काफी श्रम किया है। उनके विवेचन में यह ईसा पूर्व की रचना है। मूलभूत विषय है, राजनीति की विषय वस्तु और लोकतंत्र। इस विषय सामग्री का आधार कौटिल्य हैं। शुक्राचार्य हैं। यथार्थवादी दर्शन है। यहां समग्र लोक को मधुमय बनाने वाली राजनीति थी।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

ऋग्वेद (9.113.10 तथा 9.113.11) में प्रार्थना है, 'जहां सारी कामनाएं पूरी होती हों- यत्र सत्यस्य परमं निधानं तत्र मा सोमामृतं कृधि। यत्र स्थिरं सुखं चास्ति तत्र मा अमृतं कृधि। जहां तृप्ति दायक अन्न हो। हे देवों आप वही स्थायित्व दें। अमृतत्व दें। जहां आनंद, मोद, मुद व प्रमोद हैं। यत्रा नंदास च मोदाश्च मुद प्रमोद आसते। जहां कामनाएं तृप्त होती हैं। आप वहां अमृत दें। इस सबके लिए एक आदर्श राज्य व्यवस्था चाहिए। आदर्श राजव्यवस्था के अभाव में राष्ट्र सुखी नहीं होते। इसी प्रार्थना में कहते हैं, 'जहां विवश्वान का पुत्र राजा है। जहां विशाल नदियां बहती हैं। जहां आनंद का द्वार है। आप हमें वहां स्थायित्व दें।' स्तुति है, 'जहां सूर्य का अखंड तेज प्राप्त होता है, उसी क्षेत्र में मुझे अमृतत्व दें।' सारी कामनाएं स्वाभाविक हैं, भौतिक हैं, लेकिन एक सुंदर राजव्यवस्था की आवश्यकता की बात महत्वपूर्ण है।

आदिम काल में न राजा था और न ही राज्य। अथर्ववेद में राज्य व्यवस्था के जन्म और विकास की सुंदर यात्रा है, 'पहले राज्यरहित राजा के विकास का सुंदर उल्लेख है, 'पहले राज्य रहित राजा की दशा थी फिर विकास हुआ। परिवार संस्था आई। फिर विकास हुआ और आह्वनीय दशा आई। इसके बाद विचार-विमर्श बढ़े। फिर दक्षिणाग्नि दशा आई। यहां दक्ष विशेषज्ञ दशा का अर्थ है, कुशल लोगों का नेतृत्व मिलना। विकास होता रहा। इसी के विकास से समिति बनी। यह राजा को पदासीन करती थी और पद से हटाती भी थी। वेदों में उल्लेख है, 'राजा समिति में जाता है।' अर्थात राजा निरंकुश नहीं है। वह समिति के प्रति उत्तरदाई है।

आधुनिक काल में ज्यादातर राजव्यवस्थाएं किसी न किसी रूप में लोकतांत्रिक हो गई हैं। अमेरिकी राज्य व्यवस्था में राष्ट्रपति की प्रभुता है। रूस में राष्ट्रपति का वर्चस्व है। ब्रिटेन में संसद की प्रभुता है। भारत में संविधान की सर्वोपरिता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान का बहुत महत्व है। विचार आधारित पार्टियां चुनाव के दौरान अपने पक्ष में वातावरण बनाती हैं। राजनीतिक दल चुनाव में अपने प्रत्याशी खड़े करते हैं। किसी भी राजनीतिक दल के लिए संगठन बनाना जरूरी है। कार्यकर्ता आधारित संगठन पार्टी के पक्ष में लोकमत बनाते हैं। सारी दुनिया में राष्ट्रवादी संगठन हैं।

भारत का स्वाधीनता संग्राम भी राष्ट्रवादी था। आज कथित सेकुलरवादी संगठन और व्यक्ति हिंदुत्व को सांप्रदायिक बताते हैं, लेकिन स्वाधीनता संग्राम के प्रमुख योद्धा महात्मा गांधी ने लिखा था कि मुझसे हिंदुत्व निकाल दो, तो मेरे पास कुछ नहीं बचेगा।' स्वाधीनता संग्राम के आगे पीछे कांग्रेस राष्ट्रवादी संगठन भी थी। संगठन अपरिहार्य है। वामपंथी भी संगठन की महत्ता जानते थे। स्वाधीनता के बाद सांप्रदायिकता चरम पर थी। भारत विभाजन हो चुका था। पाकिस्तान सांप्रदायिक आधार पर बंट गया था। धीरे-धीरे संगठन का तेज घटा। पंडित नेहरू के नेतृत्व में सरकार तो थी, लेकिन संगठन नहीं था।

1951 में भारतीय जनसंघ का जन्म हुआ। इसका सांगठनिक ढांचा धीरे-धीरे मजबूत हो रहा था। संगठन के चुनाव होते थे। संगठन आंतरिक लोकतंत्र से समृद्ध था। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने अनावश्यक रूप से आपातकाल (1975) लगाया। जनसंघ सहित सभी दलों के कार्यकर्ता जेलों में भेज दिए गए। आपातकाल हटाने के बाद 1977 में संगठन कांग्रेस, सोशलिस्ट और लोकदल तथा भारतीय जनसंघ ने मिलकर जनता पार्टी बनाई। उच्च उद्देश्यों से सशक्त होने के बावजूद जनता पार्टी के पास संगठन का ढांचा नहीं था। जनसंघ घटक के लोगों पर दोहरी सदस्यता के आरोप लगे। जनता पार्टी टूट गई।

कांग्रेस कई दफा टूटी। पहली टूट में एक धड़ा कांग्रेस (ओ) और दूसरा कांग्रेस (आई) कहलाया। कांग्रेस की टूट से ही तृणमूल कांग्रेस बंगाल में व राष्ट्रवादी कांग्रेस महाराष्ट्र में बनी। जनता दल बेमेल संगठन टूटा। एक धड़ा जनता दल एस व एक धड़ा जनता दल यू हो गया। अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी बनी। भाजपा के संगठन पर कई विदेशी भारतीय विद्वानों ने शोध किया है और आश्चर्य व्यक्त किया है कि भारत जैसे विशाल देश में ऐसा मजबूत संगठन विचारणीय है।

पिछले सप्ताह भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव संपन्न हुआ है। बिहार के नितिन नवीन निर्विरोध राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष चुने गए हैं। इसी प्रकार देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष का निर्वाचन संपन्न हुआ। पंकज चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। साधारण प्रकृति के असाधारण राजनेता पंकज चौधरी ने एक आदर्श सांसद की भूमिका का निर्वाहन भी किया है। चौधरी सात बार के सांसद हैं। एक ही पार्टी के टिकट पर बिना क्षेत्र बदले सात बार सांसद होना आश्चर्यजनक है।

निवेशकों को सुरक्षा देगा सेबी का नया प्रस्ताव

लॉकडाउन के दौरान लोगों का रुझान शेयर बाजार, म्युचुअल फंड और अन्य निवेश साधनों की ओर तेजी से बढ़ा। इसी बढ़ते रुझान का फायदा उठाते हुए अनगिनत संख्या में गैर-पंजीकृत लोग खुद को निवेश सलाहकार बताकर सोशल मीडिया पर सक्रिय हो गए और निवेशकों से मोटी फीस वसूलने लगे। जाने-अनजाने लाखों की संख्या में निवेशक ऐसे लोगों के झांसे में आकर अपनी मेहनत की कमाई निवेश कर देते हैं। बाद में अपनी समस्त पूंजी गंवा बैठते हैं। कई मामलों में निवेशकों को न तो सही जानकारी मिलती है और न ही नुकसान होने पर कोई कानूनी सहारा मिलता है। ऐसे में सेबी का यह कदम निवेशकों के हित में एक जरूरी पहल माना जा रहा है।

धनीश शर्मा
लेखक

सेबी एक्ट, 1992 के तहत निवेशकों की सुरक्षा और बाज़ार में पारदर्शिता बनाए रखने का अधिकार सेबी को प्राप्त है। इसी कानून के तहत सेबी समय-समय पर ऐसे कदम उठाती है, जिससे निवेशकों के हितों की रक्षा की जा सके और पूंजी बाजार को सुरक्षित बनाया जा सके। सोशल मीडिया पर निवेशकों को सलाह देते नजर आ रहे सलाहकारों पर अब सेबी जल्द ही शिकंजा कसने जा रही है। इसके तहत सेबी ने प्रस्ताव दिया है कि उसके नियंत्रण में आने वाली सभी संस्थाएं और उनके एजेंट, अपने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के होम पेज पर अपना पंजीकृत नाम और पंजीकरण संख्या स्पष्ट रूप से दिखाएं, जिससे निवेशकों में किसी तरह का भ्रम न फैले। इसके अलावा हर वीडियो या कंटेंट के साथ भी यह जानकारी निवेशकों के साथ साझा करनी होगी।

> सोशल मीडिया पर निवेशकों को सलाह देते नजर आ रहे सलाहकारों पर सेबी जल्द ही शिकंजा कसने वाली है। सेबी ने कहा है कि उसके नियंत्रण में आने वाली सभी संस्थाएं और उनके एजेंट, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर अपना पंजीकृत नाम और पंजीकरण संख्या स्पष्ट रूप से दिखाएं।

सेबी का यह प्रस्ताव इसलिए भी अहम है, क्योंकि सोशल मीडिया पर नियमित और गैर-पंजीकृत लोगों का निवेश से जुड़ा कंटेंट बड़ी संख्या में मौजूद है, जिसे देखकर निवेशक आसानी से गुमराह हो रहे हैं। सोशल मीडिया की आड़ में अनगिनत गैर-पंजीकृत लोग तरह-तरह के वीडियो बनाकर निवेशकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं, जिनमें कई फिनफ्लुएंसर भी शामिल हैं। फिनफ्लुएंसर वे लोग हैं, जो सोशल मीडिया पर निवेश, शेयर बाजार, म्युचुअल फंड और अन्य वित्तीय साधनों के बारे में सलाह देते हैं। कुछ फिनफ्लुएंसर वैध और पंजीकृत होते हैं, लेकिन कई गैर-पंजीकृत और भ्रामक जानकारी देने वाले लोग झूठे मुनाफे का लालच देकर निवेशकों को गुमराह कर रहे हैं। इन लुभावने वीडियो के ज़रिये निवेशकों को फंसाया जाता है और वे आसानी से इनके मकड़जाल में आ जाते हैं।

सोशल मीडिया पर सक्रिय सलाहकारों के बीच गैर-पंजीकृत लोगों की बढ़ती मौजूदगी निवेशकों के लिए बड़ा खतरा बनती जा रही है। सेबी का उद्देश्य सोशल मीडिया पर उन गैर-पंजीकृत लोगों को रोकना है, जो भ्रामक जानकारी निवेशकों के सामने परोसकर उन्हें गुमराह करते हैं, हालांकि यह भी कहा जा सकता है कि सेबी को यह कदम काफी पहले ही उठा लेना चाहिए था, लेकिन देर आयद दुरुस्त आयद वाली कहावत यहां पूरी तरह चरितार्थ होती है।

खर मास पौष में करें भगवान की स्तुति

खर मास के दौरान प्रायः पौष मास पड़ता है। कथा है कि भगवान सूर्य के अश्वों (घोड़ों) को प्यास लगी थी, वे पानी पीना चाहते थे। भगवान सूर्य नारायण की अनुमति से पृथ्वी पर आकर सभी घोड़े एक माह तक पानी पीते रहे। इस अवधि में घोड़ों की जगह खर (गर्दभ/गधे) पर सूर्य भगवान बैठ गए। एक माह बाद जब घोड़े लौटे तब पुनः सूर्य भगवान गर्दभ से अश्व पर आरूढ़ हुए, इसीलिए एक माह खर मास कहा जाता है। इस अवधि में सूर्य की गति धीमी हो जाती है और दिन छोटा तथा रात बड़ी हो जाती है। इस अवधि में मांगलिक कार्यक्रम नहीं होते।

जिन महीनों में मांगलिक कार्यक्रमों का निषेध किया गया, उसमें खर मास और पुरुषोत्तम मास (मल मास) कहते हैं। चूंकि मांगलिक कार्यक्रम इन महीनों में नहीं होते, इसलिए इस अवधि में धर्म ग्रंथों का अध्ययन करना चाहिए, खासकर श्रीमद् भागवत महापुराण का अध्ययन जरूर करना चाहिए। इस पुराण में श्री हरि की स्तुति, विभिन्न देवी-देवताओं, राजाओं के क्रियाकलापों के साथ ऋषियों-मुनियों का संवाद शामिल है। चूंकि यह सर्वश्रेष्ठ पुराण है, इसलिए इसका वाचन एवं श्रवण मनुष्य को सार्थक स्वरूप प्रदान करता है। मनुष्य को अपने मन को वश में करने के लिए इस माह में योग-प्राणायाम करना चाहिए।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

श्रीमद् भागवत महापुराण के चतुर्थ स्कंध के 13 से लेकर 15वें अध्याय तक में ध्रुव वंश से लेकर राजा पृथु का वर्णन किया गया है। राजा अंग एवं पत्नी सुनीथा से वेन नामक पुत्र हुआ, जिसके अत्याचार के चलते पिता राजा अंग दुःखित रहा करते थे। उन्हें नींद नहीं आती थी। एक रात गृहस्थ जीवन से विरक्त होकर राजा अंग जंगल चले गए। अंग के वन चले जाने के कारण भृगु आदि मुनियों ने देखा कि पृथ्वी पर रहने वालों की रक्षा करने वाला कोई नहीं है, तब वेन को राजपद पर बिठा दिया गया। राजा का पद पाकर वेन और भी अत्याचारी हो गया। उसने पूजा-पाठ, ऋषियों के दान-दक्षिणा देने पर रोक लगा दी। ऋषियों-मुनियों ने उसे सदाचार पथ पर ले चलने का प्रयास किया, लेकिन राजा वेन पर कोई असर जब नहीं पड़ा तब विदुर जैसे महात्मा ने राजा वेन को मार डालने का आदेश दिया।

वेन की मृत्यु के पश्चात उसकी मां सुनीथा पुत्र वेन के शव की सुरक्षा करने लगी। वेन की मृत्यु के उपरांत ऋषियों ने देखा राजा विहीन शासन में दुष्टों का उपद्रव बढ़ गया है। ऋषियों ने वेन के शव की जांघ को मथा तब उसमें से एक बौना और कुरूप पुरुष उत्पन्न हुआ, जो शासन चलाने योग्य नहीं था। उसने अपने पिता के पापों को अपने ऊपर ले लिया। ऋषियों ने उसे नगर छोड़कर वन और पर्वत पर रहने का आदेश दिया।

इसके बाद पुत्रहीन वेन की भुजाओं का मंथन किया, जिससे एक स्त्री-पुरुष का जोड़ा प्रकट हुआ। इसे भगवान विष्णु एवं माता लक्ष्मी की कृपा मानकर ऋषियों ने पुरुष को पृथु नाम दिया तथा स्त्री को पृथु की पत्नी बनने का आशीर्वाद दिया एवं पृथु को विष्णु जी का अवतार मानकर संसार के पालन का दायित्व दिया, जिसका निर्वहन पृथु ने किया। उनकी रीति-नीति से प्रसन्न होकर प्रजा तथा ऋषि-मुनि गुणगान करने लगे।

महाभियोग की राजनीति व न्यायपालिका

भारत के संविधान ने संसद को अनेक शक्तियां दी हैं, पर उनमें सबसे गंभीर, सबसे असाधारण और सबसे संवेदनशील शक्ति है, किसी न्यायाधीश के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव लाने की शक्ति। यह कोई सामान्य राजनीतिक हथियार नहीं है, न ही यह न्यायिक निर्णयों से असहमति दर्ज कराने का मंच है। यह शक्ति केवल एक ही उद्देश्य के लिए बनाई गई है, न्यायपालिका की शुचिता की रक्षा, और वह भी केवल तब, जब किसी न्यायाधीश के विरुद्ध सिद्ध कदाचार या असमर्थता का ठोस प्रामाणिक आधार उपलब्ध हो।

इसी पृष्ठभूमि में मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जस्टिस जीआर स्वामीनाथन के विरुद्ध लाया गया महाभियोग प्रस्ताव एक गंभीर संवैधानिक चिंता पैदा करता है। जस्टिस स्वामीनाथन ने एक मंदिर के भक्तों की याचिका सुनी और राज्य सरकार की असहमति के बावजूद मंदिर स्तंभ पर दीप जलाने का आदेश दे दिया। तमिलनाडु सरकार ने धार्मिक सौहार्द तथा कानून व्यवस्था बिगड़ने के अपने तर्कों के आधार पर आदेश का पालन नहीं किया, तब जस्टिस स्वामीनाथन ने सीआईएसएफ की निगरानी में दीप जलाने का आदेश दे दिया। यही बात राजनेताओं को खटक गई। हालांकि प्रशासन ने सेना को भी उस क्षेत्र में घुसने नहीं दिया और मंदिर का दीप नहीं जल सका। सरकार इस बात से इतनी विचलित और क्रोधित हो गई कि जस्टिस स्वामीनाथन के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव ले आई।

> मद्रास हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति जस्टिस जीआर स्वामीनाथन के विरुद्ध लाया गया महाभियोग प्रस्ताव गंभीर संवैधानिक चिंता पैदा करता है। जस्टिस ने एक मंदिर के भक्तों की याचिका सुनी और राज्य सरकार की असहमति के बावजूद मंदिर स्तंभ पर दीप जलाने का आदेश दे दिया।

आलोक तिवारी
वरिष्ठ पत्रकार

यह बहस इस बात की नहीं है कि कोई उनके निर्णय से सहमत है या असहमत। असली प्रश्न यह है कि क्या संसद का सबसे कठोर दंडात्मक औज़ार केवल किसी निर्णय या न्यायिक व्याख्या से असहमति के आधार पर सक्रिय किया जा सकता है? संविधान के अनुच्छेद 124(4) और 217 जानबूझकर कठोर भाषा में लिखे गए हैं। न्यायाधीश को हटाने की प्रक्रिया कठिन इसलिए रखी गई, ताकि वह राजनीतिक दबाव, जनभावना या सत्तागत असंतोष से सुरक्षित रह सके। महाभियोग कोई राजनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि एक प्रकार का संवैधानिक अभियोजन है। जस्टिस स्वामीनाथन पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं है। वित्तीय अनियमितता नहीं है। पद के दुरुपयोग का ठोस प्रमाण नहीं है और उनकी असमर्थता का कोई आधार नहीं है, तो ऐसे प्रस्ताव को राजीतिक उद्देश्य से प्रस्तुत करना न्यायिक तंत्र एवं जजों को डराने एवं धमकाने कि श्रेणी में आता है!

यह तर्क अक्सर दिया जाता है कि सांसदों को अनुच्छेद 105 और 194 के अंतर्गत विशेषाधिकार प्राप्त हैं। किंतु यह तर्क अधूरा है। संसदीय विशेषाधिकार निरंकुश नहीं होते, वे कार्यात्मक होते हैं। उनका उद्देश्य विधायिका को उसके संवैधानिक कर्तव्यों के निर्वहन में सक्षम बनाना है, न कि किसी अन्य संवैधानिक संस्था, विशेषकर न्यायपालिका को डराना या भयभीत करना। जब विशेषाधिकार का प्रयोग दबाव के औज़ार के रूप में किया जाए, तब वह विशेषाधिकार नहीं, बल्कि संवैधानिक अतिक्रमण बन जाता है।

भारतीय संवैधानिक इतिहास इस खतरे की चेतावनी देता है। आज जस्टिस स्वामीनाथन के विरुद्ध प्रस्तावित महाभियोग, उसी चिंताजनक परंपरा का आधुनिक रूप प्रतीत होता है, जहां न्यायिक निर्णयों को संवैधानिक तर्क के बजाय राजनीतिक स्वीकार्यता की कसौटी पर परखा जाने लगता है। यदि यह प्रवृत्ति सामान्य बन गई, तो हर संवेदनशील मामले में न्यायाधीश के सामने कानून नहीं, बल्कि संभावित राजनीतिक प्रतिक्रिया खड़ी होगी।

यहां लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। Judges (Inquiry) Act, 1968, उन्हें यह विवेकाधिकार देता है कि वे आवश्यक हस्ताक्षरों के बावजूद महाभियोग प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार कर सकते हैं। यह कोई औपचारिक मुहर नहीं, बल्कि संविधान द्वारा निर्मित एक अंतिम सुरक्षा-दीवार है। यदि प्रस्ताव में भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमितता, पद के दुरुपयोग या असमर्थता का कोई प्रथमदृष्टया आधार नहीं है, तो उसे प्रारंभिक स्तर पर ही रोका जाना चाहिए।

देश के न्यायाधीश अपनी शपथ और भारत के संविधान के प्रति उत्तरदायी हैं, न कि किसी पक्षपातपूर्ण राजनीतिक दबावों या वैचारिक धमकियों के प्रति। आज एक जज निशाने पर है, कल पूरी न्यायपालिका इनके निशाने पर होगी। अंततः यह प्रश्न शक्ति का नहीं, संवैधानिक संयम का है। असहमति का स्थान अपील में है, बहस में है, आलोचना में है, महाभियोग में नहीं।

आर्थिक और सामाजिक दबावों के बीच रिश्ते बचाने की जद्दोजहद

तेज़-रफ्तार और निरंतर बदलती दुनिया में शादी को संतुलित रखना पहले से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। तेज़ी से बदलती जीवन शैली, इंटरनेट और सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव, एक-दूसरे से उभरती अपेक्षाएं, काम और परिवार का दबाव, आर्थिक अनिश्चितता और बदलते सामाजिक मानदंड, इन सबके बीच रिश्ते को स्थिर और स्वस्थ बनाए रखना सचमुच एक नाजुक कला है। इस कला की नींव तीन आधारभूत स्तंभों पर टिकी होती है- संवाद, सम्मान और समझदारी। चुनौतियां सीमाएं स्पष्ट नहीं होतीं, तो छोटी-छोटी बातें भी अनजाने में विवाद का कारण बन सकती हैं।

डॉ. मुकुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

संतुलन न हो तो यह हस्तक्षेप रिश्ते की शांति और स्थिरता को प्रभावित करता है। निकटता (Intimacy) की कमी की भागदौड़, मानसिक थकान और तनाव धीरे-धीरे शारीरिक और भावनात्मक निकटता को कम कर देते हैं। इंटिमेसी के स्तर में गिरावट रिश्ते में दूरी और असुरक्षा ला सकती है। पैरेंटिंग में मतभेद तकरार को जन्म देता है, यदि इन्हें समझदारी से न संभाला जाए। शादीशुदा जीवन हो या जीवनशैली के दिखावे, रिश्ते में असंतोष, अपेक्षाओं का दबाव और कमी की भावना पैदा कर सकती है। बढ़ने के लिए नियमित देखभाल चाहिए, वैसे ही शादी को भी समझ, संवाद और संवेदनशीलता की निरंतरता चाहिए।

जीवन की व्यस्तताओं, चुनौतियों और दबावों के बीच रिश्ते को मजबूत बनाए रखना एक सजग प्रयास है और यही प्रयास शादी को खूबसूरत बनाता है। नीचे कुछ व्यावहारिक और प्रभावी उपाय दिए गए हैं, जो दंपत्ति को अधिक संतुलित, शांत और सहयोगी संबंध बनाने में मदद करते हैं। गलतफहमियां पैदा न हों। अपेक्षाएं रिश्ते में टकराव कम करती हैं और सामंजस्य बढ़ाती हैं। उनकी समीक्षा करें। ज़रूरी है जिम्मेदारियां बराबर बांटी जाएं। ज़िम्मेदारियों को साझा करें। पैरेंटिंग को टीमवर्क समझें, टकराव नहीं। असंतोष, जलन और अपेक्षाओं का दबाव कम होता है, जिससे रिश्ता और मजबूत बनता है। आपस में अपेक्षाओं और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर चर्चा करनी चाहिए। इससे रिश्ते संवारने में आसानी होती है।

आत्म-चेतना और आत्म-साक्षात्कार का माध्यम है ध्यान

ध्यान का उद्गम प्राचीन भारत से हुआ। वेदों और उपनिषदों में ध्यान का गहन उल्लेख मिलता है। महात्मा बुद्ध ने ध्यान को अपने जीवन का केंद्रीय अंग बनाया था और इसे आत्म-ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम बताया था। ध्यान आत्मा और मन के संतुलन को प्राप्त करने का एक प्राचीन विज्ञान है। यह आत्मचिंतन और मानसिक शुद्धता की ऐसी प्रक्रिया है, जो व्यक्ति को आंतरिक शांति और स्फूर्ति प्रदान करती है। ध्यान का अर्थ है मानसिक एकाग्रता और चेतना का उच्चतम स्तर। यह एक ऐसी स्थिति है, जिसमें मनुष्य अपनी आंतरिक ऊर्जा के स्रोत से जुड़ता है और बाहरी दुनिया के तनावों से मुक्त होता है। यह केवल एक धार्मिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक उपचार का माध्यम भी है। ध्यान की प्रक्रिया व्यक्ति को वर्तमान क्षण में जीने और अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में केंद्रित करने का मार्ग दिखाती है। वैदिक साहित्य में ध्यान को आत्मा को ब्रह्मांडीय ऊर्जा से जोड़ने का माध्यम माना गया है। बुद्ध धर्म और जैन धर्म में ध्यान को आत्मज्ञान और मोक्ष प्राप्ति का साधन बताया गया है।

प्राचीन भारतीय परंपरा में ध्यान को 'मेडिटेशन' के नाम से जाना जाता है, जो अब केवल भारत तक ही सीमित नहीं रह गया है। यह एक ऐसा अभ्यास है, जो मनुष्य को अपने भीतर झांकने, अपने विचारों को नियंत्रित करने और आत्म-चेतना प्राप्त करने में मदद करता है। ध्यान केवल धार्मिक अथवा आध्यात्मिक अभ्यास नहीं है बल्कि यह एक विज्ञान है, जो मनुष्य के मस्तिष्क और शरीर पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। आधुनिक युग में ध्यान ने न केवल आध्यात्मिक बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी अपनी उपयोगिता सिद्ध की है।

विभिन्न अनुसंधानों से सिद्ध हुआ है कि ध्यान मस्तिष्क की संरचना और कार्यप्रणाली में सकारात्मक परिवर्तन लाता है। यह न्यूरोप्लास्टिसिटी को बढ़ावा देता है, जिससे मस्तिष्क नए अनुभवों और परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढाल सकता है। ध्यान मस्तिष्क के 'प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स', जो एकाग्रता और निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार होता है, को सक्रिय करता है। यह एमिगडाला, जो तनाव और भय के लिए जिम्मेदार होता है, की गतिविधियों को कम करता है। ध्यान के अभ्यास से कोर्टिसोल (तनाव हार्मोन) का स्तर घटता है और सेरोटोनिन (खुशी का हार्मोन) का स्तर बढ़ता है, जिससे व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक राहत मिलती है।

श्वेता गोयल
शिक्षिका

ध्यान आत्म-चेतना और आत्म-साक्षात्कार का माध्यम है, जो मनुष्य को अपने स्वभाव को समझने और शांति प्राप्त करने में मदद करता है। ध्यान से व्यक्ति के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव आता है, जिससे समाज में शांति और सद्भावना का माहौल बनता है। ध्यान से मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। इससे मस्तिष्क में सेरोटोनिन और डोपामाइन जैसे हार्मोनों का स्तर बढ़ता है, जिससे तनाव और अवसाद में कमी आती है। यह मस्तिष्क को शांत करता है और नकारात्मक विचारों को सकारात्मकता में परिवर्तित करता है। नियमित ध्यान से स्मरण शक्ति और एकाग्रता में सुधार होता है और इससे नींद की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। नियमित ध्यान से हृदय गति नियंत्रित रहती है, रक्तचाप सामान्य होता है और इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। ध्यान का अभ्यास व्यक्ति को सहिष्णु और संवेदनशील बनाता है, जिससे दूसरों के प्रति सहानुभूति और समझ विकसित होती है, जो संबंधों को मजबूत बनाती है।

ध्यान के विभिन्न प्रकार हैं, जो व्यक्ति की जरूरत और रुचि के अनुसार चुने जा सकते हैं। इनमें सांसों पर ध्यान, प्रेरणा ध्यान, मंत्र ध्यान, प्रकृति ध्यान इत्यादि प्रमुख हैं। ध्यान का सरल और प्रभावी तरीका है सांसों पर ध्यान, जिसमें व्यक्ति अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित करता है। प्रेरणा ध्यान में एक मार्गदर्शक अथवा प्रशिक्षक की मदद से ध्यान किया जाता है। मंत्र ध्यान में किसी मंत्र का उच्चारण करते हुए ध्यान किया जाता है, जो मन को स्थिरता और गहराई प्रदान करता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

न्यूज ब्रीफ

लालू प्रसाद यादव ने कराई आंखों की सर्जरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव की राष्ट्रीय राजधानी के एक निजी नेत्र अस्पताल में मोतियाबिंद और रेटिना की सर्जरी सफलतापूर्वक की गई है और अस्पताल के अनुसार उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। यह सर्जरी नई दिल्ली स्थित 'सेंटर फॉर साइट' में नेत्र अस्पताल समूह 'सेंटर फॉर साइट' के चेयरमैन एवं चिकित्सा निदेशक डॉ. महिपाल सिंह सचदेव की देखरेख में की गई। अस्पताल ने कहा कि लालू प्रसाद यादव की आंखों की मोतियाबिंद और रेटिना संबंधी पूर्व-निर्धारित सर्जरी सफलतापूर्वक की गई।

मादक पदार्थों की तस्करी में 8 गिरफ्तार

जालंधर। नशीले पदार्थों की तस्करी और असामाजिक तत्वों के खिलाफ चल रहे अभियान को और तेज़ करते हुए, पंजाब में जालंधर ग्रामीण पुलिस ने शनिवार को जिले के अलग-अलग इलाकों में विशेष चेकिंग और कासो ऑपरेशन चलाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्रामीण हरविंदर सिंह विर्क ने बताया कि इस ऑपरेशन दौरान नशीले पदार्थों की संभावित गतिविधियों वाली जगहों, बस स्टैंड, सुनसान इमारतों, खुले खेतों और संवेदनशील इलाकों में गहन जांच की गई। पुलिस टीमों ने संदिग्धों से पूछताछ की, वाहनों की तलाशी ली और मौके पर सुरक्षा का जायजा लिया। इस दौरान सात मामले दर्ज किए गए और आठ लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 313 गोलियां और दो ग्राम हेरोइन बरामद की गईं।

रान्या राव की हिरासत में हस्तक्षेप से इनकार

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने इस साल की शुरुआत में दर्ज किए गए सोने की तस्करी मामले में कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव को विदेशी मुद्रा और तस्करी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत हिरासत में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। न्यायमूर्ति अनु शिवरमन और न्यायमूर्ति विजयकुमार ए. पाटिल की खंडपीठ ने शुक्रवार को राव की मां, एचपी. रोहिणी द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने अपनी बेटी के खिलाफ जारी हिरासत आदेश की वैधता पर सवाल उठाया था। राव को राजस्व आसूचना निदेशालय ने तीन मार्च 2025 को केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया था। राव के पास से 14 .2 किग्रा सोना बरामद किया गया था, जिसकी कीमत 12 .56 करोड़ रुपये है।

जर्मनी यात्रा के दौरान राहुल देश के दुश्मनों से मिले : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने जर्मनी यात्रा के दौरान देश के दुश्मनों से मुलाकात की। पार्टी ने गांधी से सवाल किया कि ऐसे तत्वों के साथ हाथ मिलाकर वह देश के खिलाफ किस तरह की साजिश रच रहे हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने भाजपा मुख्यालय में बर्लिन स्थित हर्टी स्कूल की प्रेसीडेंट एवं प्रोफेसर कॉर्नेलिया वोल के साथ गांधी की तस्वीर दिखाई और इसे कांग्रेस नेता द्वारा जर्मनी में भारत-विरोधी ताकतों से मुलाकात का सबूत बताया। भाटिया ने दावा किया कि वोल सेंट्रल यूरोपियन यूनिवर्सिटी की ट्रस्टी में से एक हैं, जो अमेरिका के अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरोस के ओपन सोसाइटी फाउंडेशन से वित्तपोषित है। राहुल गांधी या कांग्रेस की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। पिछले साल भी, भाजपा ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के सोरोस-वित्तपोषित संगठनों से संबंध हैं, जो भारत-विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं।

एशिया ओशिनिया मोटापा सम्मेलन में बोले केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह

सोच समझकर करें मोटापा-रोधी दवाओं का उपयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने शनिवार को कहा कि वर्तमान में उपलब्ध वजन घटाने वाली या मोटापा-रोधी दवाओं का उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए।

डॉ. सिंह ने दो दिवसीय एशिया ओशिनिया मोटापा सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि मोटापा एक जटिल, दीर्घकालिक और बार-बार होने वाला विकार है, न कि केवल एक सौंदर्य संबंधी या जीवनशैली से जुड़ी चिंता। उन्होंने भारत की सबसे गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक के रूप में उभरी इस समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए समग्र समाज से आह्वान किया। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों, शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और अन्य हितधारकों का एक मंच पर एकत्रित होना ही भारत में मोटापे की महामारी की बढ़ती गंभीरता को दर्शाता है। जिस प्रकार अर्थशास्त्र इतना गंभीर विषय है कि इसे केवल एक अर्थशास्त्री के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता, उसी प्रकार मोटापा भी इतना गंभीर विषय है कि इसे केवल एक चिकित्सक या महामारी विज्ञानी के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता, क्योंकि इसकी गहरी सामाजिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय जड़ें हैं।

डॉ. सिंह ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत में गैर-संक्रामक रोगों में चिंताजनक वृद्धि देखी जा रही है, जो किसी न किसी रूप में मोटापे से जुड़े हैं और कुल मृत्यु दर में लगभग 63 प्रतिशत का योगदान करते हैं। उन्होंने बताया कि टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग और कुछ प्रकार के कैंसर जैसी स्थितियां मोटापे से जुड़ी हैं, जिनमें केंद्रीय या आंतरिक मोटापा भी शामिल है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2014 से स्वास्थ्य राष्ट्रीय नीति निर्माण के केंद्र में आ गया है और सरकार रोकथाम, सामर्थ्य और प्रारंभिक हस्तक्षेप पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने आयुष मंत्रालय के माध्यम से पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को एकीकृत करने पर सरकार के जोर को भी रेखांकित किया।

उत्तर भारत में कोहरे का कहर

यूपी के कई जिलों में घना कोहरा, दिल्ली शीत लहर की चपेट में

- कश्मीर और हिमाचल में बर्फबारी का अनुमान
- सूर्य बादलों से ढका, वातावरण में प्रदूषक तत्व से दृश्यता रही कम

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के कई हिस्सों में शनिवार को न्यूनतम तापमान सर्दियों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया और उत्तर भारत में घने कोहरे से जनजीवन प्रभावित हुआ। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में घना कोहना छाया रहा। दिल्ली भी शीतलहर की चपेट में रहा और सूर्य बादलों से ढका था, वातावरण में प्रदूषक तत्वों से दृश्यता कम रही।

अधिकारी के अनुसार, शनिवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर घने कोहरे से 129 उड़ानें रद्द हुईं। मौसम विभाग के अनुसार, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में बारिश तथा कई स्थानों पर बारिश और बर्फबारी का अनुमान है। कश्मीर के मौसम विभाग ने शनिवार को ऊंचाई वाले इलाकों में मध्यम से भारी बर्फबारी का पूर्वानुमान है। कश्मीर में कुछ दिन बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी होगी, जबकि 'चिल्ला-ए-कलां' यानी 40 दिन की सर्दी शुरू होने से एक दिन पहले रात के तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। चिल्ला-ए-कलां के दौरान बर्फबारी की संभावना अधिक रहती है और ऐसी ही स्थिति बनी रहती है, जिससे घाटी में तापमान में भारी गिरावट आती है। शुष्क मौसम से खांसी और जुकाम जैसी बीमारियों के मामले बढ़ गए है।

नई दिल्ली में छाए घने कोहरे के बीच से गुजरता व्यक्ति।

उप्र में घने कोहरे से दृश्यता में आई भारी गिरावट

उत्तर प्रदेश में आईएमडी ने चेतावनी दी गई कि दो दिनों तक प्रतिकूल मौसम बना रहेगा। लखनऊ स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 24 घंटों में राज्य के बड़े हिस्से में घना कोहरा से दृश्यता में भारी गिरावट आई। आगरा (हवाई अड्डे), प्रयागराज, कानपुर (हवाई अड्डा), बरेली, झांसी और कई अन्य स्थानों पर बहुत घना कोहरा रहा तथा दृश्यता 50 मीटर से कम रही। पश्चिमी, मध्य और पूर्वी उत्तर प्रदेश में ठंड का प्रकोप बना हुआ है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि 22 दिसंबर तक कई जिलों में देर रात और सुबह घना से बहुत घना कोहरा रहेगा, जबकि कुछ इलाकों में 24 दिसंबर तक कड़ाके की ठंड पड़ सकती है। लखनऊ, कानपुर, आगरा, प्रयागराज, वाराणसी, बरेली, मेरठ, गाजियाबाद, नोएडा, गोरखपुर, अयोध्या, सुल्तानपुर, रायबरेली, सीतापुर, हरदोई, इटावा, मैनपुरी, अलीगढ़ और मथुरा सहित कई जिलों में घने कोहरे का अनुमान है।

दिल्ली में एक्यूआई 398, 129 उड़ानें हुईं रद्द

राष्ट्रीय राजधानी शीत लहर के बीच बिगड़ती वायु गुणवत्ता से जूझ रही है। दिल्ली में शनिवार को पहली शीत लहर का अनुभव हुआ, जिससे इस साल दिसंबर का सबसे ठंडा दिन दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में अधिकतम तापमान गिरकर 16.9 डिग्री हो गया। दिल्ली में घना कोहरा छाया रहा, जिससे हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी के करीब रही। शाम चार बजे दिल्ली का एक्यूआई 398 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली के 40 केंद्रों में से 22 में एक्यूआई गंभीर, जबकि 17 में यह बेहद खराब रहा। वहीं, दिल्ली हवाई अड्डे पर घने कोहरे से 129 उड़ानें रद्द हुईं।

अंडों के सेवन से कैंसर के खतरे के दावे निराधार

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने अंडों को कैंसर के खतरे से जोड़ने वाले हालिया दावों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हुए इन्हें भ्रामक, वैज्ञानिक रूप से निराधार और अनावश्यक भय पैदा करने वाला बताया है। शनिवार को जारी एक बयान में, खाद्य सुरक्षा नियामक ने स्पष्ट किया कि देश में उपलब्ध अंडे मनुष्य के सेवन के लिए सुरक्षित हैं और अंडों में कैंसरकारी पदार्थों की उपस्थिति के दावों का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। यह स्पष्टीकरण मीडिया में आईं खबरों और उन सोशल मीडिया पोस्ट के जवाब में आया है जिनमें दावा किया गया था कि भारत में बेचे जाने वाले अंडों में नाइट्रोफ्यूरान मेटाबोलाइट्स (एओजेड) पाया गया है, जो ऐसा पदार्थ है जिसका कथित तौर पर कैंसर से संबंध है।

- खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण ने दावों को भ्रामक और भय पैदा करने वाला बताया

एफएसएसएआई के अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि खाद्य सुरक्षा और मानक (संदूषक, विषैले पदार्थ और अवशेष) विनियम, 2011 के तहत मुर्गी पालन और अंडा उत्पादन के सभी चरणों में नाइट्रोफ्यूरान' का उपयोग सख्ती से प्रतिबंधित है। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि अधिकतम अवशेष सीमा (ईएमआरएल) से नीचे के सूक्ष्म अवशेषों का पता चलना खाद्य सुरक्षा का उल्लंघन नहीं है और न ही इससे किसी प्रकार का स्वास्थ्य जोखिम होता है।

प्राधिकरण ने उल्लेख किया कि विभिन्न देशों में संख्यात्मक मानकों में अंतर उपभोक्ता सुरक्षा मानकों में अंतर को नहीं, बल्कि विश्लेषणात्मक और नियामक दृष्टिकोणों में भिन्नता को दर्शाता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं पर, एफएसएसएआई ने वैज्ञानिक प्रमाणों का हवाला देते हुए कहा कि नाइट्रोफ्यूरान मेटाबोलाइट्स के सूक्ष्म स्तर के आहार संबंधी संपर्क और मनुष्यों में कैंसर या अन्य प्रतिकूल स्वास्थ्य परिणामों के बीच कोई स्थापित संबंध नहीं है।

सत्यापित वैज्ञानिक प्रमाणों पर ही करें भरोसा

नियामक ने कहा कि किसी भी राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण ने अंडे के सामान्य सेवन को कैंसर के बढ़ते खतरे से नहीं जोड़ा है। मामले में एक विशिष्ट ब्रांड के अंडे के परीक्षण से संबंधित रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस तरह की चीजें छिटपुट और बैच-विशिष्ट हैं, जो अक्सर अनजाने संदूषण या फ़ीड-संबंधित कारकों के कारण होती हैं, और देश में अंडे की समग्र आपूर्ति श्रृंखला का प्रतिनिधित्व नहीं करती हैं। बयान में कहा गया कि प्रयोगशाला में सामने आए कुछ इक्का-दुक्का निष्कर्षों के आधार पर अंडों को असुरक्षित करार देना वैज्ञानिक रूप से गलत है। एफएसएसएआई ने उपभोक्ताओं से सत्यापित वैज्ञानिक प्रमाणों और आधिकारिक परामर्शों पर भरोसा करने का आग्रह किया।

खोसला के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस की तैयारी

पणजी। गोवा पुलिस ने नाइट क्लब अग्निकांड में आरोपी ब्रिटिन के नागरिक सुरिंदर खोसला के खिलाफ कई केंद्रीय एजेंसी के माध्यम से 'ब्लू कॉर्नर' नोटिस जारी कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को दी।

अरपोरा में स्थित 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइटक्लब में 6 दिसंबर को लगी भीषण आग में 25 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें अधिकतर क्लब के कर्मचारी थे।

इसरो ने किया ड्रोग पैराशूट का परीक्षण

बेंगलुरु, एजेंसी

इसरो के गगनयान चालक दल मॉड्यूल के वास्ते गति-मंदन प्रणाली विकसित करने के लिए ड्रोग पैराशूट का श्रृंखलाबद्ध मानक परीक्षण सफल रहा है। अंतरिक्ष एजेंसी ने शनिवार को बताया कि ये परीक्षण 18 और 19 दिसंबर को चंडीगढ़ में टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी (टीबीआरएल) की रेल ट्रैक रॉकेट स्लेड (आरटीआरएस) इकाई में पूरे किए गए। एजेंसी ने कहा कि गगनयान क्रू मॉड्यूल के गति-मंदन प्रणाली में चार तरह के कुल 10 पैराशूट शामिल हैं।

इसरो के अनुसार, अवरोहण क्रम की शुरुआत दो एपेक्स कवर सेपरेशन पैराशूट्स के अलग होने से होती है, जो पैराशूट कक्ष से सुरक्षात्मक आवरण को हटाते हैं। इसके बाद दो ड्रोग पैराशूट खुलते हैं, जो मॉड्यूल को स्थिर करने और उसकी गति को कम करने का कार्य करते हैं।

इसरो 24 को लांच करेगा अमेरिकी उपग्रह

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 24 दिसंबर की सुबह अपने श्रीहरिकोटा के अंतरिक्ष केंद्र से ''ब्लूबर्ड-6'' संचार उपग्रह को लॉन्च करेगा। एक विशेष वाणिज्यिक मिशन के तहत, भारत का भारी-भरकम प्रक्षेपण यान एलवीएम3 श्रीहरिकोटा के शार रेंज से अमेरिकी स्पेस टेक कंपनी ''एएसटी स्पेसमोबाइल'' के 6.5 टन वजनी ''ब्लूबर्ड-6'' संचार उपग्रह को लॉन्च करेगा। यह अब तक भारत द्वारा लॉन्च किया जाने वाला सबसे भारी पेलोड होगा और यह उपग्रह पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया जाएगा।

सीएसआर में पर्यावरणीय जिम्मेदारी का समावेश अनिवार्य : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) को कॉरपोरेट पर्यावरणीय जिम्मेदारी से अलग नहीं किया जा सकता और कंपनियां पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी तंत्र के अन्य जीवों की अनदेखी कर खुद को सामाजिक रूप से जिम्मेदार नहीं कह सकतीं।

न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और एएस चांदुरकर की पीठ ने विलुप्तप्राय प्रजाति गोडावण (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड) के संरक्षण के लिए कई दिशा-निर्देश जारी किए। यह प्रजाति राजस्थान और गुजरात में गैर-नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्रों के संचालन के कारण खतरे में है। पीठ ने कहा कि इसलिए सामाजिक उत्तरदायित्व' की कॉरपोरेट परिभाषा में पर्यावरणीय जिम्मेदारी शामिल होनी चाहिए। कंपनियां पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र के अन्य जीवों के समान दावों की अनदेखी करते हुए स्वयं को सामाजिक रूप से जिम्मेदार नहीं कह सकतीं।

- जीवों की अनदेखी कर खुद को सामाजिक जिम्मेदार नहीं कह सकतीं कंपनियां

अदालत ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 51ए(जी) के तहत वन, झीलों, नदियों और वन्यजीवों समेत प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा एवं संवर्धन करना तथा सभी जीवों के प्रति करुणा रखना प्रत्येक नागरिक का मूल कर्तव्य है। सीएसआर निधि इस कर्तव्य की मूर्त अभिव्यक्ति है, इसलिए पर्यावरण संरक्षण के लिए धन का आवंटन स्वैच्छिक दान नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व की पूर्ति है। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के तहत संसद ने इस कर्तव्य को संस्थागत रूप दिया है, जिससे कंपनियों के लिए उनकी सामाजिक जिम्मेदारी के तहत विशिष्ट वित्तीय मानक अनिवार्य किए गए हैं। यह प्रावधान इस सिद्धांत को संहिताबद्ध करता है कि कॉरपोरेट लाभ केवल शेयरधारकों की निजी संपत्ति नहीं है, बल्कि उसका एक हिस्सा उस समाज का भी है, जो इस लाभ को संभव बनाता है।

अदालतें पीड़ित जानवरों के पक्ष में हमेशा रहेंगी

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि अदालतें हमेशा जानवरों के पक्ष में रहेंगी, क्योंकि जब मनुष्य और व्यावसायिक गतिविधियां उनके प्रवास मार्गों को अवरुद्ध करती हैं, तो वे चुपचाप पीड़ा झेलते हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और विपुल मनुभाई पंचोली की पीठ ने नीलगिरी के होटल और रिजॉर्ट मालिकों की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई स्थगित कर दी और कहा कि इस मुद्दे पर विस्तृत विचार-विमर्श की आवश्यकता है।

मोदी सरकार ने मनरेगा पर चलाया बुलडोजर

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने विकसित भारत-जी राम जी विधेयक संसद से पारित होने के बाद शनिवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने मनरेगा पर बुलडोजर चला दिया है और करोड़ों किसानों, श्रमिकों एवं भूमिहीन ग्रामीण वर्ग के गरीबों के हितों पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी नए काले कानून के खिलाफ लड़ाई को प्रतिबद्ध है।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने वीडियो संदेश में कहा कि मुझे आज भी याद है, 20 साल पहले डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, तब संसद में मनरेगा कानून आम राय से पास हुआ था। यह ऐसा क्रांतिकारी कदम था, जिसका फायदा करोड़ों ग्रामीण परिवारों को मिला था। खासतौर पर वंचित, शोषित, गरीब और अतिगरीब लोगों के लिए रोजी-रोटी का जरिया बना। उन्होंने कहा कि रोजगार के लिए अपनी माटी, अपना गांव, अपना घर-परिवार छोड़कर पलायन करने पर रोक लगी। रोजगार का कानूनी हक दिया गया, साथ ही ग्राम पंचायतों को ताकत मिली। मनरेगा के जरिए महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सपनों के भारत की ओर एक ठोस कदम उठाया गया। उन्होंने दावा किया कि 11 साल में मोदी सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के बेरोजगार, गरीबों और वंचितों के हितों को नजरअंदाज कर मनरेगा को कमजोर करने की हर कोशिश की, जबकि कोविड के वक़्त ये गरीब वर्ग के लिए संजीवनी साबित हुआ।

कार्यालय नगर पालिका परिषद जलालपुर अम्बेडकर नगर

पत्रांक– 914/ न0पा0परि0ज0/ /2025–20 दिनांक 18/12/2025

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उ0प्र0 नगर पालिका (भवन या भूमि या दोनो के वार्षिक मूल्य पर कर) नियमावली 2024 शासन के निर्देशानुसार नगर पालिका परिषद जलालपुर अम्बेडकर नगर परिक्षेत्र के समस्त भवन/भूखण्ड पर लागू की जा चुकी है, जिसमें समस्त भवनो/भूखण्ड को 09 मीटर चौड़ी सड़क पर स्थित मानते हुए मासिक किराया दर प्रति वर्ग फुट में इस प्रकार निर्धारित किया गया है– (1) पक्का भवन रुपया–1.00 प्रति वर्ग फुट. (2) अन्य पक्का भवन रुपया–0.80 प्रति वर्ग फुट (3) कच्चा भवन रुपया–0.60 प्रति वर्ग फुट एवं (4) प्लाट रुपया–0.40 प्रति वर्ग फुट । कृषि योग्य भूमि को कर से मुक्त रखा गया है। साथ ही नगर क्षेत्र के समस्त अन्त्येष्टि स्थल, सार्वजनिक समस्त धर्मो के पूजा स्थल, मान्यता प्राप्त / गैर मान्यता प्राप्त शैक्षिक संस्थाये एवं 30 वर्ग मीटर माप के भूखण्ड पर निर्मित आवासीय भवन के स्वामी को गृहकर से छूट दी गई है। इसके अतिरिक्त उपरोक्तानुसार आगणित भवनों के वार्षिक मूल्य में निम्नानुसार छूट देने के उपरान्त गृहकर निर्धारण सूची को संशोधित कर दिया गया है– (1) 10 वर्ष तक पुराने भवन के वार्षिक मूल्य में नगर पालिका अधिनियम 1916 की उपधारा 1 के खण्ड (ख) के अन्तर्गत निर्धारित वार्षिक मूल्य को 25 प्रतिशत कम (2) 10 वर्षो से अधिक किन्तु 20 वर्षो से कम पुराने भवन है तो उसका वार्षिक मूल्य 32.50 प्रतिशत कम (3) 20 वर्षो से अधिक पुराने भवन है तो उसका वार्षिक मूल्य 40 प्रतिशत कम करके गृहकर संशोधित कर दिया गया है। यदि किसी भवन स्वामी द्वारा गृहकर का भुगतान कर दिया गया है तो उसका समायोजन आगामी बिल में कर दिया जायेगा। किसी भवन स्वामी को गृह कर निर्धारण से संबंधित किसी प्रकार की आपत्ति हो तो उसके समाधान हेतु कार्यालय दिवस में लिखित आपत्ति दिनांक–31–12–2025 तक प्रस्तुत कर सकते है।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
जलालपुर अम्बेडकरनगर।

अनिल अंबानी के बेटे से फिर पूछताछ

नई दिल्ली। ईडी ने कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले में उद्योगपति अनिल अंबानी के बेटे जय अनमोल अंबानी से शनिवार को लगातार दूसरे दिन पूछताछ की। अधिकारियों के अनुसार, 34 वर्षीय अनमोल अंबानी के बयान धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत शुक्रवार को पहली बार दर्ज किए थे और शनिवार को भी पूछताछ जारी रही।

अधिकारियों के मुताबिक, ईडी की जांच येस बैंक से जुड़ी है। बैंक का 31 मार्च 2017 तक रिलायंस अनिल अंबानी समूह में करीब 6,000 करोड़ का निवेश था, जो एक वर्ष में बढ़कर 13,000 करोड़ हो गया। इन कंपनियों में आरएचएफएल और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) शामिल थीं। एजेंसी का आरोप है कि इन निवेशों का एक बड़ा हिस्सा गैर-निष्पादित निवेश (एनपीआई) में बदल गया, जिसके चलते बैंक को बाद में करीब 3,300 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ

शिक्षा के क्षेत्र में एआई दोधारी तलवार की तरह

नई दिल्ली, एजेंसी

शिक्षाविद शिशिर जयपुरिया ने कहा है कि कृत्रिम मेधा (एआई) शिक्षा क्षेत्र के लिए एक फोर्स मल्टीप्लायर (क्षमता बढ़ाने वाला) है, लेकिन धोखाधड़ी, डेटा चोरी और निजता के उल्लंघन के लिए एआई उपकरणों का अनैतिक इस्तेमाल चिंता का विषय है।

सेठ आनंदराम जयपुरिया ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष शिशिर जयपुरिया ने कहा कि एआई मंच प्रत्येक बच्चे की सीखने की शैली समझने, सीखने की क्षमता में अंतर की पहचान करने और परिणामों में सुधार के लिए ताकत एवं कमजोरियों का पता लगाने में स्कूलों की मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि एआई के माध्यम से शिक्षक अपने नियमित कार्य कम समय में निपटा पा रहे हैं, जिससे उनकी उत्पादकता एवं दक्षता बढ़ रही है, साथ उन्हें बच्चों को पढ़ाने के लिए अधिक समय मिल पा रहा है। हालांकि, जयपुरिया ने एआई के अनैतिक इस्तेमाल को लेकर गंभीर चिंताएं भी जाहिर कीं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन परीक्षाओं के दौरान नकल के लिए एआई का सहारा लिए जाने की घटनाएं सामने आई हैं।

- शिक्षाविद बोले : अनैतिक इस्तेमाल चिंता का विषय, डेटा निजता सुनिश्चित करना जरूरी

जयपुरिया ने कहा कि स्कूलों को डेटा उल्लंघन रोकने और निजता सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा घेरा विकसित करना होगा। उन्होंने शिक्षकों के लिए डिजिटल प्रशिक्षण पर भी जोर दिया, ताकि वे एआई की पूरी क्षमता का लाभ उठा सकें। एनईपी के बारे में जयपुरिया ने कहा कि एनईपी-2020 एक दूरदर्शी दस्तावेज है, लेकिन इसके कार्यान्वयन में तेजी लाने की आवश्यकता है।

मृदा नमी मापन यंत्र को मिला पेटेंट

रांची। झारखंड केंद्रीय विवि (सीयूजे) की प्रतिभा वारवाडे द्वारा विकसित मृदा नमी मापन यंत्र को पेटेंट मिला है। संस्थान ने शनिवार को यह जानकारी दी। सीयूजे के अनुसार, यह इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) से सुसज्जित यंत्र स्मार्ट सिंचाई प्रणाली का हिस्सा है, जो विशेष रूप से टपक सिंचाई के तहत विभिन्न सब्जियों और फलों का उत्पादन बढ़ाने में मदद करता है। यह प्रणाली मिट्टी की नमी और पर्यावरणीय आंकड़ों पर सिंचाई को स्वचालित करके मानव श्रम पर निर्भरता को कम करती है।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 21 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

आईआईएफएल के चेयरमैन बने कानूनगो

नई दिल्ली। गैरबैंकिंग वित्तीय कंपनी आईआईएफएल फाइनेंस ने आरबीआई के पूर्व डिप्टी गवर्नर बी पी कानूनगो को निदेशक मंडल का चेयरमैन नियुक्त किया है। आईआईएफएल फाइनेंस ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि उसके निदेशक मंडल ने शुक्रवार को हुई अपनी बैठक में कानूनगो की नियुक्ति को तत्काल प्रभाव से मंजूरी दी। गैरबैंकिंग वित्तीय कंपनी ने बताया कि कानूनगो के पास केंद्रीय बैंकिंग, मौद्रिक नीति और वित्तीय विनियमन में चार दशकों से अधिक का अनुभव है। वह 2017 से 2021 तक भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर थे।

बीएमडब्ल्यू ने गुरुग्राम में खोला नया शोरूम

नई दिल्ली। लग्जरी कार निर्माता बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने दिल्ली-एनसीआर में गुरुग्राम के सेक्टर-29 स्थित ट्रिलियम एवेन्यू में बर्ड ऑटोमोटिव का तीसरा शोरूम खोला। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरदीप सिंह बरार ने कहा कि भारत बीएमडब्ल्यू समूह के लिए महत्वपूर्ण बाजार है और एनसीआर क्षेत्र इसके विकास में निरंतर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बर्ड ऑटोमोटिव के डीलर प्रिंसिपल गौरव भाटिया ने कहा कि नए रिटेल .नेक्स्ट शोरूम की शुरुआत के साथ हमने अपने उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा एवं रिटेल का उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करने के लिए अपनी पहुंच का विस्तार किया है।

पीपल ट्री हॉस्पिटल को खरीदेगी फोर्टिस

नई दिल्ली। फोर्टिस हेल्थकेयर ने बेंगलुरु स्थित पीपल ट्री हॉस्पिटल को 430 करोड़ में अधिग्रहित के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने शनिवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने बेंगलुरु के यशवंतपुर में स्थित 125 बिस्तरों वाले अस्पताल के अधिग्रहण के लिए निश्चित समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह सौदा टीएमआई हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के 100 प्रतिशत अधिग्रहण के माध्यम से पूरा किया जाएगा, जिसके तहत पीपल ट्री हॉस्पिटल का व्यवसाय संचालित होता है। कंपनी ने कहा कि उक्त अधिग्रहण फोर्टिस की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी इंटरनेशनल हॉस्पिटल लिमिटेड (आईएचएल) द्वारा किया जाएगा।

2027 तक तीसरी अर्थव्यवस्था होगा भारत

सरकार की टिकाऊ नीतियों और बड़े संस्थागत सुधारों की केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने की तारीफ

- बोले- कारोबारी सुगमता बढ़ाने को हितधारकों से चर्चा व कठिनाइयों का निवारण किया जा रहा

इंदौर (मध्यप्रदेश), एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की टिकाऊ नीतियों और बड़े संस्थागत सुधारों की तारीफ करते हुए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को भरोसा जताया कि भारत वर्ष 2027 के अंत तक जर्मनी को पीछे छोड़कर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। सिंधिया, 'यंग आंतरप्रेन्योर्स फोरम भारत' की इंदौर में आयोजित 'वाईईएफ भारत समिट 2025' को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भारत कभी सोने की चिड़िया के रूप में जाना जाता था। 2,000 साल पहले विश्व के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में भारत की हिस्सेदारी 20 फीसदी थी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत इसी दृष्टिकोण से आगे बढ़ेगा और विश्व पटल पर नक्षत्र के रूप में उभरेगा। सिंधिया ने कहा कि भारत 12 साल पहले विश्व की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था। भारत जापान को पीछे छोड़कर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभर चुका है। 2027 के अंत तक हम जर्मनी को भी पीछे छोड़कर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री ने ब्रिटेन का नाम लिए बगैर कहा कि जिस देश ने भारत पर 200 साल तक राज किया, उस देश को भारत आर्थिक विकास की दौड़ में पहले ही पीछे छोड़ चुका है। सिंधिया ने कहा कि भारत की अडिगता देश को परिभाषित करती है। उन्होंने कहा कि इस अडिगता ने भारत को 2.3 हजार अरब डॉलर की जीडीपी वाले देश से 4.5 हजार अरब डॉलर की जीडीपी वाले देश में बदल दिया है।

उन्होंने कहा कि मोदी की अगुवाई वाली सरकार की टिकाऊ नीतियों और बड़े संस्थागत सुधारों की बदौलत देश विनिर्माण का बड़ा वैश्विक केंद्र की दिशा में अग्रसर है। सिंधिया ने कहा कि हर कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री निर्देश देते हैं कि औपनिवेशिक कानूनों को कचरे के डिब्बे में डाल दिया जाए। वह हमें कहते हैं कि कारोबारी सुगमता बढ़ाने के लिए सभी हितधारकों से चर्चा की जाए और उनकी कठिनाइयों का निवारण किया जाए।

नवाचार और सामाजिक दायित्व के साथ आगे बढ़ें

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश, देश का सबसे तेज गति से बढ़ने वाला राज्य बनकर उभरा है। यादव ने सम्मेलन में बड़ी तादाद में मौजूद नव उद्यमियों से आह्वान किया कि वे नवाचार, स्पष्ट सोच और सामाजिक दायित्व के साथ आगे बढ़ें तथा सूबे में अधिकाधिक निवेश करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक निवेश के लिए अनुकूल वातावरण, संसाधन और सुविधाएं हैं। राज्य सरकार निवेशकों को हरसंभव सहयोग देगी। राज्य सरकार ने उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए पहली बार उद्योग विभाग को सीधे मुख्यमंत्री स्तर पर प्राथमिकता दी है ताकि निर्णय तेजी से हों और निवेशकों का विश्वास मजबूत हो। यादव ने कहा कि उद्योगों से जीवन संवारने की स्पष्ट नीति के साथ राज्य में नया संकल्प लिया गया है। यह नीति न केवल आर्थिक विकास को गति देगी, बल्कि युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी सृजित करेगी। भोपाल में फरवरी के दौरान आयोजित वैश्विक निवेशक सम्मेलन में 32 लाख करोड़ रुपये के करार हुए थे जिनमें से छह लाख करोड़ रुपये के निवेश की परियोजनाओं की नींव रखी जा चुकी है।

शेयर बाजारों के लिए नई तकनीकी दिशा तय करेगा कार्य समूह : सेबी

नई दिल्ली, एजेंसी

- सीपीएआई के 11वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय किया संबोधित

सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने शनिवार को कहा कि बाजार नियामक अगले पांच-10 वर्ष में शेयर बाजारों के लिए नई तकनीकी दिशा तय करने को एक कार्य समूह बनाने की योजना बना रहा है। यह समूह अगले 5-10 साल में शेयर बाजार की तकनीक कैसे विकसित हो सकती है, इसे देखेगा। साथ ही, यह दुनिया भर की सफल प्रथाओं की तुलना करेगा और बाजार की संरचना को मजबूत करने के नए तरीके खोजेगा।

कमोडिटी एंड कैपिटल पार्टिसिपेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीपीएआई) के 11वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पांडेय ने कहा कि हम एक कार्य समूह बनाएंगे जो तय करेगा कि हमारे शेयर बाजारों में अगली तकनीकी दिशा क्या होगी। तकनीकी मजबूती बेहद जरूरी है और सेबी शेयर बाजार से जुड़ी हर तकनीकी गड़बड़ी को गंभीरता से लेता है। उन्होंने माना कि तेजी से बदलती तकनीक से कभी-कभी व्यवधान आ सकते हैं, लेकिन इसके लिए मजबूत सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है।

गैर-कृषि जिंस की होगी समीक्षा

सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने शनिवार को कहा कि बाजार नियामक गैर-कृषि जिंस वायदा-विकल्प खंड की समीक्षा के लिए कार्य समूह गठित करेगा। इसकी घोषणा जल्द होगी। पांडेय ने कहा कि सेबी जिंस वायदा-विकल्प बाजार में बैंकों और बीमा कंपनियों की भागीदारी को सक्षम बनाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के साथ भी बातचीत कर रहा है।

कपड़ा निर्यात में अन्य देशों से प्रतिस्पर्धा के लिए अधिक एफटीए की जरूरत : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेंसी

- राधाकृष्णन बोले- बांग्लादेश, लाओस, कंबोडिया, वियतनाम और अफ्रीकी देशे हमारे प्रतिस्पर्धी

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि भारत को वैश्विक कपड़ा और परिधान निर्यात बाजार में बांग्लादेश जैसे प्रतिस्पर्धियों के साथ बराबरी के लिए अधिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) करने की आवश्यकता है। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के पुरस्कार समारोह में उपराष्ट्रपति ने कहा कि पहले वैश्विक स्तर पर वस्त्र निर्यात के लिए बहुत कम देश हमसे प्रतिस्पर्धा कर रहे थे, लेकिन अब बांग्लादेश, लाओस, कंबोडिया, वियतनाम और अफ्रीकी देशों जैसे कई राष्ट्र मौजूद हैं।

राधाकृष्णन ने कहा कि इसलिए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) अनिवार्य हैं... यही उनकी (प्रतिस्पर्धी देशों की) सबसे बड़ी ताकत है। भारत का लक्ष्य 2030 तक 350 अरब डॉलर का कपड़ा बाजार तैयार करना है, जिसमें 100 अरब डॉलर का कपड़ा निर्यात शामिल है। उन्होंने परिधान उद्योग से नए बाजारों की सक्रिय रूप से खोज करने और पर्यावरण के अनुकूल विनिर्माण प्रथाओं, जिम्मेदार सोर्सिंग और अपशिष्ट को कम करने की रणनीतियों को अपनाने का भी आग्रह किया। भारत का लक्ष्य है कि 2030 तक कपड़ा बाजार का आकार 350 अरब डॉलर तक पहुंचे, जिसमें से 100 अरब डॉलर केवल कपड़ा निर्यात से आए।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज एकमात्र बाधा यह है कि अमेरिका के साथ मुक्त व्यापार समझौता थोड़ा अनिश्चित है। मुझे लगता है कि यह भी देर-सबेर हो जाएगा। उन्होंने स्वीकार किया कि भू-राजनीतिक स्थिति के कारण भारतीय वस्त्र और परिधान उद्योग में कई तरह की बाधाएं हैं, लेकिन भारत विश्व स्तर पर वस्त्र और परिधान का छठा सबसे बड़ा निर्यातक है, जो यह दर्शाता है कि वस्त्र उद्योग देश की वृद्धि में कितना बड़ा योगदान दे रहा है। उपराष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि अगले तीन वर्षों में भारत का वस्त्र निर्यात दोगुना हो जाएगा।

ऊर्जा संक्रमण की चर्चाओं के बीच तेल की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी

- बीपी, मैकिंजी और आईईए सहित प्रमुख ऊर्जा एजेंसियों ने जारी की रिपोर्ट
- नीतिगत देरी, बुनियादी ढांचे की बाधाएं और भू-राजनीतिक तनाव से तेल की मांग बढ़ी

नवीकरणीय ऊर्जा की ओर तेज बदलाव के बीच कच्चे तेल की मांग जल्द ही अपने उच्चतम स्तर पर पहुंचने की पुरानी भविष्यवाणियों के बीच तेल और गैस ने चुपचाप लेकिन स्पष्ट वापसी की है। इसमें भारत वैश्विक खपत का एक मुख्य चालक बनकर उभरा है। बीपी, मैकिंजी और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) सहित प्रमुख ऊर्जा एजेंसियों की रिपोर्ट में तेल की चरम को 2030 के दशक तक आगे बढ़ाया गया है और 2050 की मांग के अनुमानों को ऊपर की ओर संशोधित किया है।

सभी का कहना है कि भारत वैश्विक तेल मांग वृद्धि का केंद्र बनेगा, जहां ऊर्जा की मांग चीन और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों को मिलाकर भी पीछे छोड़ देगी। नीतिगत देरी, बुनियादी ढांचे की बाधाएं और भू-राजनीतिक तनाव के कारण 2025 में तेल की मांग बढ़ी। यूरोपीय देश, जो लंबे समय से स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण के समर्थक रहे हैं, रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच आपूर्ति की कमी और ऊंची कीमतों के चलते जीवाश्म ईंधनों पर अधिक निर्भर होते चले गए। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जीवाश्म ईंधन समर्थक नीतियों ने इस रुझान को और मजबूत किया। इस तरह तेल फिर से केंद्र में आ गया।

भारत ने कच्चे तेल का किया भारी मात्रा में आयात

वर्ष 2025 में भारत के तेल और गैस क्षेत्र की चर्चा आयात रुझानों में बदलाव, नीतिगत सुधारों, बढ़ती मांग और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के प्रयासों से रही। इससे वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में देश की बदलती भूमिका का पता चलता है। भारत ने 2025 में भी कच्चे तेल के आयात पर भारी निर्भरता बनाए रखी, जहां अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद रूसी तेल एक प्रमुख स्रोत बना रहा। अमेरिका ने नयी दिल्ली से रूसी खरीद घटाने की मांग की और भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत तक शुल्क भी लगाया। इसके बावजूद साल के अधिकांश समय में रूसी कच्चा तेल भारत के कुल आयात का एक-तिहाई से अधिक बना रहा।

रूसी कंपनियों पर प्रतिबंध से आई आयात में कमी

नवंबर के अंत में प्रमुख रूसी निर्यातकों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लागू होने के बाद ही आयात में कमी आई। घरेलू नीति में बदलावों के तहत पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 2025 को अधिसूचित किया गया, जिससे निवेश आकर्षित करने और खोज तथा उत्पादन के लिए लाइसेंसिंग को सरल बनाने वाला आधुनिक नियामक ढांचा तैयार हुआ। भारत की शोधन क्षमता में लगातार विस्तार हुआ, जिससे वह एक वैश्विक रिफाइनिंग केंद्र के रूप में और मजबूत हुआ। बुनियादी ढांचे में प्रगति के बावजूद, पुराने क्षेत्रों के कारण कच्चे तेल और गैस का घरेलू उत्पादन दबाव में रहा।

आरबीआई ने जेनपैक्ट के खिलाफ फेमा में कंपाउंडिंग की दी अनुमति : ईडी

नई दिल्ली, एजेंसी

- आदेश से प्रौद्योगिकी कंपनी के खिलाफ फेमा के तहत चल रही कार्रवाई खत्म हो गई

ईडी ने शनिवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एकमुश्त भुगतान के बदले जेनपैक्ट इंडिया के खिलाफ फेमा मामले में कंपाउंडिंग का आदेश जारी किया है। इसके चलते इस प्रौद्योगिकी कंपनी के खिलाफ फेमा के तहत चल रही कार्रवाई खत्म हो गई है।

नियामकीय संदर्भ में कंपाउंडिंग आदेश का अर्थ होता है कि आरोपी द्वारा जुर्माना देकर किसी अपराध का निपटारा करना। ऐसा करने से लंबी कानूनी लड़ाई से बचते हुए एकमुश्त जुर्माना देकर मामला पूरी तरह खत्म किया जा सकता है। जांच एजेंसी ने अक्टूबर 2018 में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के कथित उल्लंघन को लेकर करीब 26 करोड़ की राशि से जुड़े मामले में कंपनी के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। उसी महीने कंपनी और उसके निदेशकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था और न्यायिक कार्यवाही शुरू की गई थी। इसके बाद जेनपैक्ट ने उक्त फेमा उल्लंघनों की कंपाउंडिंग के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के समक्ष आवेदन दायर किया। ईडी ने कहा कि जांच एजेंसी ने अधिनियम (फेमा) की वास्तविक भावना के अनुरूप इस कंपाउंडिंग के लिए कोई आपत्ति नहीं की और बैंकिंग नियामक ने 17 अक्टूबर को जारी आदेश के जरिए 4.72 लाख के एकमुश्त भुगतान पर अपराध की कंपाउंडिंग की।

फंड प्रवाह को प्रभावित करते हैं विदेशी और घरेलू निवेशक

भारतीय शेयर बाजार में एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशक) और डीआईआई (घरेलू संस्थागत निवेशक) के फंड प्रवाह का विशेष महत्व होता है। ये दोनों ही निवेशक वर्ग बाज़ार की दिशा, उतार-चढ़ाव और निवेशकों की धारणा को प्रभावित करते हैं। एफआईआई आमतौर पर वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों, ब्याज दरों और मुद्रा विनिमय जैसे कारकों से प्रभावित होकर निवेश करते हैं, जबकि डीआईआई देश की आंतरिक आर्थिक स्थिति, नीतियों और दीर्घकालिक विकास संभावनाओं पर अधिक ध्यान देते हैं। जब एफआईआई और डीआईआई के निवेश रुझानों को एक साथ समझा जाता है, तो बाजार की वास्तविक तस्वीर उभरकर सामने आती है। इसलिए, फंड प्रवाह का विश्लेषण निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण संकेतक माना जाता है।

बाजार को समझने का माध्यम

एफआईआई और डीआईआई फंड प्रवाह भारतीय पूंजी बाज़ार की सेहत को समझने का एक अहम माध्यम है। एफआईआई वे बड़े विदेशी निवेशक होते हैं जो भारत जैसे उभरते बाजारों में बेहतर रिटर्न की उम्मीद से निवेश करते हैं। इनमें विदेशी म्यूचुअल फंड, पेंशन फंड, हेज फंड और बीमा कंपनियां शामिल होती हैं। दूसरी ओर, डीआईआई में भारतीय म्यूचुअल फंड, बीमा कंपनियां, बैंक और अन्य घरेलू संस्थान आते हैं, जो देश के भीतर एकत्रित पूंजी को बाज़ार में लगाते हैं।

अस्थिर होता है विदेशी निवेश

एफआईआई का निवेश आमतौर पर अधिक अस्थिर माना जाता है। वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में बदलाव, डॉलर की मजबूती, भू-राजनीतिक तनाव या मंदी की आशंका होने पर एफआईआई तेजी से पूंजी निकाल सकते हैं। इससे भारतीय बाज़ार में अचानक गिरावट देखने को मिलती है। इसके विपरीत, जब वैश्विक माहौल सकारात्मक होता है और भारत की विकास दर मजबूत दिखाई देती है, तो एफआईआई बड़े पैमाने पर निवेश करते हैं, जिससे बाज़ार में तेजी आती है।

रणनीति बनाने में मदद

फंड प्रवाह का तुलनात्मक अध्ययन निवेश रणनीति बनाने में मदद करता है। यदि एफआईआई बिकवाल हों और डीआईआई खरीदार, तो यह संकेत घरेलू संस्थान लंबी अवधि के लिए बाज़ार को आकर्षक मान रहे हैं। वहीं, दोनों की साथ खरीदारी मज़बूत तेजी का संकेत देती है।

एक समग्र दृष्टिकोण

एफआईआई और डीआईआई फंड प्रवाह को अलग-अलग नहीं बल्कि एक समग्र दृष्टिकोण से देखना चाहिए। इससे न केवल बाज़ार की दिशा का अनुमान लगाया जा सकता है, बल्कि निवेशक जोखिम और रिटर्न को संतुलित करने के लिए समझदारी भरे निर्णय भी ले सकते हैं।

डीआईआई की भूमिका मजबूत

डीआईआई की भूमिका पिछले कुछ वर्षों में काफी मजबूत हुई है। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (SIP) के जरिए म्यूचुअल फंड में लगातार निवेश ने डीआईआई को बाजार में स्थिरता प्रदान करने वाला कारक बना दिया है। जब एफआईआई बिकवाली करते हैं, तब कई बार डीआईआई उस गिरावट को संभाल लेते हैं। इससे बाजार में अत्यधिक उतार-चढ़ाव कम होता है और निवेशकों का भरोसा बना रहता है।

संवेदना को प्राथमिकता देते हुए भारत को एआई क्षेत्र में नेतृत्व करना चाहिए : अंबानी

मुंबई, एजेंसी

- अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस कार्यक्रम को रिलायंस के चेयरमैन ने किया संबोधित

उद्योगपति मुकेश अंबानी ने शनिवार को कहा कि भारत को कृत्रिम मेधा (एआई) के क्षेत्र में विश्व का अग्रणी देश बनना चाहिए, लेकिन नई प्रौद्योगिकी अपनाते समय मानवीय संवेदना और करुणा को भी उतना ही महत्व देना जरूरी है। अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन अंबानी ने कहा कि देश की सबसे बड़ी निजी कंपनी देश की ऊर्जा समस्या के समाधान के बेहद करीब है। सौर ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास भारत के लिए बड़ी उपलब्धि साबित हो सकते हैं।

अंबानी ने कहा कि रिलायंस की दूरसंचार कंपनी जियो ने अपनी सेवाओं के जरिए भारत को वैश्विक डिजिटल मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हमें कृत्रिम मेधा की जरूरत है और भारत को इसमें विश्व में अग्रणी बनना चाहिए, लेकिन सबसे ऊपर हमें संवेदना और करुणा की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बुद्धिमत्ता को मानवीय संवेदना से और समृद्धि को उद्देश्य से जोड़कर भारत दुनिया के सामने विकास का एक नया मॉडल पेश कर सकता है।

आवासीय परियोजनाओं के लिए निर्माण वित्त नीति पर पुनर्विचार करेगा एसबीआई

नई दिल्ली, एजेंसी

- ऋणों के लिए ब्याज दर तय करने में जवाबदेही और पारदर्शिता प्रमुख कारक होंगे
- निर्माण वित्त में बैंक की मौजूदगी नगण्य, वह रियल एस्टेट में पोर्टफोलियो कर रहे तैयार

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सीएस सेट्टी ने शनिवार को कहा कि बैंक आवासीय रियल एस्टेट परियोजनाओं के लिए निर्माण वित्त से जुड़ी अपनी नीति पर फिर से विचार करेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे ऋणों के लिए ब्याज दर तय करने में जवाबदेही और पारदर्शिता प्रमुख कारक होंगे। इस समय आवासीय परियोजनाओं के निर्माण वित्त में बैंक की मौजूदगी नगण्य है, हालांकि वह वाणिज्यिक रियल एस्टेट में धीरे-धीरे अपना पोर्टफोलियो तैयार कर रहा है।

उन्होंने अत्यधिक उधारी के कारण अतीत में हुई विफलताओं का जिक्र करते हुए कहा कि हमें निर्माण (वित्त) पर, खासकर आवासीय रियल एस्टेट में किस तरह काम करना चाहिए, इस पर हम विचार कर रहे हैं, लेकिन यह भी एक तथ्य है कि जो लोग आवासीय रियल एस्टेट बाजार में बहुत आक्रामक रहे हैं, उन्होंने नुकसान उठाया है। उन्होंने रियल एस्टेट विकासकर्ताओं की संस्था क्रेडाई के कार्यक्रम में कहा कि पारदर्शिता, परियोजना प्रबंधन और जोखिम प्रबंधन के संदर्भ में स्थिरता हमें कुछ भरोसा देती है जवाबदेही ही वह चीज है जो हमारे जैसे ऋणदाताओं को विश्वास दिलाएगी, और तब आप अपेक्षाकृत कम लागत पर निर्माण वित्त पा सकेंगे।

वाणिज्यिक रियल एस्टेट के संबंध में सेट्टी ने कहा कि डेवलपर्स को आगामी कार्यालय स्थल परियोजनाओं के लिए निर्माण वित्त हासिल करने के लिए संभावित किरायेदारों से कम से कम 40–50 प्रतिशत की प्रतिबद्धता सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम ऐसी स्थिति नहीं चाहते कि हमारे पास इमारत तो हो, लेकिन वह खाली पड़ी हो।

सेबी की बैठक | स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग स्पेसेज लिमिटेड व परामर्श कंपनी अनअर्थआईक्यू ने जारी की संयुक्त रिपोर्ट

वैश्विक क्षमता केंद्रों के विस्तार के साथ लचीले कार्यस्थलों की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी

- 2028 तक भारत का फ्लेक्स स्पेस का बाजार दायरा होगा नौ से 10 अरब डॉलर
- देश में वर्तमान में 1,850 से अधिक जीसीसी, जो 22 लाख पेशेवरों को देते हैं रोजगार

देश में वैश्विक क्षमता केंद्रों की बढ़ती मांग के साथ लचीली यानी जरूरत के हिसाब से बदलाव वाले कार्य स्थलों की मांग बढ़ रही है और 2028 तक इसके बाजार के नौ से 10 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। शनिवार को जारी एक रिपोर्ट में यह कहा गया है।

उद्यमों के लिए तकनीक से लैस और पूरी तरह से प्रबंधित कार्यालय परिसर प्रदान करने वाली स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग स्पेसेज लिमिटेड और परामर्श कंपनी अनअर्थआईक्यू की संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार कि वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) के तेजी से विस्तार के साथ भारत का फ्लेक्स स्पेस' (लचीली और प्रबंधित कार्य स्थल) उद्योग तेजी से वृद्धि कर रहा है और एक अनुमान के मुताबिक 2028 तक यह बाजार बढ़कर नौ से 10 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा, जो वर्तमान में तीन से चार अरब डॉलर का है। 2030 तक जीसीसी को 16 से 20 करोड़ वर्ग फुट कार्यालय स्थान की जरूरत होगी, जिसमें से 6.5 से 8.0 करोड़ वर्ग फुट (लगभग आधा) फ्लेक्स कार्यक्षेत्र पूरा करेंगे। देश में वर्तमान में 1,850 से अधिक जीसीसी हैं, जो लगभग 22 लाख पेशेवरों को रोजगार प्रदान करते हैं। ये केंद्र हर साल 80,000 से 1,20,000 कार्यस्थल की जगहें जोड़ रहे हैं, जिससे कार्यक्षेत्र संचालकों के लिए सालाना 17-25.4 करोड़ डॉलर का अवसर पैदा हो रहा है।

भारत में वाणिज्यिक रियल एस्टेट की अगली लहर: जीसीसी की वृद्धि के साथ फ्लेक्स स्पेस का उदय (इंडिया नेक्स्ट कॉमर्शियल रियल एस्टेट वेवः द राइज ऑफ फ्लेक्स स्पेसेस फ्यूल्ड बाय जीसीसी ग्रोथ) शीर्षक से जारी रिपोर्ट भारत के वाणिज्यिक रियल एस्टेट बाजार में चल रहे संरचनात्मक बदलावों का विश्लेषण करती है और यह बताती है कि कैसे वैश्विक क्षमता केंद्रों का तीव्र विस्तार महानगरों और मझोले शहरों (टियर-1 और टियर-2) शहरों में लचीले और प्रबंधित कार्यस्थलों की मांग को बढ़ा रहा है।

स्मार्टवर्क्स के सह-संस्थापक हर्ष बिनानी ने कहा कि वैश्विक क्षमता केंद्र अब केवल कार्यालय नहीं ढूंढ रहे हैं। वे ऐसे स्मार्ट और लचीले कार्यस्थल चाहते हैं, जो उन्हें तेजी से नवाचार करने और वैश्विक स्तर पर काम करने में मदद करें...।

सफलता अब पारंपरिक कार्यालय ढांचे पर नहीं बल्कि अनुभव-प्रधान कार्यस्थलों पर निर्भर

अनअर्थआईक्यू के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी गौरव वासु तथा सह-संस्थापक और जीसीसी विशेषज्ञ शैल मणियार ने कहा कि वैश्विक क्षमता केंद्रों के लिए सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह समझना है कि सफलता अब केवल पारंपरिक कार्यालय ढांचे पर नहीं बल्कि अनुभव-प्रधान कार्यस्थलों पर निर्भर करती है। स्मार्टवर्क्स भारत का सबसे बड़ा प्रबंधित कार्यालय मंच है, जिसका कुल प्रबंधित क्षेत्रफल लगभग 1.4 करोड़ वर्ग फुट है। यह भारत और सिंगापुर के 14 शहरों में स्थित 61 केंद्रों में फैला हुआ है। अनअर्थआईक्यू एक सलाहकार कंपनी है जो कंपनियों को उनके वैश्विक क्षमता केंद्रों के निर्माण, विस्तार और अनुकूल बनाने में मदद करती है।

इमरान खान और उनकी बीवी बुशरा को 17-17 साल की कैद

- तोशाखाना मामले में विशेष अदालत ने सुनाई सजा

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान की जवाबदेही अदालत ने जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को तोशाखाना-2 भ्रष्टाचार मामले में शनिवार को 17-17 साल के कारावास की सजा सुनाई।

अगस्त 2023 से जेल में बंद खान (73) अप्रैल 2022 में प्रधानमंत्री पद से अपदस्थ होने के बाद से विभिन्न मुकदमों का सामना कर रहे हैं। तोशाखाना-2 मामला 2021 में खान और बीबी को सऊदी सरकार से मिले सरकारी उपहारों में हुई कथित धोखाधड़ी से जुड़ा है। विशेष अदालत के न्यायाधीश शाहरुख अर्जुमंद ने रावलपिंडी में स्थित उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में इस मामले में फैसला सुनाया, जहां पीटीआई के प्रमुख खान फिलहाल बंद हैं। खान और बुशरा को पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 409 (आपराधिक विश्वासघात) के तहत 10-10 साल और भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत सात-सात साल कैद की सजा सुनाई गई। अदालत ने दोनों पर 1.64-1.64 करोड़ रुपये जुर्माना भी लगाया। अदालत ने सजा सुनाते समय इमरान अहमद खान नियाजी की उम्र के साथ साथ यह तथ्य भी ध्यान में रखा कि बुशरा खान एक महिला हैं।

तटरक्षक बल को मिला अतुल्य पोत

भारतीय तटरक्षक बल के बेड़े में अदम्या श्रेणी का तीसरा फास्ट पेट्रोल वेसेल पोत अमूल्य को शामिल किया गया है। यह आधुनिक पोत निगरानी, खोज, बचाव, तस्करी रोकने के साथ समुद्र में प्रदूषण नियंत्रण का महत्वपूर्ण कार्य भी करेगा। इस जहाज का निमार्ण गोवा शिपयार्ड में किया गया है। काफी हद तक यह स्वदेशी पोत कई मायनों में खास है। इंजन काफी अत्याधुनिक होने के साथ मारक हथियार लगाए गए हैं जिससे यह दुश्मन का समुद्र में तेजी से पीछा करने के साथ उन्हें मार गिराने में सक्षम है। भारतीय तटरक्षक बल की समुद्री ताकत में इजाफा करने के साथ ही यह जहाज देश के पूर्वी तट की सुरक्षा को और मजबूत बनाने का काम करेगा। लगभग 51 मीटर लंबे और करीब 60 फीसदी स्वदेशी उपकरणों से लैस इस जहाज को शुक्रवार को औपचारिक रूप से तटरक्षक बल के बेड़े में शामिल किया गया।

समुद्र में बढ़ी देश की ताकत

- गति और परिचालन क्षमता : यह पोत 27 समुद्री मील की अधिकतम गति से चल सकता है और इसकी परिचालन क्षमता 1,500 समुद्री मील है।
- हथियार और प्रणालियां : यह पोत स्वदेश निर्मित अत्याधुनिक हथियारों और प्रणालियों से सुसज्जित है, जिसमें 30 मिमी सीआरएन-91 गन और फायर कंट्रोल सिस्टम शामिल हैं।
- कार्य : यह पोत निगरानी, अवरोधन, खोज एवं बचाव, तस्करी विरोधी अभियान और प्रदूषण नियंत्रण सहित कई अभियानों को अंजाम देगा।
- तैनाती : यह पोत ओडिशा के पारादीप में तैनात रहेगा और तटरक्षक क्षेत्र (उत्तर पूर्व) कमान के प्रशासनिक और परिचालन नियंत्रण में काम करेगा।

फास्ट पेट्रोल वेसल क्यों महत्वपूर्ण

- फास्ट पेट्रोल वेसल छोटे-मध्यम आकार के अत्यंत तेज और लचीले जहाज़ होते हैं जो तट और समुद्री सीमाओं की निरंतर निगरानी, खासकर रात में या कठिन मौसम में भी करने में सक्षम होते हैं। इनका उपयोग गश्ती और तस्करी/अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण, तटीय इलाक़ों में खोज-बचाव मिशन संचालित करने में भी किया जाता है। इन जहाज़ों की गति और छोटा आकार उन्हें कड़े समुद्री हालात में भी सक्रिय रहने में मदद करता है। 27 नॉट्स से ऊपर गति रखने में सक्षम यह जहाज लगभग 1500 समुद्री मील की दूरी तक अभियान चला सकता है।

सुरक्षा क्षमता में इजाफा

- यह जहाज समुद्री क्षेत्र की बेहतर निगरानी व कवरेज में काफी सक्षम है। 7,500 किमी से अधिक लंबी भारत की समुद्री सीमा और विशाल विशेष आर्थिक क्षेत्र की नियमित-निगरानी ऐसे जहाज़ों से और बेहतर ढंग से कवर किया जा सकता है। आपातकाली स्थिति जैसे समुद्री चोरी, तस्करी या कियाी नाव या जहाज पर संकट जैसी स्थिति में ये तेजी से प्रतिक्रिया करने में सक्षम हैं। साथ ही ये विविध कार्य में समर्थ होते हैं। ये जहाज़ निगरानी, तट सुरक्षा, खोज-बचाव, प्रदूषण नियंत्रण जैसे मिशनों को एक ही प्लेटफ़ॉर्म से हैंडल कर सकते हैं।

बल की क्षमता

- भारतीय तटरक्षक बल के पास 158 जहाज और 70 विमान हैं। जिनमें अदम्य श्रेणी के तीव्र गश्ती पोतों में अमूल्य, अदम्य, अटल, अजित, अपराजित हैं। विक्रम श्रेणी में विजया, विक्रम, विग्रह हैं। समर्थ श्रेणी के चार गश्ती पोत समर्थ, शूर, सारथी, शौनक हैं। समर श्रेणी पोतों में समर, संग्राम, सारंग, सागर हैं। वहीं संकल्प श्रेणी में संकल्प, सम्राट हैं और विश्वस्त श्रेणी के गश्ती पोत में विश्वस्त, विजित, वैभव हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के उप कमांडर खांडकर का निधन

ढाका। बांग्लादेश की स्थापना के लिए 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान मुक्ति वाहिनी के प्रमुख नेता, एयर वाइस मार्शल (सेवानिवृत्त) ए. के. खांडकर का शनिवार को निधन हो गया। वह 95 वर्ष के थे। पांच दशक पहले 16 दिसंबर को जब पाकिस्तानी सैनिकों ने भारत-बांग्लादेश संयुक्त बलों के सामने आत्मसमर्पण किया था तब खांडकर उपस्थित थे। रक्षा मंत्रालय के अंतर-सेवा जनसंपर्क द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, 20 दिसंबर पूर्वाह्न लगभग 10:35 बजे उम्र संबंधी जटिलताओं के कारण खांडकर ने अंतिम सांस ली। उन्होंने 16 दिसंबर, 1971 को ढाका में आयोजित समारोह में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व किया था।

विश्व बैंक से पाकिस्तान को 70 करोड़ डॉलर मंजूर

इस्लामाबाद। विश्व बैंक ने शनिवार को पाकिस्तान के लिए 70 करोड़ डॉलर के वित्तपोषण को मंजूरी दे दी है। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि पाकिस्तान की व्यापक आर्थिक स्थिरता और सेवा वितरण को समर्थन देने के लिए शुरू की गई एक बहुवर्षीय पहल के तहत यह राशि दी जाएगी। डॉन अखबार की खबर के अनुसार यह राशि विश्व बैंक के समावेशी विकास के लिए सार्वजनिक संसाधन बहु-चरणीय योजनाबद्ध कार्यपद्धति (पीआरआईडी-एमपीए) के तहत जारी की जाएगी। इस राशि में 60 करोड़ डॉलर संघीय कार्यक्रमों के लिए और 10 करोड़ डॉलर सिंध प्रांत में एक प्रांतीय कार्यक्रम के समर्थन के लिए खर्च किए जाएंगे।

रुबियो बोले-ट्रंप ने शांति स्थापना को दी प्राथमिकता

न्यूयॉर्क। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शांतिदूत के तौर पर अपनी भूमिका को प्राथमिकता दी है। ट्रंप भारत एवं पाकिस्तान के बीच संघर्ष सुलझाने में अपनी भूमिका को लेकर कई बार दावा कर चुके हैं। वह अब तक लगभग 70 बार यह दावा कर चुके हैं। रुबियो ने कहा कि अमेरिका दुनिया भर में सक्रिय भूमिका निभा रहा है और उसने ऐसे संघर्ष सुलझाने में भी भूमिका निभाई है जो अमेरिका के रोजमर्रा के जीवन के लिए संभवतः उतने महत्वपूर्ण नहीं हैं।

वैश्विक व्यवस्था में आया बदलाव अब कोई भी मर्जी नहीं थोप सकता

पुणे स्थित एक डीम्ड विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बोले विदेशमंत्री जयशंकर

- कहा-भारत को अब अधिक सकारात्मक देखती है दुनिया

पुणे, एजेंसी

पुणे में सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (मानित विश्वविद्यालय) के 22वें दीक्षांत समारोह में शामिल विदेश मंत्री एस जयशंकर।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि आज दुनिया भारत को पहले की तुलना में कहीं अधिक सकारात्मक रूप में देखती है और देश की छवि में आया यह बदलाव एक निर्विवाद सच्चाई है। जयशंकर ने पुणे में सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड विश्वविद्यालय) के 22वें दीक्षांत समारोह में कहा कि वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि शक्ति और प्रभाव के कई केंद्र उभर चुके हैं और अब कोई भी देश, चाहे वह कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो, सभी मुद्दों पर अपनी मर्जी नहीं थोप सकता।

जयशंकर ने कहा कि आज दुनिया हमें किस तरह से देखती है? इसका संक्षिप्त उत्तर यह है- पहले की तुलना में कहीं अधिक सकारात्मक और कहीं अधिक गंभीरता से। इसका कारण हमारा राष्ट्रीय ब्रांड और हमारी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा दोनों हैं, जिनमें उल्लेखनीय सुधार हुआ है। विदेश मंत्री ने कहा कि आज दुनिया भारतीयों को मजबूत कार्य-नैतिकता वाले, प्रौद्योगिकी में दक्ष और परिवार-केंद्रित संस्कृति को अपनाने वाले लोगों के रूप में देखती है। उन्होंने कहा कि विदेश में संवाद के दौरान मैं हमारे प्रवासी भारतीयों के बारे में अक्सर प्रशंसा के शब्द सुनता हूं। भारत में कारोबार करना आसान हो रहा है और जीवन-यापन में सहूलियत बढ़ रही है। इसी के साथ एक व्यक्ति, राष्ट्र और समाज के रूप में भारत के बारे में पुरानी रूढ़िवादी धारणाएं धीरे-धीरे पीछे छूट रही हैं। जयशंकर ने कहा कि प्रगति और आधुनिकीकरण की अपनी यात्रा में बेशक हमें अभी बहुत कुछ करना है, लेकिन हमारी छवि में यह बदलाव ऐसी वास्तविकता है, जिससे इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि हमारे आंकड़े इस परिवर्तन की पुष्टि करते हैं। कहा कि शायद अन्य किसी चीज से अधिक, आज भारत को उसकी प्रतिभा और कौशल से परिभाषित किया जाता है।

विकसित करनी होगी आधुनिक विनिर्माण क्षमता

विदेशमंत्री जयशंकर ने कहा कि जो बात हमें अलग बनाती है, वह मानव संसाधनों की प्रासंगिकता है। उन्होंने कहा कि अगर हम जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था को प्रौद्योगिकी के साथ कदम मिलाकर चलना है और औद्योगिक कार्य-संस्कृति को आत्मसात एवं विकसित करना है, तो हमें पर्याप्त और आधुनिक विनिर्माण क्षमता विकसित करनी ही होगी। केवल तभी हम सेवा क्षेत्र में भी अपनी क्षमताओं को निखार सकते हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि जैसे-जैसे आय बढ़ती है और मांग में इजाफा होता है, सामाजिक-आर्थिक आवश्यकताओं की एक व्यापक श्रृंखला को अधिक प्रभावी ढंग से पूरा करना होगा।

भारत को लचीले रुख पर बने रहना चाहिए

पुणे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य गठबंधन की राजनीति की तरह है, जहां निष्ठाएं लगातार बदलती रहती हैं। उन्होंने कहा कि भारत को ऐसे परिदृश्य में लचीला रुख अपनाते हुए अपने हितों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। जयशंकर पुणे साहित्य महोत्सव में राष्ट्रीय पुस्तक ट्रस्ट के निदेशक युवराज मलिक के साथ कूटनीति से संवाद विषय पर बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा, हमारे देश में एक दौर गठबंधन की राजनीति का था। आज की दुनिया भी गठबंधन की राजनीति जैसी ही है। किसी के पास बहुमत नहीं है। किसी गठबंधन को बहुमत हासिल नहीं है। इसलिए लगातार गठबंधन बनते रहते हैं, सौदे होते रहते हैं, कोई ऊपर जाता है तो कोई नीचे। यह पूरी तरह से बहुध्रुवीय दुनिया है, जहां कई साझेदार हैं। कहा कि इस अस्थिर स्थिति से निपटने के लिए उनका मंत्र भारत के हितों को ध्यान में रखते हुए फैसले लेना था।

ढाका में कड़ी सुरक्षा के बीच युवा नेता को किया गया सिपुर्दे खाक

- जनाजे की नमाज में मोहम्मद युनूस भी हुए शामिल

ढाका/नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में युवा नेता उस्मान हादी के नमाजे जनाजा और दफनाने के दौरान बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में शनिवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रमुख युवा नेता शरीफ उस्मान हादी के जनाजे की नमाज अदा की गई, जिसके लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस अपनी सलाहकार परिषद के सदस्यों और सेना प्रमुख जनरल वाकर-उज-जमां के साथ माणिक मिया एवेन्यू में स्थित संसद भवन परिसर के साउथ प्लाजा में इंकलाब मंच के 32 वर्षीय प्रवक्ता हादी के जनाजे की नमाज में शामिल हुए। हादी को राष्ट्रीय कवि काजी नजरूल इस्लाम की कब्र के बगल में दफनाया गया। हादी की पार्टी ने अंतरिम सरकार को 24 घंटे का अल्टीमेटम जारी कर हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों की गिरफ्तारी में स्पष्ट प्रगति की मांग की

पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी, जमात-ए-इस्लामी और छात्रों के नेतृत्व वाली नेशनल सिटीजन पार्टी के नेताओं ने भी जनाजे की नमाज अदा की। हादी की मौत के बाद बांग्लादेश में राजकीय शोक घोषित किया गया। हादी पिछले साल छात्रों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान प्रमुख नेताओं में से एक थे। इन विरोध प्रदर्शनों की वजह से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार गिर गई थी। हादी 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव में उम्मीदवार थे। नकाबपोश बंदूकधारियों ने 12 दिसंबर को मध्य ढाका के विजयनगर क्षेत्र में इंकलाब मंच के प्रवक्ता हादी के सिर में उस समय गोली मार दी थी जब वह अपना चुनाव प्रचार शुरू कर रहे थे। बाद में सिंगापुर में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादी के शव को पोस्टमॉर्टम के बाद सरकारी सुह्रावर्दी अस्पताल से लाए जाने के बाद नमाज अदा की गई। हादी के बड़े भाई अबू बकर ने जनाजे की नमाज अदा करवाई और फिर शव कड़ी सुरक्षा में ढाका विश्वविद्यालय परिसर लाया गया, जहां से उसे दफनाने के लिए ले जाया गया। चुनिंदा लोगों को ही दफनाने की प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति दी गई। नमाजे जनाजा से पहले लोगों ने दिल्ली या ढाका-ढाका, ढाका और भाई हादी का खून जाया नहीं जाने दिया जाएगा जैसे भारत-विरोधी नारे लगाए। वहीं, भारतीय सहायक उच्चायोग कार्यालय और वीजा केंद्र की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

हिंदू युवक की हत्या के मामले में 10 गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश में अधिकारियों ने 25 वर्षीय हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की पीट-पीटकर निर्मम हत्या के मामले में 10संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। अंतरिम सरकार ने शनिवार को मैमनसिंह शहर में गुरुवार को हुई इस घटना की त्वरित और गहन जांच के बाद इन गिरफ्तारियों की घोषणा की। इस घटना ने बांग्लादेश में व्यापक आक्रोश पैदा कर दिया है। दास पर ईशनिंदा के आरोपों को लेकर भीड़ ने बेरहमी से हमला किया। दास की पीट-पीटकर हत्या कर दी फिर उसके शरीर को जला दिया।

आईएस के ठिकानों पर अमेरिकी हमला

वाशिंगटन, एजेंसी

- हवाई हमले में आतंकी संगठन के 70 ठिकाने किए तबाह

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन ने लगभग एक सप्ताह पहले हुए एक हमले के प्रतिशोध में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के आतंकवादियों और उनके ठिकानों को नष्ट करने के लिए शुक्रवार को सीरिया में सैन्य हमले शुरू किए। करीब एक सप्ताह पहले घात लगाकर किए गए हमले में दो अमेरिकी सैनिक और एक अमेरिकी दुभाषिया मारे गए थे।

अमेरिका के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी सेना ने बड़े पैमाने पर हमला किया जिसमें मध्य सीरिया के उन इलाकों में 70 ठिकानों को निशाना बनाया गया जहां आईएस का ढांचा और हथियार मौजूद थे। अमेरिका के एक अन्य अधिकारी ने अपना नाम गोपनीय रखे जाने की शर्त पर कहा कि और भी हमले किए जा सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस हमले में एफ-15 ईगल विमानों, ए-10 थंडरबोल्ट विमानों और एएच-64 अपाचे हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि जॉर्डन के एफ-16 लड़ाकू विमान और हिमर्स रॉकेट तोपखाने का भी इस्तेमाल किया गया। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा कि यह युद्ध की शुरुआत नहीं है बल्कि यह बदले की घोषणा है। राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका अपने लोगों की रक्षा के लिए कभी हिचकिचाएगा नहीं और कभी पीछे नहीं हटेगा। सीरियाई रेगिस्तान में पिछले सप्ताह हुई गोलीबारी के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ी जवाबी कार्रवाई करने का संकल्प लिया था और इन हमलों के लिए उन्होंने आईएस को जिम्मेदार ठहराया था।

एपस्टीन फाइलों में भारत के आयुर्वेद का भी जिक्र

- अमेरिकी न्याय विभाग ने जारी कीं हजारों फाइलें

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका में जारी की गईं एपस्टीन से जुड़ी फाइलों में मालिश तकनीकों और भारत के आयुर्वेद के संदर्भ मिले हैं। अमेरिकी न्याय विभाग ने शुक्रवार को दोषी ठहराए गए यौन अपराधी, दिवंगत जेफरी एपस्टीन से संबंधित हजारों फाइलें जारी कर दीं।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए थे जिसमें 30 दिन के भीतर संबंधित

जेफरी एपस्टीन की फाइल फोटो

फाइल जारी करने का आदेश दिया गया था। यह मुद्दा राजनीतिक रूप से संवेदनशील है, और डेमोक्रेट पार्टी के नेताओं द्वारा एक व्यापक अभियान चलाया जा रहा है जिसमें दुनिया के कुछ सबसे प्रभावशाली लोगों से अपने संबंधों के लिए जाने जाने वाले धनी फाइनेंसर से संबंधित फाइलों को जारी करने की मांग की जा रही है। ट्रंप और एपस्टीन के बीच अनबन होने से पहले उनके बीच कई वर्षों तक मित्रता रही थी, और यह संबंध एक बड़े राजनीतिक विवाद का विषय रहा है। न्याय विभाग द्वारा जारी की गईं एपस्टीन फाइलों में से एक में विषहरण के लिए मालिश और आयुर्वेद के उपयोग का उल्लेख है। कहा गया है, पश्चिम में कई चिकित्सक भारत की इस 5,000 साल पुरानी प्राकृतिक उपचार प्रणाली पर आधारित मालिश और अन्य उपचार प्रदान कर रहे हैं।

मालिश तकनीकों का भी किया है उल्लेख

इसमें द आर्ट ऑफ गिविंग मसाज शीर्षक वाले लेख भी हैं, जिसमें विषहरण के लिए तिल के तेल के उपयोग का उल्लेख किया गया है। इन फाइलों में ट्रंप की केवल कुछ ही तस्वीरें शामिल हैं, न्याय विभाग ने स्वीकार किया कि दस्तावेजों का खुलासा अधूरा है। इनमें अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की कई तस्वीरें और दिवंगत पॉप स्टार माइकल जैक्सन के साथ एपस्टीन की एक तस्वीर भी है। एपस्टीन से जुड़े किसी भी मामले में न तो ट्रंप और न ही क्लिंटन पर कभी कोई गलत काम करने का आरोप लगा है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 21 दिसंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा 09.10 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

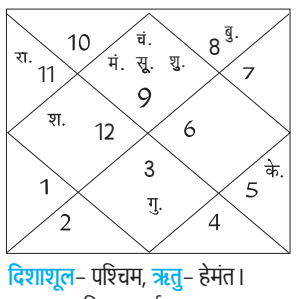

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वाफाल्गुनी, उत्तराफाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- पूर्वाषाढ़ा 22 दिसंबर 03.36 तक तत्पश्चात उत्तराषाढ़ा।

मेष — आज किसी पर अंधविश्वास करने से बचें। प्रेम संबंधों को लेकर अत्यंत भावुक रहेंगे। आप राजनीतिक चर्चाओं में सम्मिलित हो सकते हैं। भोग-विलास पर धन खर्च होगा। व्यवसाय में आप बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

वृष — आज कारोबार में मन मुताबिक परिणाम न मिलने से परेशानी होगी। सहयोगियों के साथ संबंध मजबूत होंगे। घर में किसी बात को लेकर कलह हो सकती है। माता के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। पुराने रोग उभर सकते हैं।

मिथुन — आज ब्रांडिंग और मार्केटिंग के लिए दिन बहुत अच्छा है। करियर को लेकर कोई बड़ा व सार्थक निर्णय ले सकते हैं। आप पूरा दिन महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्त रहेंगे। भविष्य को लेकर आप अत्यंत आशान्वित रहने वाले हैं।

कर्क — आज नए काम की शुरुआत करना ठीक नहीं है। किसी की आलोचना करने से बचें। कीमती वस्तुओं को संभालकर रखें। प्रेमी जन से कोई वादा न करें। धन-संपत्ति को लेकर थोड़ी परेशानी हो सकती है। दुष्ट प्रवृत्ति के लोगों से दूरी बनाकर रखें।

सिंह — आज बड़ी परियोजनाओं की प्लानिंग कर सकते हैं। विदेश में जॉब और कारोबार के अवसर मिलेंगे। दांपत्य संबंध रोमांटिक रहेंगे। कुछ लोग आपके विषय में भ्रम फैलाने का प्रयास करेंगे। प्रेम संबंधों को लेकर थोड़े भावुक हो सकते हैं।

कन्या — आज धन के लेन-देन में चूक हो सकती है। अनावश्यक खर्चों के कारण आप बजट गड़बड़ा सकता है। अपनी कार्यशैली में परिवर्तन करना फिलहाल उचित नहीं है। शाम को जीवनसाथी से कहासुनी करने से बचें। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही बिल्कुल न करें।

तुला — आज का दिन राजनीति से जुड़े लोगों के लिए बहुत अच्छा है। दैनिक खर्चों में बढ़ोतरी होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रशंसा होगी। आईटी और तकनीक के प्रति आपका रुझान बढ़ेगा। सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ते रहें।

वृश्चिक — आज कारोबार में अधिक उदारता दिखाना उचित नहीं है। इसके कारण आपका मान-सम्मान उसी अनुपात में बढ़ेगा। आप सभी के प्रति बहुत अच्छा व्यवहार रखेंगे। धर्म के प्रति आप अत्यधिक समर्पण भाव रखेंगे।

धनु — आज गूढ़ रहस्य के विषयों पर अनुसंधान करने वालों को सफलता मिल सकती है। अध्यात्मिक गुरुओं का आशीर्वाद प्राप्त हो सकता है। आपकी लीडरशिप क्षमता में सुधार होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। लंबी दूरी की यात्रा कर सकते हैं।

मकर — आज गलत कार्यशैली के कारण कारोबार में नुकसान होने की आशंका है। बीमार लोग दवाइयों को लेकर लापरवाही न करें। महिलाओं को प्रेम संबंधों में धोखा मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में आपका काम बिगड़ सकता है।

कुंभ — आज सामाजिक कार्यक्रमों के लिए दिन बहुत अच्छा है। रुके हुए काम को पूरा करने के लिए दिन उत्तम है। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिल सकता है। अपनी बातों को मनवाने के लिए किसी पर दबाव न डालें। आपके व्यवहार से परिजन अत्यंत प्रसन्न रहेंगे।

मीन — आज हल्का भोजन करना हितकर होगा। साझेदारी में नया काम शुरू कर सकते हैं। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिलेगा। पेट में इंफेक्शन की आशंका है। जल्दबाजी में कोई काम पूरा न करें। धर्म व पुण्य के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी।

सुडोकू-8

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8			4	3	9		7
	7		5	2				
3			7			1		6
				6				5
	2		9		5		8	
4				1				
5		2			7			4
				5	2		3	
8		9	6	3			7	

सुडोकू - 7 का हल

3	2	4	9	8	1	6	7	5
9	1	7	5	4	6	2	8	3
6	5	8	7	3	2	4	1	9
1	6	3	2	5	8	7	9	4
5	4	9	6	1	7	8	3	2
8	7	2	4	9	3	1	5	6
2	8	6	3	7	5	9	4	1
4	3	1	8	2	9	5	6	7
7	9	5	1	6	4	3	2	8

एकदिवसीय विश्व कप में सफल अभियान के बाद टीम अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारियों के लिए लंबे समय से मैदान पर उतरने का इंतजार कर रही है। श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज फायदेमंद रहेगी।

-कप्तान हरमनप्रीत कौर

स्टेडियम

लखनऊ, रविवार, 21 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

हैरी ब्रूक को आउट करने के बाद जश्न मनाते ऑस्ट्रेलिया के नेथन लियोन।

ऑस्ट्रेलिया जीत के करीब पहुंचा

एडिलेड : इंग्लैंड की एशेज में बने रहने की बेताब कोशिश को शनिवार को उस समय करारा झटका लगा जब नेथन लियोन ने एक के बाद एक तीन विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में जीत और शृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने के करीब पहुंचा दिया। इंग्लैंड की टीम जब 435 रन के रिकार्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए एशेज में अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने की कोशिश कर रही थी तब लियोन ने उप कप्तान हैरी ब्रूक (30) को बोल्ड, कप्तान बेन स्टोक्स (05) को बोल्ड और सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली (85) को स्टंप आउट करके इंग्लैंड के खेमे में खलबली मचा दी। इंग्लैंड ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक छह विकेट पर 207 रन बनाए हैं और वह अभी लक्ष्य से 228 रन पीछे है। पहली पारी में 371 रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में 349 रन बनाए। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 286 रन बनाए थे।

सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में हारी

हांगझु : भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी शनिवार को यहां सेमीफाइनल में चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग से हारने के बाद बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स से बाहर हो गई। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम जीत लिया लेकिन इसका फायदा नहीं उठा पाए और एक घंटे तीन मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में 21-10, 17-21 13-21 से हार गए। सात्विक और चिराग ने ग्रुप चरण में चीन की इस जोड़ी को हराया था। लेकिन प्रतिद्वंद्वी जोड़ी ने अहम मौके पर बाजी पलट दी।

चिनप्पा, चोटरानी स्क्वाश के सेमीफाइनल में

मुंबई : जोशना चिनप्पा और वीर चोटरानी शनिवार को यहां सीसीआई वेस्टर्न इंडिया स्क्वाश टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गए। चिनप्पा ने रीवा निमलकर को 11-4, 11-3, 11-5 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई जबकि दूसरी वरीयता प्राप्त सान्या वत्स को फाइनल चार में अपनी जगह बनाने के लिए पूजा आरती आर को 11-6, 10-12, 11-3, 11-5 से हराने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। पुरुष वर्ग में चोटरानी को महेश मंगांवकर ने कड़ी टक्कर दी लेकिन वह 11-9, 11-9, 12-10 से जीत दर्ज करने में कामयाब रहे। एक अन्य मैच में दूसरी वरीयता प्राप्त सूरज चंद ने पूरव रामभिया को 11-3, 11-5, 11-1 से हराया।

पाकिस्तान के खिलाफ दबदबा कायम रखने उतरेगा भारत

अंडर-19 एशिया कप फाइनल

दुबई, एजेंसी

भारतीय टीम रविवार को आईसीसी अकादमी में होने वाले अंडर-19 एशिया कप फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए रिकॉर्ड 12वां खिताब अपनी झोली में डालना चाहेगी। आयुष म्हात्रे की अगुवाई वाली भारतीय टीम ग्रुप ए के सभी मैच जीतकर पाकिस्तान से आगे शीर्ष पर रही।

पाकिस्तान को ग्रुप चरण में एकमात्र हार भारत के खिलाफ मिली थी जिसमें उसे पिछले रविवार को 90 रन से हार मिली। भारत ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में भी यही लय बरकरार रखी और श्रीलंका को आठ विकेट से हराया। दूसरी ओर पाकिस्तान ने गत चैंपियन बांग्लादेश को हराकर फाइनल में जगह बनाई।

फाइनल तक भारत का सफर हरफनमौला प्रदर्शन पर आधारित रहा है जिसमें बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने मिलकर एक मजबूत इकाई बनाई। बल्लेबाजी में भारत का प्रदर्शन शानदार रहा है और टीम ने दो बार 400 से ज्यादा का स्कोर बनाया है। इस 50 ओवर के टूर्नामेंट में युवा प्रतिभाओं का उदय हुआ है जिसमें 17 साल के विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू शामिल हैं। युवा प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी ने संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ

वैभव सूर्यवंशी।

पहले मैच में 95 गेंद में 171 रन बनाकर भारत को छह विकेट पर 433 रन के स्कोर तक पहुंचाया तो कुंडू ने मलेशिया के खिलाफ रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 125 गेंद में नाबाद 209 रन बनाए और युवा वनडे में दोहरा शतक बनाने वाले पहले भारतीय बन गए। यह जोड़ी पाकिस्तान के अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ एक और अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगी। जब भी भारत का शीर्ष क्रम लड़खड़ाया है, मध्यक्रम में ऐसे मौके पर अच्छा प्रदर्शन किया है। हैदराबाद के आरोन जॉर्ज ने लगातार तीन अर्धशतक लगाकर टीम को संभाला है, उन्होंने महत्वपूर्ण मध्य ओवरों में बल्लेबाजी करते हुए 100 से ज्यादा का स्ट्राइक रेट बनाए रखा है। उन्हें बाएं हाथ के बल्लेबाज विहान मल्होत्रा का भी अच्छा साथ मिला है जो श्रीलंका के खिलाफ 61 रन बनाकर नाबाद रहे थे। टीम में गहराई लाने वाले ऑलराउंडर कनिष्क चौहान हैं जिन्होंने 127 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट के साथ फिनिशर की भूमिका को फिर से परिभाषित किया है और साथ ही गेंद से सही समय पर विकेट भी लिए हैं। चौहान ने चार मैचों में छह विकेट लिए हैं जिसमें ग्रुप चरण में पाकिस्तान के खिलाफ 33 रन देकर तीन विकेट लेने का शानदार प्रदर्शन शामिल है। गेंदबाजी में भारत की अगुवाई तेज गेंदबाज दीपेश देवेंद्रन ने की जो पाकिस्तान के अब्दुल सुभान के साथ टूर्नामेंट में 11 विकेट लेकर संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

समय : पूर्वाह्न 10.30 बजे से

पाकिस्तान की सबसे बड़ी ताकत उनकी तेज गेंदबाजी है जिसमें सुभान सबसे आगे हैं और उन्हें बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद सैयाम और अली रजा से अच्छा समर्थन मिल रहा है। स्पिन विभाग में बाएं हाथ के गेंदबाज निकब शफीक ने भारत के खिलाफ दो विकेट लेकर प्रभावित किया जबकि लेग-स्पिनर अहमद हुसैन विविधता लाते हैं।

टीम

भारत : आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा (उपकप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), युवराज गोहिल, कनिष्क चौहान, खिलान ए पटेल, नमन पुष्पक, डी. दीपेश, हेनिल पटेल, किशन कुमार सिंह, उधव मोहन, आरोन जॉर्ज।

पाकिस्तान : फरहान यूसुफ (कप्तान), उस्मान खान (उपकप्तान), अब्दुल सुभान, अहमद हुसैन, अली हसन बलूच, अली रजा, दानियाल अली खान, हमजा जहूर (विकेटकीपर), हुजैफा अहसन, मोमिन कमर, मोहम्मद सय्याम, मोहम्मद शायान (विकेटकीपर), नकाब शफीक, समीर मिन्हास और मोहम्मद हुजैफा।

घरेलू क्रिकेट में दमखम से भारतीय टीम में ईशान किशन की वापसी

टीम प्रबंधन की प्राथमिकताओं में बदलाव भी रहा इस विकेटकीपर बल्लेबाज के पक्ष में

मुंबई, एजेंसी

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने मानसिक स्वास्थ्य का हवाला देते हुए ब्रेक लिया था जिसके चलते उन्हें भारतीय टीम से अपनी जगह गंवानी पड़ी थी और इसके बार भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने उन्हें अपने केंद्रीय अनुबंध से भी बाहर कर दिया। भारत की एकदिवसीय विश्व कप टीम का हिस्सा रहे किशन ने 2023 के आखिर में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर मानसिक थकान का हवाला देते हुए ब्रेक लेने का फैसला किया था। इसके बाद वह रणजी ट्रॉफी (2023-24) में भी नहीं खेले। इसके चलते किशन को श्रेयस अय्यर के साथ बीसीसीआई की केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर कर दिया गया। किशन को वापसी के लिए घरेलू क्रिकेट की कड़ी मेहनत से गुजरना पड़ा। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अपने पहले आईपीएल मैच में ही उन्होंने शतक जड़ खुद को साबित किया और फिर कमाल की बल्लेबाजी करते हुए झारखंड को सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी का पहला खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई।

गिल को टीम से बाहर किए जाने पर कप्तान सूर्यकुमार ने कहा यह गिल की फॉर्म की बात नहीं है। हम चाहते थे कि शीर्ष क्रम में एक अच्छा विकेटकीपर हो। किशन को टीम में शामिल किए जाने का मतलब है कि प्रतिभाशाली यशस्वी जायसवाल टीम में जगह बनाने का मौका चूक गए, वहीं जितेश ने भी टीम में अपनी जगह गंवा दी। भारत ने शीर्ष और मध्य क्रम को मजबूत करते हुए अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार, तिलक वर्मा और किशन को टीम

भारतीय टीम : ऊपर की लाइन में बाएं से दाएं, कप्तान सूर्यकुमार यादव, उप-कप्तान अक्षर पटेल, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, हार्दिक पंड्या। बीच की लाइन में तिलक वर्मा, ईशान किशन, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर, शिवम दुबे। नीचे की लाइन में जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और अर्शदीप सिंह। एजेंसी

में शामिल किया है। रिंकू की मौजूदगी दबाव झेलने और अंतिम ओवरों में विस्फोटक बल्लेबाजी करने वाले विशेषज्ञ फिनिशर के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हार्दिक पंड्या एक बार फिर अंतिम एकादश को संतुलन प्रदान करेंगे जिसमें शिवम दुबे उनका साथ देंगे, जिनकी स्पिनरों को निशाना बनाने की क्षमता टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण बन गई है। इसके अलावा अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर की जोड़ी विविधता, नियंत्रण और बल्लेबाजी की गहराई प्रदान करेगी। जसप्रीत बुमराह तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे। उनका साथ अर्शदीप सिंह देंगे। हर्षित राणा को टीम में शामिल करना एक दूरदर्शी दृष्टिकोण को दिखाता है। स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती संभालेंगे जो कलाई की चतुराई और रहस्य से भरपूर स्पिन गेंदबाजी का मेल पेश करते हैं।

गिल अभी रन नहीं बना पा रहे, पर बेहतरीन खिलाड़ी हैं : अगरकर

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर ने शनिवार को कहा कि हालिया मैचों में शुभमन गिल के रन न बना पाने और संयोजन की मजबूरियों के कारण उन्हें टी20 विश्व कप की टीम में शामिल नहीं किया गया। भारतीय टी-20 टीम के हाल ही में उपकप्तान नियुक्त किए गए गिल श्रीलंका के खिलाफ घरेलू शृंखला में प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर सके। उन्होंने इस शृंखला में चार, शून्य और 28 रन बनाए, जबकि चोट के कारण पांचवां मैच नहीं खेल पाए। अगरकर ने टीम की घोषणा के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा हमें पता है कि वह कितने शानदार खिलाड़ी हैं, लेकिन इस समय शायद उनके बल्ले से उतने रन नहीं निकल पा रहे हैं। उन्होंने कहा वह बदकिस्मती से पिछले विश्व कप से भी बाहर रह गए थे क्योंकि हमने अलग संयोजन के साथ खेलने का फैसला किया था। टीम चयन में संयोजन का ध्यान रखना होता है। जब आप 15 खिलाड़ियों की टीम चुनते हैं तो किसी न किसी को बाहर रहना पड़ता है और इस बार दुर्भाग्य से गिल को बाहर होना पड़ा। अगरकर ने कहा कि टीम प्रबंधन शीर्ष क्रम में एक अतिरिक्त विकेटकीपर रखना चाहता था, जिसके चलते एक बल्लेबाज की कुर्बानी देनी पड़ी।

भारत-श्रीलंका की महिला टीमें आज आमने-सामने

विशाखापत्तनम, एजेंसी

एकदिवसीय विश्वकप चैंपियन बनने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को पहली बार विशाखापत्तनम में शुरु होने वाली पांच टी-20 मैचों की सीरीज में श्रीलंका की मेजबानी करेगी। टूर्नामेंट के पहले दो मैच विशाखापत्तनम में खेले जाएंगे। जिसके बाद सीरीज के आखिरी तीन मैचों तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में होंगे। यह सीरीज 30 दिसंबर तक चलेगी।

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, हरलीन देओल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

श्रीलंका : चमारी अटापट्टू (कप्तान), हासिनी परेरा, विशमी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षिका डी सिल्वा, कविशा दिलहारी, इमेशा दुलानी, कौशिनी नुथ्यांगना, मालशा शेहानी, इनोका रानावीरा, शशिनी गिम्हानी, निमेश मदुशानी, काव्या कविंदी, रश्मिका सेवंदी, मल्की मदारा।

अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए ऐसे युवा खिलाड़ियों की तलाश करना चाहेगी जो टीम को लंबे समय तक स्थिरता प्रदान कर सके। टीम में कप्तान हरमनप्रीत कौर, उपकप्तान स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा और रेणुका सिंह जैसे परिचित चेहरे मौजूद हैं, लेकिन यह सभी खिलाड़ी 30 की उम्र पार कर चुके हैं।

- **अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए युवा खिलाड़ियों की रहेगी तलाश**

बीसीसीआई के सेक्रेटरी देवजीत सैकिया (बीच में), चयन समिति के चेयरमैन अजीत अगरकर और कप्तान सूर्यकुमार यादव।

काइट्स ने पहली बार जीता डब्ल्यूटीएल का खिताब

बेंगलुरु, एजेंसी

विश्व टेनिस लीग की ट्रॉफी के साथ जश्न मनाते काइट्स के खिलाड़ी। एजेंसी

दक्षिणेश्वर सुरेश ने धैर्य और जोश का शानदार मिश्रण दिखाते हुए ईगल्स के अनुभवी सुमित नागल को टाई-ब्रेक में हराकर काइट्स को शनिवार को यहां विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) का पहला खिताब दिलाया। काइट्स ने यहां एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में खेले गए खिताबी मुकाबले में ईगल्स को 21-19 से पछाड़ा।

दक्षिणेश्वर और नागल पुरुष एकल के लिए कोर्ट में उतरे तब काइट्स की टीम 15-13 से आगे थी। भारत के ये दोनों खिलाड़ी शुरूआती 12 गेम में अपनी अपनी-अपनी सर्विस को भुनाने में सफल रहे। नागल ने टाई-ब्रेक में शुरुआती बढ़त बनाई लेकिन शुक्रवार को विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी डेनियल मेदवेदेव को हराने वाले दक्षिणेश्वर ने जोरदार वापसी करते हुए 5-4 की बढ़त हासिल करने के बाद बिना किसी परेशानी के सेट और मैच अपने नाम कर लिया।

मार्टा कोस्तयुक ने इससे पहले ईगल्स की श्रीवल्ली भामिदिपति को 6-4 से हराकर काइट्स को फाइनल में शानदार शुरुआत दिलाई। श्रीवल्ली व गेल मोनफिल्स की ईगल्स की जोड़ी ने मिश्रित युगल मुकाबले में दक्षिणेश्वर और कोस्तयुक को 6-3 से हराया। जबकि दक्षिणेश्वर और निक किर्गियोस की काइटस की जोड़ी ने नागल और मोनफिल्स को पुरुष युगल मैच में इसी अंतर से मात दी।

सूर्यकुमार को एक अच्छी पारी की जरूरतः तिलक

अहमदाबाद : सूर्यकुमार यादव पिछले लंबे समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं, लेकिन उनके साथी खिलाड़ी तिलक वर्मा ने उनका समर्थन करते हुए कहा कि भारत के टी-20 कप्तान को अपनी उस खोई हुई लय को फिर से हासिल करने के लिए केवल एक पारी की जरूरत है, जिससे वह कभी गेंदबाजों पर हमलावर की तरह हावी होते थे।

तिलक ने जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती को टीम का भरोसेमंद गेंदबाज बताया, जिन्होंने शुक्रवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में भारत की 30 रन की और शृंखला में 3-1 से जीत में अहम भूमिका निभाई। तिलक ने मैच के बाद सूर्यकुमार को लेकर पूछे गए सवालों के जवाब में कहा मैं उनसे बस यही कह रहा था कि कुछ गेंदों को सहजता से खेलें।

प्रशंसा | पूर्व महान बल्लेबाज ने ईशान किशन को टीम में शामिल करने के फैसले का किया समर्थन

चयन का आधार घरेलू प्रदर्शन होना चाहिए : गावस्कर

नई दिल्ली, एजेंसी

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने शनिवार को आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शानदार फॉर्म में चल रहे ईशान किशन के चयन का समर्थन किया जबकि पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने शुभमन गिल को बाहर करने जैसे कड़े फैसले के लिए अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति को पूरे अंक दिए।

राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने विकेटकीपर-बल्लेबाज किशन और रिंकू सिंह की वापसी कराई जबकि टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को टी20 प्रारूप में खराब फॉर्म के चलते बाहर कर दिया गया। फिटनेस और उपलब्धता से जुड़ी समस्याओं के कारण साल भर टीम से बाहर रहे किशन ने हालिया सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया और बेहतरीन शतक के साथ झारखंड को खिताब दिलाया। गावस्कर ने कहा जब कोई खिलाड़ी प्रदर्शन करता है तो उसे चुनना चाहिए। ईशान किशन पहले भी टीम में रहे हैं और उन्होंने साबित किया है कि वह यह कर सकते हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनकी मौजूदा फॉर्म दिखाती है कि चयन का आधार घरेलू क्रिकेट होना चाहिए, सिर्फ आईपीएल नहीं। उन्होंने कहा मैं उनके लिए बहुत खुश हूं। वह कुछ वर्षों तक टीम से बाहर थे, लेकिन अपनी राज्य की टीम झारखंड को खिताब दिलाकर उन्होंने शानदार वापसी की। गावस्कर को जितेश शर्मा के लिए भी दुख हुआ। उन्होंने कहा जितेश ने कुछ भी गलत नहीं किया। उन्हें जितने भी मौके मिले, वह एक अच्छे विकेटकीपर साबित हुए। एमएस धोनी के बाद शायद वह विकेट के पीछे से डीआरएस कॉल में कप्तान की मदद करने वाले सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से थे। उनके लिए यह कठिन है, लेकिन वह युवा हैं। उन्हें घरेलू क्रिकेट में लौटकर प्रदर्शन जारी रखना होगा।

हरभजन सिंह ने चयन समिति के फैसले की सराहना की। उन्होंने कहा मैं मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और प्रबंधन को 10 में से 10 अंक देता हूं।

गिल की खराब फार्म उनके खिलाफ गई

गावस्कर ने गिल को बाहर किए जाने को हैरान करने वाला बताया, लेकिन कहा कि शायद फॉर्म और लय की कमी उनके खिलाफ गई। उन्होंने कहा यह हैरानी भरा फैसला है। वह एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं जिनका 2024 टी20 विश्व कप के बाद सत्र शानदार रहा। हां, उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कुछ मैचों में संघर्ष करना पड़ा। लेकिन 'क्लास (कौशल)' स्थायी होती है और फॉर्म अस्थायी। उन्होंने कहा वह लंबे ब्रेक के बाद वापसी कर रहे थे और लय में नहीं थे। टी20 क्रिकेट में शुरुआत से ही आक्रमण करना होता है, अगर लय नहीं हो तो मुश्किल हो जाती है। उनका स्वाभाविक खेल टेस्ट क्रिकेट के ज्यादा अनुकूल है।